जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

जयपुर, गुरुवार 20 अक्टूबर, 2022

ओसवाल सोप ग्रुप
OSWAL SOAP GROUP • OSWAL SOAP GROUP
SINCE
ओसवाल
1956
हर रिश्ते का रखे ख्याल...
6 करोड़ परिवारों का विश्वास
जब अपने घर का हो सवाल, तो सिर्फ ओसवाल
क्वालिटी प्रोडक्ट्स की विशाल श्रृंखला
ओसवाल सोप
1kg
डिशवॉश टब
1kg
व्हाइट सोप
1kg
वॉशिंग पाउडर
1kg
डिटर्जेंट पाउडर
100g
नहाने का साबुन
100g
ग्लिसरिन बाथ सोप
250ml
लिक्विड हैंड वॉश
500ml
लिक्विड डिशवॉश
1Ltr.
डिटर्जेंट लिक्विड
1Ltr.
टॉयलेट क्लीनर
1kg
देसी खांड
1kg
चाय पत्ती
250g
डस्ट चाय
800g
POHA
पोहा
1kg
OSF
Jeera
जीरा
1kg
OSWAL ROCK SALT
सैंधा नमक
1kg
OSWAL BLACK SALT
काला नमक
1kg
Oswal Premium Basmati Rice
बासमती चावल
500g
OSF MASALE
हल्दी पाउडर
1kg
OSF MASALE
मिर्च पाउडर
500g
OSF MASALE
धनिया पाउडर
1Ltr. 5Ltr. 500ml
कच्ची घानी तेल
1Ltr. 5Ltr. 500ml
रिफाइंड सोयाबीन तेल
1Ltr.
Oswal Refined Soyabean Oil
रिफाइंड सोयाबीन तेल पाउच
5Ltr. 1Ltr.
मूंगफली तेल
50g
अगरबत्ती
OSWAL
घास की झाड़ू
1kg
CHANA DAL
चना दाल
1kg
MOONG DAL
मूंग दाल
1kg
HARI MOONG DAL
हरी मूंग दाल
1kg
KABULI CHANA
काबुली चना
1kg
TOOR DAL
तूअर दाल
1kg
URAD DHULI DAL
उड़द धुली दाल
अब घर बैठे मँगवाए ओसवाल उत्पाद
ओसवाल रिटेल शॉप्स की जानकारी के लिए क्यूआर कोड स्कैन करें
Follow us on :
OswalSoap.com
अधिक जानकारी के लिए
+91 9116171956, 9680201956 पर कॉल करें
Marketed by Uttam Chand Desraj
नकली माल से सावधान
स्कैन करें और ओसवाल के उत्पाद खरीदें।
GET IT ON Google Play

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

ARBiT

'Bhagavad Gita, My Eternal Mother'

Its freedom from dogma: Gandhi observed that the Gita is "not a collection of "dos and don'ts;" It is non-sectarian and non-dogmatic.

Tourists @ National Parks

Treat Your Guests On Diwali | A list of snack recipes for the party

वैज्ञानिकों ने मादा वाइट फेस्ड कापुचिन बंदरों की लम्बी उम्र का राज खोज लिया लगता है। उनका कहना है कि मादाओं की आपसी दोस्ती उन्हें लंबे समय तक जीवित रखती है। नॉर्थवैस्टर्न कोस्टा रीका के शुष्क उष्णकटिबंधीय वनों में रहने वाले वाइट फेस्ड कापुचिन मादा बंदरों पर, युनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया, लॉस एंजलिस, की एन्थ्रोपॉलजी की प्रोफेसर और फील्ड प्राइमेटॉलजिस्ट सूसन पैरी शोध कर रही हैं। उन्होंने बताया कि, हालांकि चिम्पैंज़ी और ओरांगुटान इंसान के ज्यादा करीब हैं पर वाइट फेस्ड कापुचिन बंदरों में इंसानों की तरह ही बहुत जटिल सामाजिक व्यवस्था होती है। नवीनतम शोध हाल ही में बिहेवियरल इकॉलजी में छपा है। शोधकर्ताओं ने अन्य मादाओं और नरों के साथ मादा कापुचिन बंदरों के सम्बंध और व्यवहार को जानने के लिए 18 साल के डेटा का विश्लेषण किया। मुख्य शोधकर्ता कोटरीना कजोकेट, जिन्होंने सूसन पैरी के मार्गदर्शन में यह शोध किया है, ने मुख्य निष्कर्ष यह निकाला कि, जिन मादा कापुचिन का अन्य वयस्क मादाओं के साथ मजबूत सोशल नैटवर्क होता है वे ज्यादा अवधि तक जीवित रहती हैं। मजबूत सम्बंध में वैज्ञानिकों ने लेन-देन, एक दूसरे की सार-संभाल, साथ मिलकर भोजन ढूंढना और लड़ाई -झगड़ा होने पर एक दूसरे की मदद के लिए बीच में पड़ने जैसी प्रवृतियों को शामिल किया है। हालांकि, कुछ ऐसे प्रमाण भी मिले हैं कि, जो मादाएं अपने सम्पूर्ण ग्रुप में सामाजिक रुप से अधिक जुड़ी हुई हैं, वे ज्यादा जीती हैं। तथापि, शोध का कुल मिलाकर स्पष्ट निष्कर्ष यह है कि मादाओं के आपसी संबंधों का उसके सरवाइवल पर बड़ा भारी प्रभाव पड़ता है।

खड़गे को बधाई देने की ''रेस'' में सबसे आगे कौन दिखे?

वे दिखे जो कल तक सोनिया गांधी द्वारा नियुक्त पर्यवेक्षक मल्लिकार्जुन खड़गे से बदतमीज़ी करने व अपमानित करने में अग्रणी थे

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली,19 अगस्त। कोई नहीं जानता कि समय कब और किस तरफ करवट लेगा। वही लोग, जिन्होंने उस समय मल्लिकार्जुन खड़गे के साथ दुर्व्यवहार किया था, उनका अनादर किया था, जब सोनिया गांधी द्वारा भेजे गये पर्यवेक्षक के रूप में जयपुर गये थे, आज खड़गे को बधाई देने के लिये टूटे पड़ रहे थे, जब वे कांग्रेस अध्यक्ष पद पर निर्वाचित हो गये थे।

जहाँ अशोक गहलोत कल रात ही दिल्ली पहुँच गये थे तथा खड़गे के चुने जाने पर उन्हें बधाई देने के लिये खासतौर पर उपस्थित थे, वहीं उनके तीन कस्तूरी मृग भी नये अध्यक्ष का अनुग्रह प्राप्त करने के लिये विशेष रूप से वहाँ उपस्थित थे। शान्ति धारीवाल, महेश जोशी तथा धर्मेन्द्र राठौड़, जिन्हें कांग्रेस ने अनुशासनहीनता के लिये नोटिस भेजा हैं, खड़गे के आवास, 10 राजाजी मार्ग पर, उनकी नजर में आने के लिये तथा उन्हे बुके भेंट करने के लिये, उपस्थित थे।

- **अशोक गहलोत और उनके तीन वफादार सिपाही, शांति धारीवाल, महेश जोशी व धर्मेन्द्र राठौड़, खड़गे के निवास, 10, राजाजी मार्ग, पर सक्रिय दिखे, खड़गे को गुलदस्ता भेंट करने की कोशिश में।**
- **गहलोत, दस, राजाजी मार्ग से डॉ. मनमोहन सिंह से मिलने उनके घर गये तथा लगभग उसी समय अंबिका सोनी व मुकुल वासनिक भी वहां पहुंचे। दोनों गहलोत के मजबूत समर्थक हैं तथा अंबिका सोनी के डॉ. मनमोहन सिंह से बहुत नजदीकी संबंध हैं, अतः अब कोशिश है कि मनमोहन सिंह अगर सोनिया गांधी पर दबाव लगाकर कहें कि, गहलोत की कुर्सी को हिलाया नहीं जाये, तो क्या सोनिया गांधी इस ''आग्रह'' को अस्वीकार कर सकती हैं।**
- **बहरहाल, गहलोत प्रियंका गांधी के सुजान सिंह पार्क स्थित रैज़िडैंस पर उनसे मिलने गये। वहां ए.आई.सी.सी. के कोषाध्यक्ष पवन बंसल भी मौजूद थे। क्या गुजरात के चुनाव की फण्डिंग का मसला ''डिस्कस'' करने या कोई और बात थी।**
- **प्रयास जारी हैं सफलता मिलने की आशा नहीं दिख रही। वैसे भी पहले भी गहलोत ने गुजरात की यात्रा का चार दिन का प्रोग्राम बनाया था, पर, जब उनकी यह ''रिक्वैस्ट'' रघु शर्मा व वेणुगोपाल के मार्फत राहुल गांधी तक पहुँची, तो ''सलाह'' दी गयी थी कि, 19 अक्टूबर तक, अध्यक्ष पद चुनाव तक, का ही प्रोग्राम बनायें। गहलोत दो ही दिन में गुजरात से लौट आये।**

यहाँ पी.सी.सी. अध्यक्ष डोटासरा भी मौजूद थे, जो इस समय गहलोत की मंडली के हिस्सा हैं।

ये सब वही नेता हैं जिन्होंने खड़गे एवं अजय माकन के जयपुर आने पर उनके साथ दुर्व्यवहार किया था। इन दोनों नेताओं ने जयपुर से लौट कर, सोनिया गांधी को इस सब की रिपोर्ट दी तथा गहलोत को भी उस साजिश का

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

संजय मल्होत्रा नए राजस्व सचिव

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 19 अक्टूबर। केन्द्र सरकार ने बुधवार को वित्त मंत्रालय में एक बड़ा उलटफेर करते हुए वित्त सेवा सचिव संजय मल्होत्रा को राजस्व सचिव नियुक्त कर दिया। वे 30 नवम्बर को तरूण बजाज से पद ग्रहण करेंगे जो रिटायर हो रहे हैं।

वित्त सेवा सचिव के पद पर संजय मल्होत्रा की जगह विवेक जोशी लेंगे,

- **राजस्थान कैडर के 1990 बैच के आई.ए.एस. अधिकारी मल्होत्रा इससे पहले फायनैन्शिअल सर्विस सैक्रेटरी थे।**

जो कि अभी गृह मंत्रालय में भारत के रजिस्ट्रार जनरल है और जनगणना आयुक्त हैं। मल्होत्रा राजस्थान कैडर के 1990 बैच के आई.ए.एस. अफसर हैं, वहीं जोशी 1989 बैच के हरियाणा कैडर के अफसर हैं। प्रधानमंत्री के नेतृत्व वाली कैबिनेट की अपॉइन्टमैंट

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

थरूर को हराकर खड़गे ने कांग्रेस का नेतृत्व संभाला

सोनिया गांधी का खड़गे के निवास पर मुबारकबाद देने जाना, साफ संदेश था कि, कांग्रेस में सत्ता का केन्द्र, 10, जनपथ से हट कर 10, राजाजी मार्ग आ गया है

-डॉ. सतीश मिश्रा -
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 19 अक्टूबर। अपने 137 के इतिहास में एक और मील का पत्थर स्थापित करते हुये, कांग्रेस आज अपने बुजुर्ग नेता मल्लिकार्जुन खड़गे को अपना अध्यक्ष चुन लिया। वे अपने प्रतिद्वंदी लोकसभा सांसद शशि थरूर को हराकर, कांग्रेस अध्यक्ष पद का चुनाव जीत गये। वे पिछले 24 साल में कांग्रेस के प्रथम गैर-गांधी अध्यक्ष हैं।

खड़गे, जो ''गांधी परिवार-अनुमोदित'' उम्मीदवार के रूप में प्रोजैक्ट हो रहे थे, ने सोमवार के मतदान में 90 प्रतिशत मत प्राप्त किये। उन्होंने 7,897 वोट अर्जित किये, जबकि थरूर को 1,072 वोट ही मिल सके।

यह चुनाव उस घटना के बाद तीन साल तक चली लम्बी बहस एवं हलचल के बाद सम्पन्न हुआ, जब सोनिया गांधी उस समय अस्थाई रूप से पार्टी का अंतरिम अध्यक्ष बनने के लिये

- **राहुल गांधी ने भी पूछे जाने पर कहा कि, वे अब ''खड़गे जी'' को रिपोर्ट करेंगे तथा खड़गे जी ही निर्णय लेंगे कि उनकी पार्टी में उनकी क्या भूमिका होगी।**
- **शशि थरूर ने मतगणना से पूर्व काफी तीखा पत्र लिखा था, मधुसूदन मिस्री को, चुनाव में अनियमितताओं का आरोप लगाते हुए, पर नतीजा आने पर वे पलटे और कहा, उन्हें क्षोभ है कि, उनका पत्र ''लीक'' हुआ तथा वे अपनी आपत्तियों को वापस लेते हैं तथा उन्हें खुशी है कि, चुनाव से पार्टी का पुनर्जीवन वाकई में शुरू हो गया है।**

सहमत हो गई थीं, जब राहुल गांधी ने 2014 तथा 2019 के आम चुनावों की दो लगातार हारों की जिम्मेदारी लेते हुये, पार्टी अध्यक्ष पद छोड़ दिया था।

पार्टी के इस सर्वोच्च पद के लिये चुनाव तभी एक वास्तविकता का रूप ले सका, जब राहुल गांधी पार्टी का अध्यक्ष न बनने के अपने घोषित संकल्प पर पूरी दृढ़ता के साथ अड़े रहे तथा पूरे दृढ़ निश्चय के साथ कांग्रेस को चुनाव कराने की स्थिति के लिये तैयार किया।

इसके साथ ही, सोनिया गांधी तथा प्रियंका गांधी भी पार्टी अध्यक्ष के रूप में किसी गैर-गांधी नेता के लिये रास्ता बनाने के अपने संकल्प पर जमी रही।

वोटों की गिनती ए.आई.सी.सी. मुख्यालय पर आज सुबह शुरु हो गई थी। पूरे देश में फैले 68 मतदान केन्द्रों से सीलबंद मतपेटियाँ यहाँ मंगलवार

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मोदी ने दी बधाई

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 19 अक्टूबर। कांग्रेस के नवनिर्वाचित अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे (80 वर्ष) एक सप्ताह बाद 26 अक्टूबर को पद ग्रहण करेंगे। वे 85 प्रतिशत मतों से विजयी हुए हैं।

अध्यक्ष चुने जाने की घोषणा के बाद मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि उनका मुख्य लक्ष्य फासीवादी ताकतों से लड़ना है। खड़गे के इस बयान के तुरंत

- **कांग्रेस के नवनिर्वाचित अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ट्विटर पर बधाई दी और कहा, मैं आपके सफल कार्यकाल की कामना करता हूँ।**

बाद ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का ट्वीट आया और उन्होंने खड़गे को बधाई दी, ''श्री मल्लिकार्जुन खड़गे को कांग्रेस के नए अध्यक्ष की जिम्मेदारी मिलने पर मेरी शुभकामनाएं। मैं उनके सफल कार्यकाल की कामना करता हूँ।''

मोदी सरकार के संबंध में खड़गे ने

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'समता पार्टी की मान्यता चुनाव आयोग ने 2004 में रद्द कर दी थी'

दिल्ली हाई कोर्ट ने उद्धव ठाकरे की शिव सेना को, समता पार्टी का चुनाव चिन्ह आवंटित करना सही ठहराया तथा चुनाव आयोग के निर्णय में कोई खामी नहीं पाई

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 19 अक्टूबर। दिल्ली हाई कोर्ट ने बुधवार को समता पार्टी की वह याचिका खारिज कर दी जिसमें उसने चुनाव आयोग के इस का हमें आरम्भ में लिए उस निर्णय को चुनौती दी थी जिसके तहत आयोग ने ''मशाल'' का निशान शिव सेना के उद्धव ठाकरे गुट को अंधेरी ईस्ट के उप चुनाव में इस्तेमाल करने की अनुमति दे दी थी।

जस्टिस संजीव नरूला की एकल बैंच ने कहा कि समता पार्टी इस निशान पर अपने हक के संबंध में कोई दस्तावेज पेश नहीं कर सकी क्योंकि यह पार्टी वर्ष 2004 में ही मान्यता प्राप्त पार्टी का दर्जा खो चुकी है।

वर्ष 1994 में तत्कालीन केन्द्रीय मंत्री जॉर्ज फर्नांडिस तथा बिहार के वर्तमान मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने इसका गठन किया था। वर्तमान में इस पार्टी के अध्यक्ष उदय मंडल हैं।

यह पार्टी जनता दल से ही निकली

- **समता पार्टी 1994 में जॉर्ज फर्नांडिस व नीतीश कुमार के नेतृत्व में गठित हुई थी। समता पार्टी, जनता दल से निकली हुई एक नयी पार्टी थी तथा 2003 में उसका जनता दल में पुनः विलय हो गया था।**

थी तथा 2003 में इसका विलय जनता दल (युनाइटेड) में हो गया था।

हालांकि इसके कुछ नेता समता पार्टी के नाम व निशान के साथ बने रहे, पर वर्ष 2004 में चुनाव आयोग ने इसकी मान्यता खत्म कर दी और इसका निशान भी छिन गया।

जज ने कहा कि अगर पार्टी का इस निशान पर कोई हक था तो वो भी इलैक्शन सिम्बल्स (रिज़र्वेशन एंड एलॉटमैंट) ऑर्डर के भाग 10(ए) के तहत 6 साल बाद खत्म हो जाता है। इन हालात में याचिकाकर्ता का उक्त निशान पर कोई अधिकार नहीं है।

समता पार्टी की दलील है कि पार्टी ने ''मशाल'' निशान पर चुनाव लड़ा है, पर जज ने कहा कि भले ही पार्टी ने 2014 में इसी निशान पर चुनाव लड़ा है पर इससे इसे इस निशान पर अधिकार नहीं मिल जाता है। जस्टिस नरूला ने समता पार्टी की इस दलील को खारिज कर दिया। चुनाव आयोग की यह अधिसूचना गलत है कि जलती मशाल एक स्वतंत्र चिन्ह है।

अपनी याचिका में समता पार्टी ने कहा कि यद्यपि पार्टी की मान्यता 2004 में रद्द हो गई थी पर पार्टी को 2014 के चुनावों में यह निशान आवंटित हुआ था। पार्टी ने 2019 में चुनाव नहीं लड़ा और 2020 में कुछ अन्य निशानों पर चुनाव लड़ा। पर यह 2009, 2014, 2019 व उसके बाद के चुनावों में एक भी सीट नहीं जीत पाई।

कामाख्या मंदिर

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 19 अक्टूबर। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को कहा कि गौहाटी के विश्व विख्यात कामाख्या मंदिर, जो एक पहाड़ी पर है और शाक्त मत का प्रमुख

- **सुप्रीम कोर्ट ने मंदिर से संबंधित एक मामले की सुनवाई करते हुए कहा कि, मंदिर का ठीक से रखरखाव नहीं हो रहा है, स्वच्छता से कोई समझौता नहीं किया जा सकता है।**

केन्द्र है, की सही देखभाल नहीं हो रही है उन्होंने कहा कि स्वच्छता (हायजीन) में कोई समझौता नहीं किया जा सकता है। यह टिप्पणी जस्टिस अजय रस्तोगी, ने जो जस्टिस सी.टी. रविकुमार के साथ बैंच की अध्यक्षता कर रहे थे, ने मंदिर के रखरखाव संबंधी एक मामले की सुनवाई करते हुए की। उन्होंने कहा कि, ''मैं छुट्टियों में वहां गया था मंदिर का

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

हाई कोर्ट को यह तय करना है कि आर.ई.सी. प्रोजैक्ट की अवधि क्या होनी चाहिये?

सुप्रीम कोर्ट का आदेश है कि सौर ऊर्जा और पवन ऊर्जा के प्रोजैक्टों को पूरी कार्य अवधि के दौरान एक समान उचित दर पर मुआवजा मिलना चाहिए

-यादवेंद्र शर्मा-

जयपुर, 19 अक्टूबर। राजस्थान हाईकोर्ट में रिन्युएबल एनर्जी सर्टिफिकेट (आर.ई.सी.) मैकेनिज़्म के तहत बने पवन तथा सौर ऊर्जा के संयंत्रों को 2019 से भुगतान नहीं किये जाने के संबंध में मंगलवार तथा बुधवार को भी बहस जारी रही। याचिकाकर्ताओं में से अदालत ने पहले इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन (आई.ओ.सी.) को सुना था, परंतु कई याचिकाकर्ता ऐसे भी हैं जिनके तर्क व तथ्य आई.ओ.सी. द्वारा प्रस्तुत तथ्यों से भिन्न हैं। इसलिये अदालत ने दो दिन अन्य याचिकाकर्ताओं का पक्ष सुना। बहस पूरी नहीं होने के कारण मामला अब 3 नवम्बर को सुना जायेगा।

मंगलवार व बुधवार को सौर ऊर्जा और पवन ऊर्जा से संबंधित दो याचिकाकर्ताओं, जिनमें से एक राजस्थान सरकार की और दूसरी प्राइवेट कम्पनी है, की ओर से अधिवक्ता पी.एन. भंडारी पेश हुए। पूर्व मुख्य सचिव रह चुके पी.एन. भंडारी राजस्थान विद्युत प्रसारण निगम लिमिटेड (आर.वी.पी.एन.एल) के तीन बार चेयरमैन भी रह चुके हैं, उन्होंने अदालत को कहा कि यह मामला उतना जटिल नहीं है जितना दिख रहा है। उन्होंने कहा कि अदालत को इस पूरे मामले में विद्युत नियामक आयोग की भूमिका को देखकर ही निर्णय लेना होगा। उन्होंने बताया कि विद्युत नियामक आयोग के 2014 की

- **सौर ऊर्जा उत्पादकों की तरफ से पैरवी कर रहे अधिवक्ता पी.एन. भंडारी ने यह तर्क दिये और कहा कि नियामक आयोग और उत्पादकों की बातचीत के बाद ही दर तय की जानी चाहिये थी।**
- **उन्होंने आगे कहा कि नियामक आयोग ने अपने कर्त्तव्य को दरकिनार करते हुए, दरें तय की और फिर डिस्कॉम को इन दरों पर बिजली खरीदने के लिए अपने आदेश में बाध्य भी नहीं किया।**

रेगूलेशन के अनुसार अक्षय ऊर्जा से संबंधित प्रोजेक्टों की पूर्ण अवधि 25 साल की बताई गई है।

उन्होंने कहा कि आयोग ने अपनी जिम्मेदारी को दरकिनार करते हुए 2019 में इन प्रोजेक्टों से बिजली खरीदने की दर 3.14 रुपये प्रति यूनिट तय करते समय यह स्पष्ट नहीं किया कि यह दर इन प्रोजेक्टों की बची हुई कार्य अवधि के लिये है। उन्होंने अदालत में 2009 और 2010 के सौर ऊर्जा प्रोजेक्टों के संबंध में दस्तावेज पेश किये जिसमें आयोग तथा राज्य सरकार ने माना है कि इन सौर तथा पवन ऊर्जा प्रोजेक्टों की कार्य अवधि कहीं 12 वर्ष है तो कहीं 15 वर्ष। उन्होंने अदालत को बताया कि किसी भी प्रोजेक्ट में निवेश करने से पहले उद्योगपति तथा उसको कर्ज देने वाले बैंक को यह जानकारी होनी चाहिये कि प्रोजेक्ट की कार्य अवधि में किस दर पर उसे कितना मुआवजा दिया जायेगा, तभी वह बैंक उस उद्योगपति को कर्ज देगा। उन्होंने कहा कि इसी तथ्य के कारण आयोग के 2014 की रेगूलेशन में यह प्रावधान बनाया गया था कि पवन और सौर ऊर्जा के हर प्रोजेक्ट की अवधि 25 वर्ष होगी और इन प्रोजैक्टों की अवधि के दौरान एक ही दर पर उन्हें मुआवजा दिया जाएगा। उन्होंने इस संबंध में सुप्रीम कोर्ट की संवैधानिक पीठ का निर्णय भी दिखाया, जिससे यह लिखा है कि बिजली उत्पादन संयंत्रों की पूरी कार्यावधि के दौरान उन्हें उचित तय दर पर मुआवजा दिया जाए। उन्होंने कहा कि उन्हें हैरानी होती है कि आयोग व डिस्कॉम के वरिष्ठ अधिकारियों को अपनी ही रेगूलेशन की जानकारी नहीं है और उन्होंने ऐसे बेबुनियाद आदेश पारित किये हैं।

उनके द्वारा एक गंभीर मुद्दा यह भी उठाया गया कि आयोग ने मार्च 2019 में, स्वतः संज्ञान लेने हुए, जब आर.ई.सी. मैकेनिज़्म के तहत बने प्लांटों की दर 3.14 रुपये प्रति यूनिट

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

रजनीकांत को लताड़

-लक्ष्मण वैंकट कुची-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली,19 अगस्त। सरकार द्वारा नियुक्त एक आयोग, जिसने तमिलनाडु के तूतीकोरन नगर में 2018 में प्रदर्शनकारियों पर हुई पुलिस की गोलीवारी, जिसमें 14 लोग मारे गये थे,

- **वर्ष 2018 के तूतीकोरन प्रदर्शन मामले, जिसमें पुलिस की गोली से 14 लोग मारे गये थे, में सरकार द्वारा गठित आयोग ने रजनीकांत को गलत बयानबाजी करने का दोषी ठहराया और फटकार लगाई।**

की जाँच की थी, ने मेगास्टार रजनीकान्त की खिंचाई करते हुये कहा है कि उन्होंने तथ्यों का सत्यापन किये बिना गलत बयान दिये थे तथा ये बयान बहुत संवेदनशील प्रकृति के थे। ये फिल्म

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

गरीबों की सेवा ही ईश्वर की सेवा है। –सरदार वल्लभभाई पटेल

उदयपुर को स्वच्छता पुरस्कार, पुरस्कार का मज़ाक है

हाल ही 5 अक्टूबर को राजस्थान पत्रिका में उदयपुर को क्षेत्र में स्वच्छता का प्रथम पुरस्कार दिया जाने का समाचार पढ़कर आश्चर्य हुआ। साथ ही तरस आया चयनकर्त्ताओं की प्रक्रिया पर। यदि उदयपुर प्रथम है तो अन्य शहरों की क्या दुर्दशा होगी यह भी विचार आना स्वाभाविक है। आखिर क्या मापदण्ड हैं स्वच्छता के। क्या यह केवल कोई सीमित क्षेत्र दिखाये जाने का परिणाम है या अच्छी आवभगत का, यह भी समझ में नहीं आया। यह भी विचारणीय है कि क्योंकि केन्द्रीय सत्ता व नगर निगम उदयपुर एक ही दल के हैं यह निर्णय लिया गया। केन्द्रीय चयन दल ने देश में उदयपुर को 60वां स्थान दिया है, जबकि पूर्व में 300 से भी नीचे था। उदयपुर का नागरिक होने के नाते नगर निगम की घोर लापरवाही, अव्यवस्था व संवेदनहीनता का लेखक साक्षी है।

नगर निगम का प्रमुख कार्य नगर की स्वच्छता का है। हाँ, कचरा गाड़ी मोहल्लों में ज़रूर घूमती है। अभी भी कई नागरिक पूर्ववत सड़क पर कूड़ा–कचरा डाल रहे हैं। वाहन पर चालक के अतिरिक्त एक सहायक रहता है, परंतु वह सीट से उतर कर सहायता करने के बजाय मूक दर्शक बना अपनी सीट नहीं छोड़ता। कई बार पार्षद के ध्यान में लाया गया परंतु सुधार न होने से जो वाहन में कचरा डालने में असमर्थ हैं, उन्हें अत्यंत असुविधा होती है। वोट बैंक में कमी के डर से अभी तक सड़क पर कचरा डालने वालों पर जुर्माना नहीं किया जाता अत: दुष्प्रवृत्ति वृद्धि पर है। गहरी नालियाँ कूड़ादान बनी हुई हैं। नागरिक व सफाई कर्मी दोनों ही उसके लिये ज़िम्मेदार हैं। सड़ाँध रहती है और मच्छरों की भरमार है। इन नालियों को ढँकने अथवा स्वच्छता रखने की योजना पर नगर निगम का कोई ध्यान नहीं है।

वर्षों पूर्व की तरह कचरे व कीचड़ के नारकीय व वीभत्स ढेर अभी भी हर मोड़ पर लगे रहते हैं। शहर के बाहर विकसित हो रहे क्षेत्र का जैसे कोई उत्तर दायित्व ही नहीं है। कोलोनी में व सड़क के दोनों ओर चारों तरफ कचरा ही कचरा पसरा रहता है। कचरे के पहाड़ बनते जा रहे हैं, उसके निस्तारण की कोई योजना नहीं है। कुल मिलाकर गंदगी, कीचड़ व कूड़े के ढेर बरकरार हैं। जब तक घर–घर से कचरा पात्र लेने की व्यवस्था नहीं होती यह दुर्दशा बनी रहेगी। नागरिकों को शिक्षित करने के साथ दण्डित करना भी आवश्यक है। एक पक्ष और है। एक तरफ घर और बाहर उपलब्ध स्थान पर पेड़ लगाने का अभियान है तो दूसरी ओर वृक्षों की कतरन को एक किलोमीटर के स्थान पर पहुँचाने का आदेश है। बताइये आम नागरिकों के पास क्या साधन है कि वे चाहते हुए भी इतनी दूर तक वृक्षों की कतरन पहुँचा दें। यह तो आवश्यक है कि उसे अपने–अपने घरों के सामने न डाल कर किसी निकट के केन्द्रीय स्थान तक पहुँचा दें, जहाँ से नगर निगम ही निस्तारण करे। वृक्षों के रोपण को प्रोत्साहन हेतु यह व्यवस्था आवश्यक है। उसके अलावा बिजली विभाग भी वृक्षों की छँटाई करता है और उसका निस्तारण भी करना ही होगा।

> **उदयपुर में भव्य इमारतें, होटलें व भव्य माल बन रहे हैं, उनकी चमक-दमक है परंतु भीतर से खोखला है। राजस्थान का हर नगर सभी दृष्टि से उपेक्षा का शिकार है। जोधपुर की सड़कों की खस्ता हालत सोशल मीडिया पर हँसी का निमित्त है। हर मोहल्ले में कुत्तों की बेतहाशा वृद्धि और हर मार्ग व चौराहे पर आवारा पशुओं के कारण दुर्घटनाओं से हर शहर पीड़ित है।**

स्मार्ट सिटी के नाम पर सीवरेज का काम प्रारंभ हुआ था। वह अभी भी आधा–अधूरा पड़ा है। अधिकांश सड़कें खुदी पड़ी हैं। सीवरेज कई जगह असफल रहा है। कई स्थानों पर नागरिकों के पाइप बंद हो जाने के कारण पाइप तोड़ दिये हैं। कई जगह उसकी निकासी का मार्ग ही नहीं है और वह अंतिम छोर पर उफन रहा है। कई मोहल्लों में आधे घरों में ही काम करके कार्य छोड़ दिया गया है। कुल मिलाकर सीवरेज व्यवस्था पूर्णत: अस्त–व्यस्त हैं।

सड़कों की कभी ऐसी बदहाली नहीं थी जैसी अभी है। अधिकांश सड़कों पर गहरे खड्डे बन गये हैं। जनरल हॉस्पिटल तथा विश्वविद्यालय मार्ग जैसी महत्वपूर्ण सड़कें भी पूर्णत: अस्त–व्यस्त हैं। इस शहर ने सीवरेज के नाम पर जो नर्क भागा है और भोग रहा है वह वर्णनातीत है। शिकायतों के प्रति नगर निगम पूर्णत: उदासीन है। इंजीनियरों की पूरी टीम है परंतु वह निष्क्रिय व निष्प्रभावी है, अक्षम व अकर्मण्य है।

सामुदायिक केन्द्र उपेक्षा के शिकार हैं। वर्तमान में पदासीन नगर निगम के जनप्रतिनिधि ने 3–4 वर्ष पूर्व भी जिस सामुदायिक केन्द्र के जीर्णोद्धार का आश्वासन दिया था उसके लिये विधायक मद से 4–5 लाख रुपये की राशि स्वीकृत कराने के बावजूद कार्य पूरा नहीं हुआ है। कहीं लीकेज है तो कहीं सीवरेज टूटा पड़ा है। पार्क बदहाल हैं। नये पार्क का ज़ोर शोर से उद्घाटन होता है और पुराने उपेक्षा के शिकार हैं। न पेड़–पौधे हैं और न दूब। जंगल का नज़ारा है। भ्रमण पथ बन गया तो मिट्टी भरने का काम शेष है।

सड़कों की बिजली की व्यवस्था भी नगर निगम के पास है। वही पुरानी जर्जर व्यवस्था है। तारों का जंजाल है। कई–कई सप्ताह स्ट्रीट लाइट बंद रहती है। कोई दिन में जलती हैं और रात्रि को बंद रहती हैं। खंभे टूटे हैं तो कहीं खंभे ही नहीं हैं और अँधेरा बना रहता है।

जलापूर्ति शोचनीय है। पाइप लाइन पुरानी हैं, टूटी–फूटी रहती हैं अपर्याप्त हैं। झीलें लबालब हैं परंतु पानी की पूर्ति अपर्याप्त है। पानी का दबाव अत्यंत कम है और पानी की मात्रा बहुत कम रहती है। झीलें प्रदूषित हैं।

उदयपुर झीलों की नगरी कहा जाता है। झीलों की दुर्दशा पर समाचार पत्रों से स्थिति सबको ज्ञात है। हाइकोर्ट के आदेश के बावजूद होटल मालिकों को लाभ पहुँचाने के लिये असंख्य पेट्रोल–डीज़ल है। इस प्रकार जल–व्यवस्था भी किसी भी प्रकार संतोषजनक नहीं कही जा सकती।

शहर की बदसूरती को बढ़ाने में अतिक्रमण व ट्राफिक की अव्यवस्था प्रमुख है। सड़कें अगर कहीं चौड़ी भी हुईं तो दोनों ओर के अतिक्रमण से छोटी व संकीर्ण हो जाती हैं। झीलों के किनारे सारे शहर में अतिक्रमणों की भरमार है। रिहायशी मकान, होटलें, दुकान सभी में अतिक्रमण की होड़ लगी है। कुल मिलाकर मछली बाज़ार जैसी स्थिति सर्वत्र दिखाई देती है। अधिकांश अतिक्रमणों को नज़रअंदाज़ किया जाता है या उन पर जुर्माना करके नियमित कर दिया जाता है अत: अतिक्रमणों को प्रोत्साहन है। ट्रेफिक, यातायात एवं पार्किंग को अनुशासित व व्यवस्थित करने हेतु मात्र कभी–कभी श्मशानी वैराग्य पुलिस दिखाती है, अन्यथा वह घोर उपेक्षा का शिकार है।

उदयपुर में भव्य इमारतें, होटलें व भव्य माल बन रहे हैं, उनकी चमक–दमक है परंतु भीतर से खोखला है। राजस्थान का हर नगर सभी दृष्टि से उपेक्षा का शिकार है। जोधपुर की सड़कों की खस्ता हालत सोशल मीडिया पर हँसी का निमित्त है। हर मोहल्ले में कुत्तों की बेतहाशा वृद्धि और हर मार्ग व चौराहे पर आवारा पशुओं के कारण दुर्घटनाओं से हर शहर पीड़ित है। नागरिकों के चारों ओर असुविधाएँ ही असुविधाएँ हैं। हर संबंधित विभाग व नगर निगम पानी, बिजली, सड़क, सीवरेज व भूमि का टेक्स वसूल करता है, देर होने पर जुर्माना करता है परंतु नागरिक की असुविधा से बेखबर है।

अच्छा होता कि क्षेत्र में सबसे अधिक या कम बदहाली के पुरस्कार दिये जाते। उदयपुर को क्षेत्र में प्रथम पुरस्कार दिया जाना अन्य नगरों की घोर बदहाली का सूचक है और पुरस्कारों के मज़ाक उड़ाने का निमित्त भी।

–अतिथि सम्पोदक,
कैलाश विहारी वाजपेयी,
(स्वतंत्र चिंतक व लेखक)

राशिफल गुरूवार 20 अक्टूबर, 2022

पंडित अनिल शर्मा

कार्तिक मास, कृष्ण पक्ष, दशमी तिथि, गुरूवार, विक्रम संवत 2079, आश्लेषा नक्षत्र दिन 10:30 तक, शुभ योग सांय 5:52 तक, विष्टि करण सांय 4:05 तक, चन्द्रमा दिन 10:30 से सिंह राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य–तुला, चन्द्रमा–कर्क, मंगल–मिथुन, बुध–कन्या, गुरू–मीन, शुक्र–तुला, शनि–मकर, राहु–मेष, केतु–तुला राशि में।

आज ज्वालामुखी योग दिन 10:30 तक है। भद्रा सांय 4:05 तक रहेगी। बुध अस्त पूर्व में प्रात: 8:28 पर होगा।

श्रेष्ठ चौघड़िया: शुभ सूर्योदय से 7:57 तक, चर 10:47 से 12:12 तक, लाभ–अमृत 12:12 से 3:01 तक, शुभ 4:26 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 1:30 से 3:00 तक। सूर्योदय 6:33, सूर्यास्त 5:51

मेष
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। चलते कार्यों में प्रगति होगी। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। परिवार में शुभ–मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

वृष
नवीन कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। परिवार में सुख–सुविधाएं बढ़ेगी। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे।

मिथुन
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक अनुबंध प्राप्त होंगे। चलते कार्यों में प्रगति होगी। आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा।

कर्क
व्यावसायिक खर्चों पर नियंत्रण रखने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है। धार्मिक कार्यों में भाग लेने का अवसर मिलेगा।

सिंह
व्यावसायिक कार्यों से संबंधित वार्ता सफल रहेगी। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। घर–परिवार में सुख–सुविधाएं बढ़ेगी।

कन्या
आर्थिक/वित्तीय मामलों में संतुलन बनाए रखना ठीक रहेगा। घर–परिवार में धार्मिक–सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं।

तुला
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। घर–परिवार में सुख–सुविधाएं बढ़ेगी।

वृश्चिक
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। परिवार में प्रसन्नता–हर्षोल्लास का माहौल रहेगा।

धनु
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। अटके हुए व्यावसायिक कार्य बनने लगेंगे। नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा।

मकर
अपनी कार्य योजना को सीमित रखें। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। शुभ कार्यों में व्यवधान सामने आ सकते हैं। यात्रा टालना ठीक रहेगा।

कुंभ
विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अस्त–व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। घर–परिवार में सामाजिक–मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मीन
व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता अभी बनी रहेगी। व्यावसायिक कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक मामलों में संतुलन बना रहेगा।

मन हूम हूम करे : मन और उसका विज्ञान

मानव मस्तिष्क गजब का जीवित कंप्यूटर है जो जीवन की पहली सांस के साथ कार्य करने लगता है और जीवन की आखिरी सांस तक किसी न किसी सीमा तक कार्यरत रहता है। यहां तक कि जब हम गहरी नींद में होते हैं तब भी मस्तिष्क कुछ न कुछ करता ही रहता है।

मस्तिष्क का एक अपरिभाषित व्यक्तिपरक (सब्जेक्टिव) अदृश्य हिस्सा होता है जिसे हम मन कहते हैं। मन मस्तिष्क में वैसे ही स्थापित हुआ आता है जैसे कंप्यूटर या मोबाइल फोन में डिफॉल्ट मोड आता है। इस अदृश्य अहसास को न्यूरो इंजीनियरिंग में डिफॉल्ट मोड नेटवर्क कहते हैं। इस नेटवर्क में एक क्षण का भी ठहराव नहीं होता है। यह नींद में भी दौड़ता रहता है और जागने के समय में कोई 30–47 प्रतिशत समय इधर –उधर अपनी मर्जी से घूमता रहता है। इस घुमक्कडी को माइंड वांडरिंग (मन का घुमक्कड़पन) कहा जाता है। अति आधुनिक न्यूरोसाइंटिस्ट लोगों द्वारा माना जाता है कि यदि इस घुमक्कडी को गहनता और विस्तार से समझ लिया जाय तो मन की लगाम कुछ हद तक पकड़ में आ सकती है। मन को शत प्रतिशत नियंत्रित करना असंभव है और ऐसा करने का प्रयास ऊर्जा को व्यर्थ करना ही होगा।

हमारा मन अवधारणा, ध्यान, विचार, मनोदशा और ग्रहणशीलता में से किसी न किसी अवस्था में हर क्षण बना रहता है। ऐसे में हम दूसरे व्यक्ति के मन को पढ़ने की कोशिश करते हैं। जरा कल्पना कीजिए कि आपके सामने आपका नजदीकी दोस्त किसी को किसी शाम कहीं पर पार्टी के लिए आमंत्रित करता है तो आपके लिए यह जानना काफी कठिन हो जाता है कि क्या आप स्वत: ही आमंत्रित हैं? क्या आप बिन बुलाए मेहमान तो नहीं बन रहे हैं? आपके पूछने पर दोस्त को बुरा तो नहीं लगेगा? मन जब कल्पनाएं करता है तो वे अनंत और असंख्य हो सकती हैं। इस घुमक्कडपन की कोई सीमा नहीं है।

डॉ. रामावतार शर्मा

मन का यह व्यवहार ही दिवास्वप्न दिखाता है, भविष्य की चिंताओं में घिरने देता है और अपने आप से बातें करवाता है। वर्तमान से दूर हो जाने से मानसिक कष्ट हो सकता है पर यदि कोई मन को जान ले, समझ ले तो जीवन की कई समस्याओं का समाधान भी मिल सकता है।

भ्रमणशील मन आर्थिक रूप से जीवनपर्यंत संघर्ष में रहने वाले व्यक्ति को भी यह भ्रम दे देता है कि वह अकेला ही धनाढ्य वर्ग का रक्षक है। मन की इस वाचालता को बुद्धि और विवेक से ही समझा जा सकता है। जो समझ जाता है वह अपने मन को कुछ निर्देश देने में सक्षम हो सकता है। यही क्षमता उस व्यक्ति के जीवन को संवारती है।

मन जंगल के जीव जैसा होता है जिसे स्वतंत्र विचरण में ही आनंद आता है और जो बांध कर रखने पर अपनी मौलिकता खो देता है। चाहे कोई ज्ञानी ध्यानी कितना ही दावा करे पर मन की घुमक्कडी को रोक नहीं सकता है। मनोविज्ञान, न्यूरोसाइंस एवम् स्वभाव विज्ञान के अनुसार मन को दबाना नहीं समझना पडता है। यदि मन को चेतना की सहायता से समझ लिया जाए तो इसको सार्थक दिशा की तरफ मोड़ा जा सकता है।

हम अक्सर ऐसा करते भी रहते हैं पर शायद जानते नहीं हैं। हम हमारे बहुत से निर्णयों की सफलता का श्रेय समाज, सरकार, नेता, पंडित, मुहुर्त, धर्म, जाति या ईश्वर कृपा को देते रहते हैं पर अध्ययन बताते हैं कि सफलताओं के पीछे मन को चेतना द्वारा निर्देश देना ही होता है। मन को तो बस समझना पड़ता है पर ज्यादातर लोग उसे समझाते रहते हैं। मन के बारे में मोशे बार नामक प्रसिद्ध कंप्यूटर विज्ञानी, बायोमेडिकल इंजीनियरिंग विशेषज्ञ ने एक पुस्तक लिखी है जिसका शीर्षक है; माइंड वांडरिंग; जो मानव मन को समझने में बहुत सहायक हो सकती है।

– डॉ. रामावतार शर्मा,
चिकित्सक एवं लेखक

डी.एल.एड परीक्षा का टाइम टेबल जारी

- दस नवंबर से 19 नवम्बर तक होंगे सभी नौ पेपर
- हर रोज होगा एक एग्जाम, सिर्फ एक छुट्टी

बीकानेर, (कासं)। डिप्लोमा इन एलीमेंट्री एज्यूकेशन (डीएलएड) के सेकंड इयर के एग्जाम दस नवम्बर से शुरू होंगे और 19 नवम्बर तक चलेंगे। इस दौरान सिर्फ एक रविवार का अवकाश रहेगा, जबकि शेष दिन लगातार एग्जाम तय किए गए हैं। इससे स्टूडेंट्स में आक्रोश है कि एग्जाम में एक से दो दिन का अंतराल होना चाहिए था। पंजीयक शिक्षा विभागीय परीक्षाएं ने टाइम टेबल जारी किया है। इसके मुताबिक सेकंड इयर के रेगुलर, सप्लीमेंटरी सहित सभी तरह के स्टूडेंट्स इसमें हिस्सा लेंगे।

पहले दिन दस नवंबर को बच्चे और सीखना विषय का एग्जाम होगा। जबकि 11 नवंबर को विद्यालय प्रबंधन, संस्कृति और शिक्षण, 12 नवंबर को आधुनिक विश्व में विद्यालय शिक्षा का एग्जाम। 13 नवम्बर को रविवार का अवकाश रहेगा। इसके बाद 14 नवंबर को हिन्दी भाषा शिक्षण एवं प्रवीणता, 15 नवंबर को अंग्रेजी भाषा शिक्षण और प्रवीणता, 16 नवंबर को गणित, 17 नवंबर को तृतीय भाषा का एग्जाम होगा। 18 नवंबर को स्वास्थ्य एवं शारीरिक शिक्षा तथा 19 को सामाजिक शिक्षण का एग्जाम होगा। एग्जाम का समय सुबह ग्यारह बजे से दो बजे के बीच रहेगा। राज्य के दो सौ से ज्यादा डीएलएड कॉलेज में एक साथ एग्जाम होंगे। हर रोज एग्जाम होने से स्टूडेंट्स में नाराजगी है। हर रोज एग्जाम होने से स्टूडेंट्स को तैयारी का अवसर कम मिल पा रहा है।

"राजस्थान के प्रचलित लोक नृत्य" पुस्तक का विमोचन

- मेघवाल ने लोक कलाकारों, लोक गायकों एवं लोक वादकों से साक्षात्कार कर पुस्तक का लेखन किया है

उदयपुर, (निसं)। सूचना एवं जनसंपर्क निदेशक पुरुषोत्तम शर्मा ने सोमवार को निदेशालय में पूर्व संयुक्त निदेशक पन्नालाल मेघवाल की राजस्थान के प्रचलित लोक नृत्य पुस्तक का विमोचन किया।

लेखक पन्नालाल मेघवाल ने राष्ट्रीय एवं राज्य स्तरीय लोक कलाकारों, लोक गायकों एवं लोक वादकों से उनके घर, आंगन, चौपाल में उनसे साक्षात्कार कर पुस्तक का लेखन किया है। पुस्तक लोक नृत्य, लोक गायन एवं लोक वादन के मनमोहक चित्रों के साथ प्रकाशित है। राजस्थान की कला एवं संस्कृति संबंधित यह पुस्तक प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले परीक्षार्थियों के लिए उपयोगी है। पुस्तक का प्रकाशन राजस्थानी ग्रंथागार, जोधपुर से हुआ है।

इस अवसर पर अतिरिक्त निदेशक अरुण जोशी, वित्तीय सलाहकार सुभाष दानोदिया, संयुक्त निदेशक शिव चंद मीणा, जनसंपर्क अधिकारी आशीष जैन, निजी सचिव रवि पारीक उपस्थित थे।

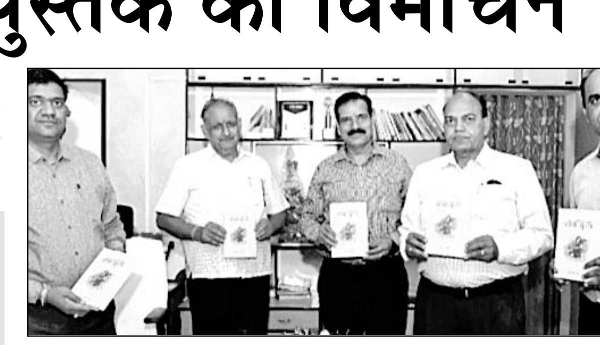

निदेशालय में पूर्व संयुक्त निदेशक पन्नालाल मेघवाल की पुस्तक का विमोचन करते सूचना एवं जनसंपर्क निदेशक पुरुषोत्तम शर्मा।

दीपावली पर्व के लिए मिट्टी के दीपक बनाने में जुटे कुंभकार

- पावटा में दीपक बनाने के काम में पुरा कुंभकार परिवार लगा हैं

पावटा, (निसं)। दीपों के पर्व दीपावली में अभी भले ही 3–4 दिन का समय है लेकिन रोशनी के पर्व को लेकर कुंभकार समाज के लोग इन दिनों मिट्टी के दीए बनाने में व्यस्त है और दीपक बनाने में पूरा परिवार दिन–रात मेहनत करता नजर आ रहा है।

ऐसी मान्यता है कि दीपावली की रात धन की देवी लक्ष्मी भ्रमण करती है। लक्ष्मी को प्रसन्न करने के लिए लोग घर, दुकान व प्रतिष्ठानों में दीए जला कर रोशन करते हैं। हालांकि पुरानी मान्यताओं के चलते घरों में कम से कम पांच मिट्टी के दीपक लगाने की परंपरा आज भी जीवंत है। दीपावली पर्व का जितना इंतजार नगरवासियों को उससे कहीं ज्यादा इंतजार कुंभकार समाज को होता है।

दीपक बनाते हुए कुंभकार

बिहारी, रामेश्वर, रामोतार, मनोज, प्रहलाद, बाबूलाल, मातादीन, रमेश, जयराम कुम्भकार बताते हैं कि वह अकेले इस काम में नहीं जुटते, बल्कि उनके साथ परिवार के अन्य सदस्य भी हाथ बंटाते हैं। ये लोग चक्के पर मिट्टी रखकर उसे आकार देते हैं और घर के अन्य सदस्य इन दीपों को पकाने में मदद करते हैं तो कोई मिट्टी गूंदने में लगा है, तो किसी के हाथ चाक पर मिट्टी के दीपकों को आकार दे रहे हैं। महिलाओं को पके हुए बर्तन को व्यवस्थित रखने का जिम्मा सौंपा गया है। महिलाएं विभिन्न रंगों से मिट्टी के बर्तनों को सजाने में जुटी हुई हैं।

लगभग हजारों की कीमत में आने वाला चाक का पहिया बडी मेहनत से पत्थर के कारीगरों द्वारा तैयार किया जाता है लेकिन कुछ लोगों के पास अब इलेक्ट्रिक चाक है जिसमें मेहनत कम लगती है। चाक पर अंगुलियां घुमते ही दीपक, मटका, घडा, करवा, गुल्लक सहित कई अन्य उपकरण तैयार हो जाते हैं। मिट्टी के दीए बनाने के लिए ये लोग एक माह पहले से ही तैयारी करने लगते हैं। दूर–दूर से मिट्टी लाते हैं। उन्हें आकार देते हैं, फिर पकाते हैं, कई बार दीपक बेकार हो जाते है, दिन–रात वे मेहनत करते है। इन दीए की कीमत चाइनीज दियों से भी कम होती है। इस साल दीपों का त्योहार मिट्टी के दीपक जलाकर ही मनाएं।

लुटाना मंगनी गांव में पेयजल संकट गहराया

सादुलपुर, (निसं)। राजगढ तहसील के गाँव लुटाना मंगनी में जलदाय विभाग की अनदेखी के चलते गत कई महिनों से पीने के पानी की भयंकर किल्लत बनी हुई है। जिससे आम ग्रामीण, विशेषतोर से महिलाएं बहुत परेशान हो रही हैं।

ग्रामीण राजवीर सहारण, जगमाल गढ वाल, नरेश गढ वाल, संदीप गढ वाल, महेन्द्र पूनियां, राजकुमार पूनियां, प्रेमराज शर्मा, संजय गढ वाल आदि ने बताया कि हमारा गाँव लुटाणा मंगनी आपणी पेयजल योजना से जुडा हुआ है, जिसमें सप्ताह में लगभग एक बार ही पानी की सप्लाई की जाती है, जिसके कारण महिलाएं अपना आवश्यक कामकाज छोडकर पानी आने का इंतजार करती रहती हैं। हांलाकि महिलाएं पानी के जुगाड के लिए सार्वजनिक नल पर अपने–अपने खाली मटकों को लाईनों में कतार से लगाकर पानी की सप्लाई आने का इंतजार करती है।

साथ ही बताया कि पेयजल संकट गहराने के कारण लोग पेयजल आपूर्ति हेतु मंहगे दामों में पानी के टैंकर डलवाने को मजबूर हो रहे है, मगर इस संबन्ध में जलदाय विभाग के अधिकारी व कर्मचारी कुभकर्णी नींद सोये हुए है। इस बारे में ग्रामीणों ने कहा कि अगर शीघ्र ही पेयजल व्यवस्था में सुधार कर सप्लाई को नियमित नहीं किया गया तो ग्रामीणजन आदोलन करने को मजबूर होंगे।

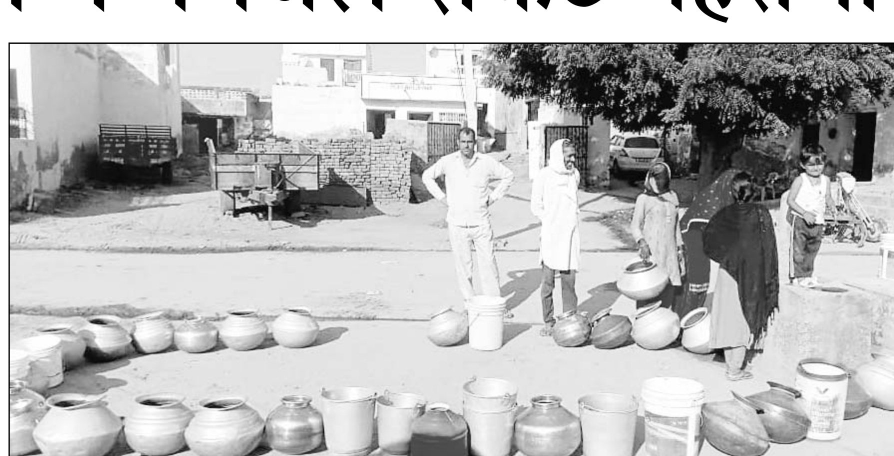

पेयजल संकट गहराने के दौरान पानी के जुगाड़ के लिए गांव में लगी मटकों की लम्बी कतार।

दीपावली: पांच दिन उत्सव और पर्व

भारतवर्ष के अंदर दीपावली पाँच दिन का पर्व और उत्सव को कार्तिक कृष्णा तेरस से कार्तिक शुक्ल दूज तक हर्षोल्लास के साथ धूमधाम से मनाया जाता है । उल्लेखनीय महाराष्ट्र में दिवाली का पर्व छह दिनों तक मनाया जाता है यहां दिवाली वासु बरस या गौ वास्ता द्वादशी के साथ शुरू होता है और भैया दूज के साथ समाप्त होता है।

पांच दिन के पर्व दिवाली का प्रथम दिन धनतेरस का अर्थ है धन एवं संपत्ति है। धनतेरस को देवताओं के चिकित्सक भगवान धन्वंतरि की जयंती के रूप में मनाया जाता है, पौराणिक मान्यताओं के मुताबिक भगवान धनवंतरी समुद्र मंथन के दौरान अवतरित हुए थे। इस दिन को शुभ मानते हुए लोग बर्तन, सोना–चांदी जेवरात आदि खरीदना शुभ और मंगलकारी मानते हुए इसकी खरीदारी करते हैं। पांच दिन के पर्व दिवाली के दूसरे दिन चतुर्दशी को छोटी दिवाली भी कहते हैं।

कहा जाता है कि ईसी दिन भगवान कृष्ण ने राक्षस नरकासुर को मारा था। नरक चतुर्दशी को बुराई एवं अंधकार पर अच्छाई एवं प्रकाश की विजय के संकेत के रुप में मनाया जाता है। छोटी दिवाली के दिन लोग अपने घरों के आस–पास बहुत से दीपक जलाते है और घर के बाहर रंगोली बना कर खुशी का इजहार करते हैं।

नरक चतुर्दशी के दिन सूर्योदय से पहले स्नान करने का महत्व गंगा के पवित्र जल में स्नान करने के समकक्ष माना जाता है। पांच दिन के पर्व के तीसरे दिन अमावस्या को दीपावली के रूप में मनाया जाता है इस दिन सभी घरों, व्यापारिक प्रतिष्ठान, कार्यस्थलों, ऑफिसों में धन–संपदा की देवी लक्ष्मी माता की विधि–विधान से पूजा–अर्चना की जाती है और विपत्ति–कष्ट के निवारण के लिये प्रथम देव भगवान गणेशजी की भी पूजा की जाती है।

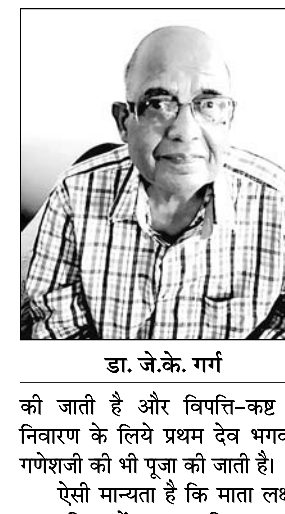

डा. जे.के. गर्ग

ऐसी मान्यता है कि माता लक्ष्मी घर–परिवार में सुख–समृद्धि प्रदान कर समस्त परिजनों को आशिर्वाद देकर उन पर धन–धान्य की वर्षा करेंगी। नगर, गलियों, घरों, सार्वजनिक जगहों पर दिये की रोशनी से अमावस्या के अंधेरे को शीतल पूर्णिमा की चांदनी में बदल दिया जाता है। पांच दिन के पर्व के चौथे दिन बाली प्रतिपदा और गोवर्धन पूजा के रूप में मनाया जाता है। उत्तर भारत में इसका गोवर्धन पूजा (अन्नकूट) के रूप में मनाया जाता है। भगवान कृष्ण द्वारा इंद्र के गर्व को पराजित करके लगातार बारिश और बाढ़ से बहुत से लोगों (गोकुल वासी) और मवेशियों के जीवन की रक्षा करने के महत्व के रुप में इस दिन जश्न मनाते है। यह दिन कुछ स्थानों पर दानव राज बाली पर भगवान विष्णु (वामन) की जीत मनाने के लिये भी बाली–प्रतिपदा के रूप में मनाया जाता है।

कुछ स्थानों जैसे महाराष्ट्र में यह दिन पड़वा या नव दिवस (रूप में भी मनाया जाता है और सभी पति अपनी पत्नियों को उपहार देते है। गुजरात में इसको नये दिन के रूप में भी मनाते हैं यह विक्रम संवत नाम से कैलेंडर के पहले दिन के रूप में मनाया जाता है। दिवाली पर्व के पांचवे दिन को .यम द्वितीया या भाई दूज के रूप में मनाते हैं इस दिन को भाए बहनों के अटूट स्नेह बंधन के पर्व में जाना जाता है। आज के दिन यमराज अपनी बहन यामी यमुना से मिलने आये और अपनी बहन द्वारा उनका आरती के साथ स्वागत हुआ और यम एवं यामी ने साथ साथ में खाना भी खाया। यम ने अपनी बहन यामी को अनेकों उपहार भी दिये। लोग यम द्वितीया या भाई दूज को बहन–भाई के पारस्परिक प्रति प्रेम और स्नेह के रूप में मनाते है।

– डा. जे.के. गर्ग,
पूर्व संयुक्त निदेशक
कालेज शिक्षा जयपुर

प्रोपर्टी विवाद में तीन बेटों और पिता ने की बड़े बेटे की हत्या

झगड़े के बीच आरोपियों ने युवक के पेट में चाकू घोंपकर जान ली

■ वैशाली नगर इलाके की मेजर बने सिंह कॉलोनी की घटना

जयपुर (कासं)। वैशाली नगर इलाके की मेजर बने सिंह कॉलोनी में प्रॉपर्टी के विवाद में तीन छोटे भाइयों ने पिता के साथ मिलकर अपने बड़े भाई की हत्या कर दी। चाकू से ताबड़तोड़ वार कर आरोपियों ने हत्या की वारदात को अंजाम दिया। पुलिस के मुताबिक पिता नवाब खान (55) अपने चार बेटों समीर उर्फ अशरफ (28), सद्दाम (26), अशफाक (24) और अमजद (20) के साथ रहता था।

मंगलवार को समीर अपने पिता से मकान में ज्यादा हिस्सेदारी मांग रहा था। इसके चलते समीर की पत्नी और उसकी मां के बीच झगड़ा हुआ। झगड़े के दौरान सभी भाई और पिता आपस में झगड़ने लगे। शाम को अचानक से ऑटो चलाने वाले समीर ने उसके भाइयों पर ऑटो चला कर जान से मारने की कोशिश की। इस बात को लेकर जमकर झगड़ा हुआ। घटना के बाद मामला पुलिस की समझाइश के बीच शांत हुआ।

डीसीपी वैस्ट वंदिता रांणा ने बताया कि बुधवार सुबह जैसे ही पिता नवाब दूध लेने के लिए बाहर निकला तो फिर से बड़े बेटे समीर के साथ झगड़ा शुरू हो गया। देखते ही देखते और नवाब ने अपने तीन अन्य छोटे बेटों को बुलाया और मारपीट शुरू कर दी। देखते ही देखते पिता नवाब ने अपने तीन छोटे बेटों के साथ मिलकर चाकू से समीर पर ताबड़तोड़ वार कर दिए। चाकू इतनी तेजी से लगा कि समीर के पेट में ही चाकू रह गया। लहूलुहान हालत में समीर के चाचा ने सवाई मानसिंह अस्पताल में अस्पताल भिजवाया। जहां इलाज के दौरान समीर की दर्दनाक मौत हो गई। घटना के बाद नवाब और उसके तीन बेटे और पत्नी सभी मौके से फरार हो गए। हालांकि बाद में पुलिस ने नवाब और उसके दो बेटों को हिरासत में ले लिया। बताया जा रहा है कि लंबे समय से नवाब और उसके चारों बेटों के बीच में प्रॉपर्टी को लेकर विवाद चल रहा था। इसी विवाद के चलते आए दिन झगड़े होते रहते थे। वर्ष 2022 में इसी प्रॉपर्टी के चलते आपस में आधा दर्जन से ज्यादा मुकदमे हो गए। हालांकि इस पूरे घटनाक्रम के बीच परिवार के अन्य सदस्यों ने पुलिस पर कार्यवाही नहीं करने की जमकर आरोप लगाए। परिवार का आरोप है कि अगर पुलिस पूरे परिवार को थाने में बंद कर देती समय रहते तो यह हत्याकांड नहीं होता। बहरहाल इस पूरे प्रकरण में अब पुलिस अन्य आरोपियों की तलाश कर जांच में जुट गई है।

तबादले के लिए थर्ड ग्रेड शिक्षकों का आंदोलन शुरू

जयपुर (कासं)। ग्रेड थर्ड शिक्षकों के तबादले किए जाने की मांग को लेकर बुधवार को शहीद स्मारक पर राज्य भर से जुटे शिक्षकों ने अपनी आवाज बुलंद की। राजस्थान शिक्षक संघ एकीकृत के बैनर तले जुटे शिक्षकों ने एक स्वर में ग्रेड थर्ड शिक्षकों के तबादले किए जाने की मांग की। उधर देर शाम पुलिस ने शहीद स्मारक पर लगे टैंट का हटा दिया और प्रदर्शनकारियों के माइक छीन लिए। इसके बावजूद देर शाम तक शिक्षक मौके पर डटे रहे।

संघ के प्रदेश प्रवक्ता डॉ. रनजीत मीणा ने बताया कि राजस्थान शिक्षक संघ एकीकृत के प्रदेशाध्यक्ष गिर्राज शर्मा के नेतृत्व में यह प्रदेश का सबसे बड़ा आंदोलन है। राज्य सरकार ट्रांसफर प्रक्रिया में भेदभाव कर रही है सरकार केवल तृतीय श्रेणी अध्यापकों के ट्रांसफर नहीं कर रही है, जबकि बाकी सभी के ट्रांसफर लगातार किए जा रहे हैं। संगठन जयपुर में ही तृतीय श्रेणी अध्यापकों के ट्रांसफर को लेकर चार बार धरने दे चुका है, लेकिन हर बार सरकार ने केवल भरोसा दिया। अब संगठन के बैनर तले शिक्षकों ने आर-पार की लडाई का ऐलान किया है। संघ के प्रदेशाध्यक्ष गिर्राज शर्मा ने कहा कि महाआंदोलन में इस बार सबसे ज्यादा संख्याबल महिला शिक्षिकाओं का है। तृतीय श्रेणी अध्यापकों में ऐसी महिला शिक्षिकाओं की संख्या अधिक है जो अपने घर से 500 किलोमीटर दूर रह रहीं हैं और उनके ट्रांसफर कई वर्षों से नहीं हुए है।

उधर बुधवार देर शाम पुलिस ने शहीद स्मारक पर धरना दे रहे शिक्षकों का टैंट-तंबू जबरन हटा दिया।

विद्युत कर्मचारियों ने अर्द्धनग्न होकर विद्युत भवन को घेरा

बिजली कंपनियों में पुरानी पेंशन लागू करने, पारदर्शी स्थानांतरण नीति बनाने और निजीकरण रोकने की मांग

प्रदेशभर के विद्युत कर्मचारियों ने अपनी मांगों को लेकर अर्द्धनग्न प्रदर्शन कर विरोध जताया।

जयपुर (कासं)। बिजली कंपनियों में पुरानी पेंशन लागू करने, पारदर्शी स्थानांतरण नीति बनाने और निजीकरण रोकने जैसी मांगों को लेकर कर्मचारियों ने बुधवार को विद्युत भवन पर अर्द्धनग्न प्रदर्शन किया।

राजस्थान विद्युत तकनीकी कर्मचारी एसोसिएशन के बैनर तले एकत्रित हुए हजारों कर्मचारियों ने पहले तो जमकर नारेबाजी की। इसके बाद निगम से हुई वार्ता में पुरानी पेंशन का प्रस्ताव बनाकर राज्य सरकार को भेजने समेत चार मांगों पर सहमति बनी। जिसके बाद कर्मचारियों ने धरना-प्रदर्शन खत्म किया। प्रदेश अध्यक्ष पृथ्वीराज गुर्जर ने कहा कि प्रशासन ने पुरानी पेंशन बहाली के मामले में प्रस्ताव बनाकर सरकार को भेजने पर सहमति दी।

इसके अतिरिक्त ऊर्जा विभाग का गठन कर एक निगम से दूसरे निगम में समयबद्ध स्थानांतरण निति बनाने के मामले में छत्तीसगढ़ मॉडल का अवलोकन कर कार्रवाई करने, पाली और जोधपुर डिस्कोम के निजीकरण रोकने के लिए छीजत की समीक्षा करने का निर्णय लेने, जयपुर वितरण निगम की तरह ही जोधपुर, अजमेर व प्रसारण निगम में नियुक्ति तिथि से 2800 ग्रे पे के आदेश प्रसारित करने के मामले में पुनः प्रस्ताव बनाकर वित्त विभाग को भिजवाने, तकनीकी कर्मचारियों का पदनाम जल्द परिवर्तन करने, राज्य सरकार की तरह बिजली कंपनियों में भी असीमित योजना लागू करने पर सहमति दी। साथ ही बोनस के आदेश जल्द जारी करने का भी आस्वासन दिया। वार्ता में निगम की ओर से प्रमुख ऊर्जा सचिव भास्कर एस सावंत, सीपीओ एवं संगठन की ओर से प्रदेश अध्यक्ष पृथ्वीराज गुर्जर सहित 11 सदस्य शामिल हुए।

मावा बनाने वाली छह भट्टियों पर छापा मारकर सैंपल लिए

जांच टीम ने 50 किलो पुरानी मिठाई भी नष्ट करवाई

जयपुर (कासं)। शुद्ध के लिये युद्ध अभियान के तहत बुधवार को जिला प्रशासन द्वारा गठित जांच दल ने चिथवाड़ी चौमू में मावा बनाने वाली 6 भट्टियों पर देर रात छापामार कार्यवाही की। टीम ने 6 जगहों पर मावा और दूध के नमूने लिए। जांच दल ने चौमू में मिठाई बनाने वाली एवं बेचने वाली फर्मो का निरीक्षण कर ओम स्वीट्स से मावा मिठाई तथा बीकानेर रसगुल्ला भंडार से रसगुल्ले का नमूना लिया।

जिला कलक्टर प्रकाश राजपुरोहित ने बताया कि तृतीय जांच दल द्वारा मानसरोवर क्षेत्र में निरीक्षण एवं नमूने करण की कार्रवाई की गई। जांच दल ने श्री जोधपुर स्वीट होम से मिल्क केक का नमूना और सती जोधपुर मिष्ठान भंडार रजत पथ मानसरोवर से मिल्क केक मावा मिठाई का नमूना लिया। जांच दल ने सियाराम कैटरर्स केसर नगर चौराहा मुहाना मंडी मानसरोवर से मावे का नमूना जांच के लिए लिया और करीब 50 किलो पुरानी मिठाईयां नष्ट करवाई।

जिला प्रशासन के जांच दल ने शहर में मावा और मिठाईयां बनाने वाली फर्मों पर छापा माकर सैंपल इकट्ठे किये।

दिगम्बर जैन समिति का सम्मान समारोह संपन्न

जयपुर, (का.सं.)। जयपुर में भट्टारक जी की नसिया के तोतूका सभागार में आचार्य सुनील सागर महाराज के पावन सानिध्य में दिगंबर जैन महासमिति राजस्थान अंचल का अधिवेशन एवं सम्मान समारोह हर्षोल्लास से संपन्न हुआ है। इस ऐतिहासिक कार्यक्रम में महासमिति के सभी सदस्यों को आमंत्रित किया गया था। इस अवसर पर समिति के अध्यक्ष अनिल जैन रिटा.आई.पी.एस ने बताया कि यह अधिवेशन दो सत्रों में हुआ इस समारोह के मुख्य अतिथि राष्ट्रीय अध्यक्ष अशोक कुमार बडजात्या इन्दौर थे, कार्यक्रम की अध्यक्षता राष्ट्रीय वरिष्ठ कार्याध्यक्ष महेंद्र कुमार पाटनी, प्रमुख अतिथि सुरेन्द्र जैन पांडया राष्ट्रीय महामंत्री, सम्मानीय अतिथि नवीन सेन जैन कार्याध्यक्ष, चित्र अनावरण कर्ता अशोक कुमार गोधा टैक्स एडवोकेट, दीप प्रज्ज्वलन कर्ता शरद मिश्रा डाइरेक्टर त्रिमूर्ति बिल्डर एण्ड डवलपमेंट जयपुर, विशिष्ट अतिथि अंतर्राष्ट्रीय होम्योपैथिक चिकित्सक डा. मोहन लाल मणि थे।

राज्य में नई ग्राम सेवा सहकारी समितियां बनाई जाएंगी : गुहा

जयपुर, (का.सं.)। प्रमुख शासन सचिव, सहकारिता श्रेया गुहा ने कहा कि प्रत्येक ग्राम पंचायत मुख्यालय पर ग्राम सेवा सहकारी समितियों की स्थापना का लक्ष्य पूरा करने के लिए मार्च, 2023 तक 2024 नई ग्राम सेवा सहकारी समितिया बनाई जाएगी। उन्होंने कहा कि सभी जिलों को लक्ष्य आवंटित कर दिया गया है, ग्राम सेवा सहकारी समितियों में चुनाव पूरे होने के पश्चात इसे मिशन मोड के रूप में पूरा किया जाए। उन्होंने कहा कि वर्ष 2019 से अक्टूबर, 2022 तक 1275 नई ग्राम सेवा सहकारी समितियों का गठन किया जा चुका है। इस वर्ष भी 368 नई ग्राम सेवा सहकारी समितियां बनाई है। तय समय में जिलेवार आवंटित लक्ष्य को अधिकारी पूरा करें।

सार-समाचार

खुशी राम मीना प्रदेशाध्यक्ष बने

जयपुर । राजस्थान नर्सेज एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष के जयपुर मुख्यालय हुए चुनाव में खुशीराम मीना निर्वाचित हुए हैं। एसोसिएशन के प्रदेश के सभी जिलों से चुने हुए जिलाध्यक्षों ने मत का प्रयोग किया। इस दौरान खुशी राम को 20 और अशोक सपोटरा को 1 वोट मिला। मुख्य चुनाव अधिकारी रविशंकर बंजारा, सहायक निर्वाचन अधिकारी ओमप्रकाश ब्याडवाल व नर्सिंग अधीक्षक बदन सिंह ने खुशीराम मीणा को 20 मतों से विजयी घोषित किया। नवनिर्वाचित प्रदेश अध्यक्ष खुशी राम मीणा ने विभिन्न जिलों से आये हुए जिलाध्यक्ष और पदाधिकारियों का आभार प्रकट किया। इस दौरान प्रदेश संरक्षक हनुमान कुड़ी, प्रदेश महामंत्री पवन जादौन, कार्यकारी अध्यक्ष दीपक तिवारी, प्रवक्ता अशोक शर्मा, पदाधिकारी महेंद्र कुड़ी, प्रह्लाद मीणा, सोमसिंह मीणा, वूमेन नर्सेज से विनीता शेखावत, लक्ष्मीकांत मीणा, रमाकांत शर्मा, रणधीर ढाका व सैकड़ों नर्सिंग अधिकारी मौजूद रहे।

राजेन्द्र मोहन शर्मा को सचिव बनाया

जयपुर, (का.सं.)। राजस्थान सरकार ने एक आदेश जारी कर प्रदेश के जानेमाने वरिष्ठ साहित्यकार राजेन्द्र मोहन शर्मा को पं. जवाहरलाल नेहरू बाल साहित्य अकादमी का सचिव नियुक्त किया । साहित्य,कला,संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग के संयुक्त सचिव ने आज एक आदेश जारी कर शर्मा के मनोनयन की जानकारी दी है। उल्लेखनीय है शर्मा वर्तमान में परिष्कार आटोनोमस कालेज आफ ग्लोबल एक्सिलेंस के रजिस्ट्रार हैं। शर्मा को अनेक राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय सम्मान मिल चुके हैं। शर्मा ने दस से अधिक बाल पुस्तकों के अलावा 22 अन्य पुस्तकें लिखी हैं जो देश के प्रतिष्ठित प्रकाशनों से छप चुकी हैं जिनमें अनेक बेस्ट सेलर हैं।

दिनेश शर्मा रॉसकौन के अध्यक्ष बने

जयपुर (कासं)। सहकारिता विभाग के संयुक्त रजिस्ट्रार दिनेश शर्मा को रॉसकौन के अध्यक्ष के रूप में चुना गया है। वहीं नवरेखा, रोज़गार सेवा को रॉसकौन का महासचिव चुना गया। उल्लेखनीय है कि रॉसकौन राजस्थान की लगभग 22 राज्य सेवाओं का एक परिसंघ है।

मृतक के परिजनों की तलाश

जयपुर । विधायकपुरी थाना पुलिस अज्ञात मृतक के परिजनों की तलाश में जुटी है। थानाधिकारी के मुताबिक गत 9 अक्टूबर को एम.आई.रोड के नजदीक गोपालबाड़ी में एक युवक अचेत मिला, जिसे सवाई मानसिंह अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड में पहुंचाया था, जहां करीब साढ़े तीन घंटे बाद युवक ने दम तोड़ दिया। पुलिस ने शव को मुर्दाघर में रखवाया, लेकिन मृतक के पास कोई भी पहचान संबंधी दस्तावेज नहीं मिले। पुलिस पिछले 10 दिनों से मृतक के परिजनों की तलाश में जुटी है।

न्यायिक अफसरों की सुरक्षा पर प्रसंज्ञान

जयपुर, (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने न्यायिक अधिकारियों की सुरक्षा से जुडे मुद्दे पर स्वप्रेरित प्रसंज्ञान लिया है। इसके साथ ही अदालत ने मामले को स्वप्रेरित याचिका के तौर पर दर्ज करते हुए मुख्य सचिव, गृह सचिव और डीजीपी को पक्षकार बनाया है। अदालत ने न्यायिक रजिस्ट्रार को आदेश की कॉपी भेजते हुए कहा है कि प्रकरण को उचित खंडपीठ के समक्ष सूचीबद्ध करने के लिए मामले को सीजे के समक्ष रखा जाए। जस्टिस बीरेन्द्र कुमार ने यह आदेश बुधवार को दिए। अदालत ने कहा कि न्यायपालिका की स्वतंत्र कार्यप्रणाली के लिए न्यायिक अधिकारियों की सुरक्षा जरूरी है और इस मुद्दे पर कोर्ट मूक दर्शक बनकर नहीं रह सकता है।

'करतारपुरा नाले का जीपीएस सर्वे होगा'

जयपुर, (का.सं.)। राज्य सरकार ने करतारपुरा नाले में अतिक्रमण से जुडे मामले में हाईकोर्ट को जानकारी दी है कि नाले की मौजूदा स्थिति के लिए जीपीएस सर्वे करवाया जाएगा। सरकार ने एक्शन प्लान पेश करने के लिए आठ सप्ताह का समय मांगा। अदालत ने कहा कि समय ले रहे हैं तो कार्रवाई भी की जाए और आगामी सुनवाई पर एक्शन प्लान पेश किया जाए। जस्टिस एमएम श्रीवास्तव और जस्टिस वीके भारवानी की खंडपीठ ने यह आदेश आरपी शर्मा की याचिका पर दिए। सुनवाई के दौरान प्रार्थी के अधिवक्ता विमल चौधरी ने कहा कि करतारपुरा नाला द्रव्यवती नदी का ही हिस्सा है। नाले के बहाव क्षेत्र में बडे पैमाने पर अतिक्रमण हो गए हैं और बरसात के दौरान इसमें एक्सीडेंट भी होते हैं। इसलिए नाले से अतिक्रमण हटाकर इसकी फैंसिंग की जाए। जवाब में राज्य सरकार ने कहा कि नाले में खातेदारी की जमीन भी आ रही है, इसलिए जीपीएस सर्वे करवाकर इसकी जांच करवाएंगे। वहीं प्रार्थी ने कहा कि नाले में खातेदारी जमीन नहीं है।

कांगो में 'जयपुर फुट' का स्थाई केन्द्र खुलेगा

जयपुर, (का.सं.)। अफ्रीकी देश कॉंगों में बसे जयपुर के उद्योगपति हरीश जगतानी ने कॉंगों के विकलांगों के पुर्नवास के लिए विश्व प्रसिद्ध जयपुर फुट की निर्माता संस्था भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति के सहयोग से जयपुर फुट के एक स्थायी केन्द्र की स्थापना का बीड़ा उठाया हैं।

कॉंगों की राजधानी किंसहासा में हरीश जगतानी की परोपकारी संस्था हरीश जगतानी फाउण्डेशन द्वारा संचालित एस.जे.हॉस्पीटल में इस स्थायी पुर्नवास केन्द्र की स्थापना से कॉंगों के विकलांगों को पुर्नवास सुविधा मिल सकेगी। इस केन्द्र की स्थापना हेतु बीएमवीएसएस की चार तकनीशियनों की एक टीम कॉंगों रवाना हुई। इस टीम को शैलेन्द्र कुमार प्रजापति, चेतन गिरी, अजय सिंह रावत और रोहित हैं। कॉंगों में एक वर्ष तक रहकर विकलांगों के पुर्नवास साथ वहाँ के तकनीशियनों को जयपुर फुट निर्माण की विधि का की प्रशिक्षण भी देंगे। एक वर्ष के प्रशिक्षण बाद एच.जे.फाउण्डेशन का यह पुर्नवास केन्द्र स्वतंत्र रूप से बी.एम.वी.एस.एस. के सहयोग से कार्य करने लगेगा। चार सदस्यीय टीम को बी.एम.वी.एस.एस. के संस्थापक और मुख्य संरक्षक डी.आर.मेहता ने विदाई दी। किनसहासा में इस स्थायी केन्द्र की स्थापना से कॉंगों के विकलांगों की समस्या का स्थायी निदान हो सकेगा। अफ्रीकी देश केन्या की राजधानी नैरोबी में रोटरी क्लब द्वारा जयपुर फुट ट्रस्ट संचालित हैं।

डॉ.जाहिदा शबनम ने पदभार संभाला

जयपुर, (का.सं.)। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री टीकाराम जूली ने आज बुधवार को राज्य महिला सदन जयपुर में डॉ जाहिदा शबनम को राज्य महिला सदन जयपुर के अध्यक्ष के पद पर पदभार ग्रहण करवाया।

जूली ने अपनी शुभकामनाएं देते हुए कहा कि अध्यक्ष के रूप में डॉक्टर जाहिदा शबनम नवाचार करेगी जिससे पूरे राजस्थान में मिसाल कायम हो सके। इस अवसर पर महिला सदन जयपुर की सदस्य के रूप में विनीता राठौड़, रितु अग्रवाल और अंजना जैन ने भी पदभार ग्रहण किया। उल्लेखनीय है कि राज्य सरकार द्वारा संभाग स्तरीय राजकीय महिला सदन जयपुर के लिए समिति का गठन किया गया था, जिसके अध्यक्ष के रूप में डॉ शबनम ने पदभार ग्रहण किया।

प्रदेश में थोड़ी वृद्धि के बाद 54 नए करोना संक्रमित मिले

■ राज्य में बुधवार को सबसे ज्यादा 15 नए संक्रमित अजमेर में जबकि जयपुर में 12 नए मरीज पाए गए हैं।

■ प्रदेश में फिर रिकवरी में कमी आने से एक्टिव केस बढ़कर 331 हो गए हैं।

जयपुर (कासं)। प्रदेश में बुधवार को थोड़ी वृद्धि के बाद 54 नए करोना संक्रमित मिले हैं। इस दौरान केवल 33 ही मरीज ठीक हुए हैं। राज्य में एक्टिव केस बढ़कर 331 हो गए हैं।

प्रदेश में पिछले चौबीस घंटों 11 जिलों में नए 54 संक्रमित मिले हैं। इससे पहले मंगलवार को 33 नए मरीज पाए गए थे। इधर आज सबसे ज्यादा 15 नए संक्रमित अजमेर में मिले हैं। इसके अलावा जयपुर में 12, कोटा में 9, अलवर में 7, बारां, बीकानेर, जोधपुर और सिरोही में 2-2 तथा चित्तौड़गढ़, हनुमानगढ़ और पाली में एक-एक नया मामला सामने आया है। इस बीच राज्य में 7707 जांचें हुई है। प्रदेश में बुधवार को फिर रिकवरी में कमी आई है। इस दौरान 33 मरीज ठीक हुए हैं। इसके साथ ही एक्टिव केस बढ़कर 331 हो गए हैं। जयपुर में भी केवल 5 मरीजों के ठीक होने से एक्टिव केस बढ़कर 63 हो गए हैं। प्रदेश में बुधवार को भी करोना से किसी मरीज की मौत नहीं हुई है। राज्य में अब तक इस बीमारी से 9644 लोगों की मौत हो चुकी है।

राजधानी जयपुर में बुधवार को 8 स्थानों पर नए संक्रमित मिले हैं। इनमें सर्वाधिक 4 मरीज बस्सी में पाए गए हैं। इसके अलावा सांगानेर में 2, बनीपार्क, खातीपुरा, लूणियावास, मानसरोवर और सोड़ाला में 1-1 नया संक्रमित मिला है। वहीं एक मरीज का पता गलत पाया गया है।

बर्खास्त तीन पार्षदों के वार्ड में चुनाव पर अंतरिम रोक

जयपुर, (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने ग्रेटर नगर निगम के तत्कालीन आयुक्त यज्ञिमत्र देव सिंह के विवाद में बर्खास्त हुए तीन पार्षदों के वार्ड में उपचुनाव कराने पर अंतरिम रोक लगा दी है। इसके साथ ही अदालत ने राज्य सरकार को जवाब पेश करने के लिए तीन सप्ताह का समय दिया है। जस्टिस महेन्द्र गोयल ने यह आदेश अजय सिंह चौहान, शंकर शर्मा और पारस जैन की याचिकाओं पर दिए।

याचिकाओं में कहा गया कि राज्य सरकार ने गत 13 अक्टूबर को निर्वाचन विभाग को प्रदेश के निकायों में खाली पड़ी सीटों पर उप चुनाव के लिए पत्र लिखा है। इसमें जयपुर ग्रेटर नगर निगम की चार सीटों को भी शामिल किया गया था।

इनमें बर्खास्त महापौर सौम्या गुर्जर के वार्ड के साथ ही याचिकाकर्ताओं के वार्ड नंबर 39, 72 और 103 भी शामिल हैं। याचिकाओं में कहा गया कि यदि इन वार्ड को लेकर चुनाव प्रक्रिया शुरु हो जाती है तो उनके अधिकार प्रभावित होंगे और याचिका पेश करने का उद्देश्य ही समाप्त हो जाएगा। ऐसे में चुनाव प्रक्रिया शुरु करने पर रोक लगाई जाए। वहीं राज्य सरकार की ओर से याचिकाओं में जवाब पेश करने के लिए समय मांगा गया। इस पर अदालत ने चुनाव प्रक्रिया शुरु करने पर अंतरिम रोक लगाते हुए मामले की सुनवाई 15 नवंबर को तय की है।

'अपराधियों का सुरक्षित पनाहगाह बना राजस्थान'

जयपुर (कासं)। भाजपा प्रदेश मुख्यालय पर भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता और जयपुर ग्रामीण सांसद कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने प्रदेश की बिगड़ी कानून व्यवस्था को लेकर प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए प्रदेश के मुखिया पर स्पष्ट आरोप लगाकर कहा कि जहां प्रदेशवासी दीपावली की खुशियां मना रहे हैं, वहीं दूसरी ओर प्रदेश की बिगड़ी कानून व्यवस्था खुशियों पर ग्रहण लगाने का काम कर रही है।

प्रदेश में बिगड़ती कानून व्यवस्था व अपराध के लिए गुंडे, अपराधियों, डकैतों व बलात्कारियों का प्रशासन से मिलीभगत के बिना संभव नहीं है, ऐसा लगता है कि प्रशासन ने भी अपराधियों के आगे आत्मसमर्पण कर दिया है। पड़ोसी राज्यों के अपराधियों के लिसे प्रदेश सुरक्षित पनाहगार बन गया है।

प्रदेश में हो रही है निर्मम अपराधिक घटनाओं का जिक्र करते हुए राठौड़ ने कहा कि अलवर में 3 बच्चों का अपहरण कर, दो बच्चों की हत्या की गई, सीकर में अपहरण, भीलवाड़ा में युवक को बंधक बनाकर 2 लाख 80 हज़ार की लूट, कोटा में कोचिंग जा रही छात्रा का अपहरण, जोधपुर के बिलाड़ा में पुलिस के सामने थाने से युवती का अपहरण, कामां में एक युवती का अपहरण व बलात्कार कर धर्म परिवर्तन करना, बाड़मेर में पत्रकार पर हमला जिसमें पत्रकार ने कांग्रेस नेता का स्पष्ट नाम लेते हुए थाने में शिकायत दर्ज करवाई पुलिस ने कोई भी कार्यवाहीं नही की, राजधानी जयपुर में वृद्ध महिला के पैरों को काटकर चांदी के कड़े लूटने की घटना जैसी जघन्य अपराध की घटनाएं प्रदेश के जिलों में प्रतिदिन हो रही है।

सतीश पूनिया ने प्रगतिशील किसानों को सम्मानित किया

जयपुर । भाजपा प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनिया जयपुर स्थित नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ एग्रीकल्चर मार्केटिंग में कृषि विकास सहकारी समिति द्वारा आयोजित इमर्जिंग एफपीओ अवार्ड-2022 समारोह में शामिल हुए। उन्होंने कार्यक्रम में एफपीओ प्रोसेसिंग यूनिटस से जुड़े प्रगतिशील किसानों को सम्मानित किया।

डॉ. पूनिया ने संबोधित करते हुए कहा कि प्रदेश और देशभर में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी सरकार द्वारा किसानों को आत्मनिर्भर बनाने और स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देने से एफपीओ की संख्या दिनोंदिन बढ़ती जा रही है, जिससे स्थानीय उत्पादों की प्रोसेसिंग यूनिट लगाकर वॉकल फॉर लोकल को बढ़ावा दिया जा रहा है और किसानों की आमदनी में बढ़ोतरी के साथ स्वदेशी उत्पादों की देश और दुनिया में लगातार मांग बढ़ रही है, जो भारत को आर्थिक महाशक्ति बनाएगा।

सड़क निर्माण के लिए लोगों ने जाम की कालवाड़ रोड

जयपुर (कासं)। कालवाड़ रोड पर बुधवार सुबह ट्रेफिक जाम कर सैकड़ों लोगों ने सड़क निर्माण की मांग उठाई। दरअसल गत 11 अक्टूबर को मंगलम सिटी के गेट के समक्ष सड़क में बने गहरे गड्ढ़े में ई-रिक्शा पलट गया था, जिससे उसमें सवार 8 साल के बच्चे की दो अंगुलिया कट गई थी। टूटी सड़क और गहरे गड्ढ़ों के कारण कालवाड़ रोड पर आये दिन हो रहे हादसों के बावजूद जेडीए प्रशासन द्वारा सड़क निर्माण नहीं किये जाने से लोगों का आक्रोश बुधवार सुबह उमड़ पड़ा। सुबह करीब 9 बजे लोग मंगलम सिटी के बाहर एकत्रित हुए और जेडीए के खिलाफ विरोध प्रदर्शन शुरू किया। इस दौरान जयपुर से नागौर जाने वाले मेघा हाईवे पर यातायात जाम हो गया। सूचना मिलने पर करधनी व कालवाड़ पुलिस का जाप्ता मौके पर पहुंचा और लाठीचार्ज कर मौके से खदेड़ा। इस दौरान पांच प्रदर्शनकारियों को पुलिस ने शांतिभंग के आरोप में गिरफ्तार किया। गड्ढों की वजह से उंगलिया गंवाने वाले बच्चे के पिता अंकित मिश्रा ने बताया कि लोग न्याय की मांग को लेकर शांतिपूर्ण तरीके से विरोध प्रदर्शन कर रहे थे। तभी लोगों पर पुलिस की ओर से लाठीचार्ज कर दिया। उधर करधनी थानाधिकारी बनवारीलाल मीणा का कहना है कि पुलिस ने लाठीचार्ज नहीं किया, यह आरोप गलत है। लोगों ने मेघा हाईवे जाम कर रखा था, इससे यातायात अवरूद्ध हो गया था, वाहनों की लंबी कतारें लग गई थी। लोग परेशान हो रहे थे, इस कारण पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को सड़क से हटाया था।

रीको एमडी ने जांची इंडिया स्टोनमार्ट की व्यवस्थाएं

जयपुर, (का.सं.)। राजस्थान राज्य औद्योगिक विकास एवं निवेश निगम लिमिटेड (रीको) के प्रबंध निदेशक (एमडी) शिवप्रसाद नकाते ने आज सीतापुरा में जेईसीसी में आगामी इंडिया स्टोनमार्ट 2022 की व्यवस्थाओं की समीक्षा की। उन्होंने सहायक महासचिव, फिक्की, बलविंदर सिंह और फिक्की के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा तैयार की गई विस्तृत प्रजेंटेशन में भाग लिया।

इस प्रजेंटेशन में 10 से 13 नवंबर तक जयपुर में आयोजित होने वाली स्टोन इंडस्ट्री की सबसे बड़ी अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनी के विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डाला गया। सेंटर फॉर डेवलपमेंट ऑफ स्टोन्स (सीडीओएस) के सीईओ, मुकुल रस्तोगी ने भी इस अवसर पर अपने सुझाव साझा किए।

इस मेगा एक्सपो का 11वां संस्करण सीडीओएस द्वारा फिक्की के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है और साथ ही यह राजस्थान सरकार और अन्य प्रतिष्ठित संस्थानों द्वारा समर्थित है। रीको इस आयोजन का प्रमुख प्रायोजक है। यह आयोजन सीतापुरा के जेईसीसी में किया जाएगा।

नकाते ने निर्देश दिया कि आयोजन में भागीदारी के लिए संपर्क को सक्रिय रूप से आगे बढ़ाना होगा। उन्होंने कहा कि पिछले संस्करणों में नियमित रूप से भाग लेने वालों के अतिरिक्त अन्य उद्यिमयों से भी संपर्क किया जाना चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि स्टोन इंडस्ट्री के नए उद्यिमयों को शामिल करने का प्रयास किया जाना चाहिए। प्रजेंटेशन के माध्यम से एक्सपोजिशन के विभिन्न पहलुओं जैसे पार्टिसिपेशन, लेआउट, लॉजिस्टिक्स, आर्किटेक्चरल फेस्टिवल, पीआर, ब्रांडिंग, आदि पर भी प्रकाश डाला गया।

बाद में उन्होंने कार्यक्रम स्थल का जायजा लिया और कार्यक्रम के सुचारू रूप से आयोजन के लिए दिशा-निर्देश दिए। इस अवसर पर जयपुर नगर निगम, पुलिस विभाग, जेडीए, सीडीओएस और रीको के अधिकारी भी उपस्थित थे।

International Chefs Day

Going out to restaurants is one of people's favourite activities because they get the chance to taste the best cuisine from the chefs that work behind the scenes. International Chef Day is for them, and is probably one of the best opportunities people can get to learn how to cook and connect with chefs in their local area. Visit a fine restaurant, get gourmet in your own kitchen, thank a chef in your life and encourage others to get crafty with food on International Chef's Day.

#WILDLIFE-TOURISM

Tourists @ National Parks

Nearly any level of human activity in a protected area like a national park can alter the behaviour of animals there.

Even in remote, rarely visited national parks, the presence of just a few humans affects the activity of wildlife that live there, a new study shows.

National park traffic has grown steadily over the past decade, and popular parks like Yosemite and Yellowstone can easily see over a million visitors a year. In these heavily used areas, one might expect animals to change their behaviour to avoid humans.

But a new study shows that nearly any level of human activity in a protected area like a national park can alter the behaviour of animals there.

"There's been increasing recognition of how much just the presence of humans in these places, and our recreating there, can impact wildlife," says senior author Laura Prugh, associate professor in the University of Washington School of Environmental and Forest Sciences. "These results

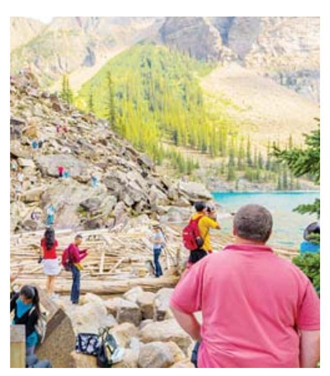

are striking in showing that really any level of human activity can have an effect on wildlife."

The researchers based the study in Glacier Bay National Park, a coastal area in southeast Alaska that is accessible only by boat or plane. Most visitors arrive on cruise ships, but the boats don't dock on shore, and the park has very little human foot traffic. Because so few people visit each year-only about 40,000 but increasing-the park was an ideal place to locate this study, Prugh explains.

"Glacier Bay is a great park to explore what the lower limits are where humans start to affect wildlife behaviour," Prugh says.

The researchers worked with the national park's staff to design and implement an experiment that compared wildlife activity in areas used frequently by humans to areas where people were absent.

They installed 40 motion-activated cameras across 10 sites to capture detections of people and four animal species-wolves, black bears, brown bears, and moose-over two summers. By controlling where and when people could access certain areas of Glacier Bay and then measuring wildlife responses to the differing levels of human activity, the researchers identified two important thresholds.

First, if humans were present in an area, the cameras detected fewer than five animals per week across all four species studied. In most cases, this likely meant that animals avoided areas where humans were present. Second, in backcountry areas, wildlife detections dropped to zero each week once outdoor recreation levels reached the equivalent of about 40 visitors per week.

The apparent low tolerance wildlife had for the presence of people nearby surprised the researchers.

"It was eye-opening to see the number of wildlife sightings we are 'missing' just by recreating in backcountry areas of Glacier Bay," says lead author Mira Sytsma, who completed this work as a graduate student.

"I was surprised that for all four species, wildlife detections were always highest when there wasn't any human activity. So many people visit national parks for the chance to view wildlife, and that desire alone may reduce the chance of it happening."

Though all four species showed some change in activity due to humans, wolves were most likely to disappear from cameras when people were around. Brown bears were the least impacted by human presence. Moose, however, were more active during the times of day and locations where people were seen. The researchers hypothesize that moose might be using humans as a protective shield from predators, opting to align their active hours with humans to avoid becoming prey.

The researchers expect that in parks where animals are more accustomed to seeing people, at least some individual animals won't react as strongly to humans as in Glacier Bay. But the findings do shed light on a reality that's likely playing out at national parks and wilderness areas across the country: More people are visiting these areas than ever before, and the presence of humans is almost certainly affecting the behaviour of animals that live there.

"I expect that similar results could be found in other national parks, particularly those with relatively low visitation." Sytsma says.

National parks and wilderness areas aren't just seeing more visitors during the high season. More people are opting to use the trail systems during less-busy times to avoid crowds. Additionally, some parks are expanding their trail networks to accommodate more visitors.

The authors hope the study can help park managers consider different approaches to making parks accessible both to humans and animals.

No other book or scripture influenced Gandhi, shaped his character, and transformed his life as profoundly and permanently as did the Bhagavad Gita. Among the many books he read, "Gita" alone became an unfailing source of strength and solace to him in the darkest hours of his life. As a spiritual reference book, the Gita was not only his constant companion, it was his "eternal mother" whom he esteemed even more than his earthly mother.

"The Gita is unrivalled for its spiritual merit"

'Bhagavad Gita, My Eternal Mother'

Shruti Kothari

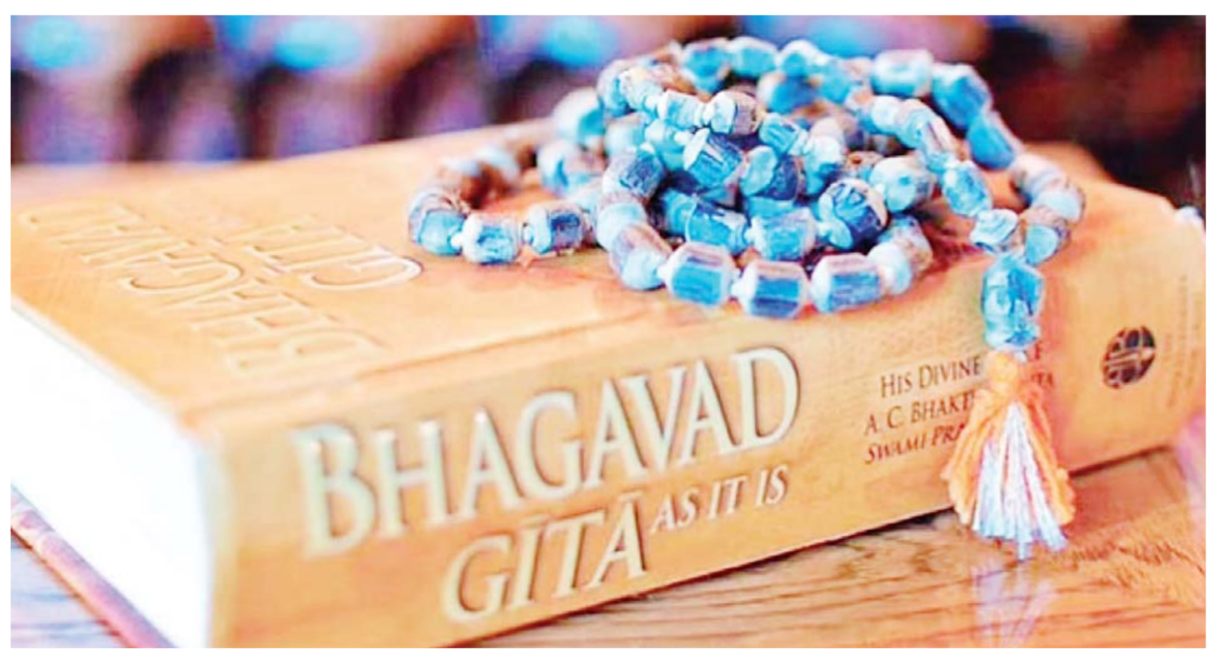

#IDEOLOGY

Gandhi's stature on the international stage as a tireless crusader of civil rights and liberty is unique – the post-truth histories of Gandhi notwithstanding. As an apostle of non-violence, he is unparalleled. But there is much more to Gandhi than being just a non-violent freedom fighter or a civil rights activist. Gandhi is one of the greatest thinkers that 20th century has produced. Gandhi came back from South Africa with a library of about 11,000 books ('Reading as a Sadhana: Gandhi's Experiments With Books' The Wire, January, 30, 2018). His own writings are a reflection of his wide and varied reading. Not only did he write incessantly till the end of his life; he also delivered speeches, formal lectures and wrote replies to all who cared to write to him. Above all, he engaged in discussions with people who confronted him with questions. His Collected Works, comprising 100 volumes and covering a vast array of subjects, are testimony to Gandhi's position as an intellectual.

Gandhi's reading of the Gita, the most important text of the Vaishnava sect of Hinduism, is part of his internal criticism of popular Hinduism.

First Introduction to the Bhagavad Gita

Gandhi's theosophist friends-the two Olcott brothers-were studying the original Sanskrit text of the Gita alongside Edwin Arnold's recent English translation, The Song Celestial. Thinking that Gandhi, being a native of India, would probably know Sanskrit better, they consulted him about the meaning of certain Sanskrit words, but he could not help. As Gandhi confessed in his Autobiography, "I felt ashamed, as I had read the divine poem neither in Sanskrit nor in Gujarati" (1948, 90). Gandhi, however, was not someone to take his ignorance lightly, he determined to turn his "shame" into a strong incentive to read and study not only the Gita in the original Sanskrit, but also other scriptures of the major world religions, such as the Christian Bible and the Islamic Qur'an.

Bhagavad Gita and the Sermon on the Mount:
Now that his religious appetite was kindled by the reading of the Gita, Gandhi was truly excited to read the Christian Bible. He said he did not like the Old Testament, but enjoyed reading the New Testament; he was particularly moved by the Christ's Sermon on the Mount! As he put it in his Autobiography:

Especially, the Sermon on the Mount… went straight to my heart. I compared it with the Gita. The verses, 'but I say unto you, that ye resist not evil: but whosoever shall smite thee on thy right cheek, turn to him the other also. And if any man take away thy coat, let him have thy cloak too,' delighted me beyond measure and put me in mind of Shamal Bhatt's 'for a bowl of water give a goodly meal' etc. My young mind tried to unify the teaching of the Gita, the Light of Asia and the Sermon on the Mount. That renunciation was the highest form of religion appealed to me greatly. (1948, 92)

What made a deep impact on young Gandhi was Jesus Christ's living example and his message of renunciation, human compassion, forgiveness, and above all, his divine gesture of "returning evil with good;" he drew parallels between these and the Gita's teachings of renunciation, detachment, selfless work, and a total self-surrender to God.

Unique Features of the Gita According to Gandhi

Sannyasa is not the only way to Moksha: The idea that sannyasa or renunciation was not the only way to moksha (spiritual liberation) appealed to Gandhi very much, as he himself endeavored to be both an ardent seeker after truth and a karmayogi-a man of action. While remaining active in the world, one can perform all one's activities in the spirit of "nishkamakarma", that is, without desire for the fruits of action; one can be like a "sthitaprajna"-a person well-established in wisdom-who is equipoised, detached, desireless, and dedicated to God.

The practicability of the Gita: To Gandhi, religion which cannot be practiced in one's daily life is not true religion. He was impressed by the fact that the Gita was as much accessible to a common man as to a jnani or pundit. For an ordinary person, the language of the Gita is not only easy to understand; its ethical teachings are also quite practicable.

Its freedom from dogma: Gandhi observed that the Gita is "not a collection of "dos and don'ts;" It is non-sectarian and non-dogmatic.

It appeals to both the head and the heart: Despite its analytical, dialogical approach, the Gita, being deeply devotional, appeals to the heart.

Its multidimensionality: The Gita offers multiple choices to a spiritual seeker- from the paths of jnana (knowledge or discrimination between the Real and the seemingly real), and karma-yoga (selfless action for the good of all), to bhakti (self-surrender to God through devotion), and raja-yoga (the path of yogic disciplines). One may choose whichever path suits one's prakriti (nature, made up of the gunas), but the ultimate goal in all of them remains the same: to perform all one's big and small activities with anasakti or non-attachment, by renouncing the fruit of action; to act and yet not to act, like a sthitaprajna, and to surrender one's ego to God (as Gandhi strove to reduce his ego to a zero).

The Gita's universal appeal: "The Bhagavad Gita is perhaps the most systematic scriptural statement of the Perennial Philosophy," wrote Aldous Huxley in his Introduction to the translation of the Gita by Swami Prabhavananda and Christopher Isherwood. (1987, 17) Popularized by Huxley, the term "perennial philosophy" recognizes the highest common core or essence of all religions regarding the ultimate purpose of human life as to achieve a mystical or experiential union of one's self with the supreme being ("tat tvamasi: That thou art").

The Gita- a spiritual reference book: This holy book became Gandhi's most dependable spiritual guide and a constant companion through all the trials and tribulations of his life. As the chief navigator of the Indian independence movement, while fighting social, religious, and political injustice through satyagraha (based on truth and nonviolence), Gandhi faced many dark moments and crises of faith. During such moments, he turned to the Gita for strength, solace, and moral-spiritual guidance. As he put it, "the Gita is unrivalled for its spiritual merit …within the compass of 700 verses the Gita has given the quintessence of all the shastras and the Upanishads "(Gita-the Mother, 1945, 4).

"Gita- My Eternal Mother": Gandhi went even further to claim that "Gita is not only my Bible or my Koran, it is my mother… my ETERNAL MOTHER" (Ibid., 5) He said that out of all the books he had read, he found the greatest consolation from two books: the Gita and the Tulsi Ramayana.

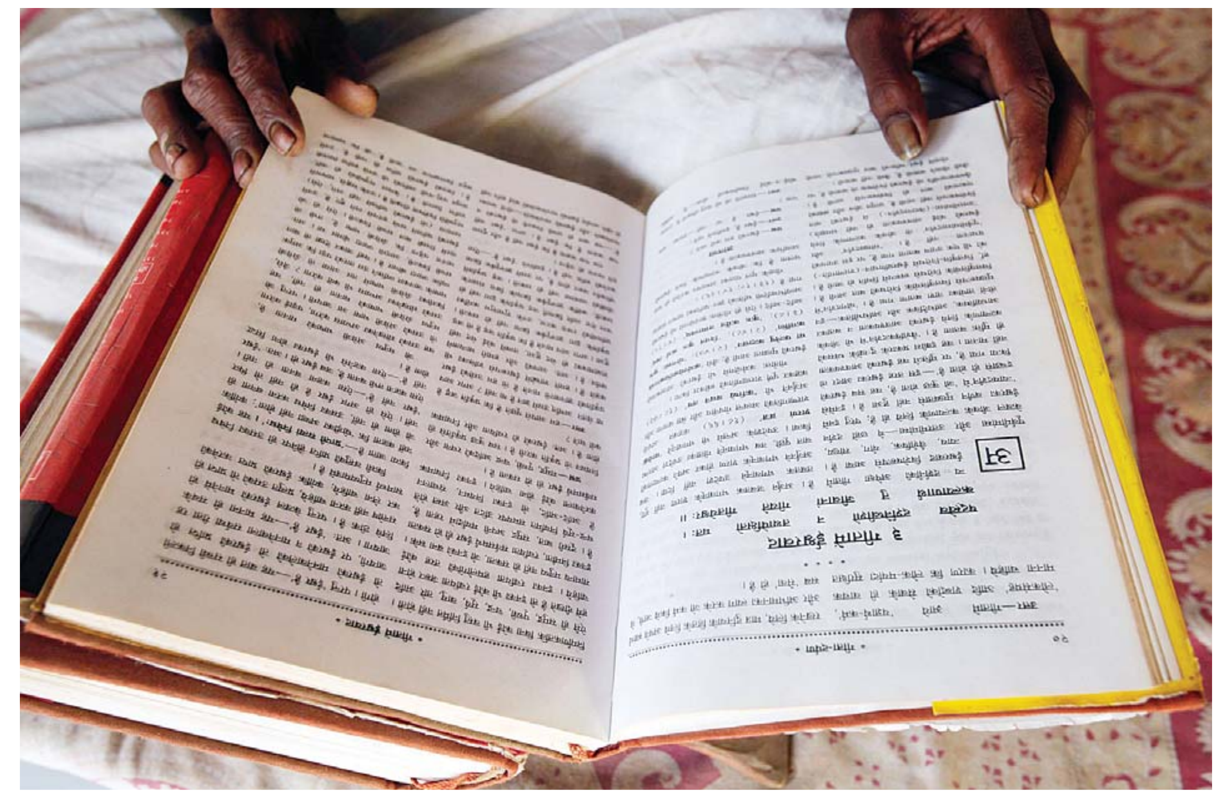

> The Gita offers multiple choices to a spiritual seeker- from the paths of jnana (knowledge or discrimination between the Real and the seemingly real), and karma-yoga (selfless action for the good of all), to bhakti (self-surrender to God through devotion), and raja-yoga (the path of yogic disciplines). One may choose whichever path suits one's prakriti (nature, made up of the gunas).

Gandhi's reasons for calling the Gita "My Eternal Mother"

(1) Like a proverbial mother, the Gita provided him not only unconditional love and support, it even lifted up his spirit and "led him kindly to Light." ("Lead, Kindly Light" was the Christian hymn he loved very much.") It showed him the way from darkness to eternal light, eternal truth, and eternal bliss. In his words,

(2) The Gita also became his practical-ethical guide for living: he turned to her for not just strength and solace, but also for a reasoned approach and for practical-ethical guidance. He had memorized several shlokas (verses) that spoke to his heart as well as head; by constant practice of these precepts, he could restore the serenity of his mind, which we shall discuss later.

(3) Earthly mother may sometimes fail or disappoint, but not this Spiritual Mother. In his words, "I lost my mother early who gave me birth long ago, but this ETERNAL MOTHER has completely filled her place by my side ever since. She has never changed."

Following in the footsteps of his Eternal Mother

Introduced to the Gita at an unsettled age of eighteen, Gandhi read, reread and reflected over each chapter and passage, each verse and its meaning. He studied and compared its precepts with those of the Bible's Sermon on the Mount and with other religious hymns and songs he grew up with. In his characteristic Gandhian style, he was not satisfied to just read but to understand, to not only understand but to experiment with its truth, and then rigorously practice it. Thus, he memorized the key shlokas of the Gita, perused over them and prayed, but most importantly, he followed in the footsteps of this holy book of wisdom that he esteemed as his Eternal Mother.

writetoarbit@rashtradoot.com

Bloch-Sermon On The Mount.

#TRIED&TASTED

Treat Your Guests On Diwali

To make things slightly easier for you we have come up with a list of snack recipes for the party menu.

If Diwali is a festival of lights, it is also customary to play cards that night. People organise card parties during this time when family and friends get together and have a fun time.

From food to drinks to music, elaborate preparations are done for such parties. Most of them prefer to keep finger snacks on the menu for the night as it is easy to eat and takes less time to prepare. While preparing the menu one must count the heads and plan accordingly. Don't forget the dips. They are equally important.

And, to make things slightly easier for you we have come up with a list of snack recipes for the party menu.

Daulat Ki Chaat

Ingredients

- 1 Litre Whole milk
- 250 Mililitres Heavy cream
- 1 tsp Cream of tartar
- 2 TbspBura (or boora, an unrefined powdered brown sugar; see note above)
- Few saffron strands mix
- A few tablespoons kurchan, to serve
- 2 sheets varq (edible silver)
- 2 Tbsp Chopped pistachios
- 1 Tbsp Finely ground pistachios

Preparation

1. For the kurchan, cook 1 cup milk down to an almost-dry clotted consistency over low heat so it doesn't burn. It should end up with a slightly crumbly texture and no color.
2. Combine milk, cream, cream of tartar, and bura in a large bowl, and refrigerate overnight.
3. Whisk the cold milk mixture with an electric mixer with a whisk attachment, stopping occasionally to remove the froth onto a platter with a wide spoon (and not allowing the cream to be beaten into stiffness-you're looking for steady but soft froth here).
4. When the platter is full of the clouds, drizzle with saffron milk and top with crumbled kurchan and sheets of varq. (Alternatively, spoon the froth into smaller shallow dishes.)
5. Shake over the ground pistachios with a sieve and top with the chopped pistachios.
6. If you can't serve immediately, keep refrigerated and serve within a few hours.

Potato Cheese Shots

Ingredients

- 250 gms Potato
- 1 tsp Garlic paste
- Salt
- 1/2 tsp Chilli flakes
- 1/4 tsp Pepper
- 6 tbsp Breadcrumbs
- Oil for frying

Coating the ball:

- 2 tbspCornstarch
- 1 Egg
- 1/2 cup Breadcrumbs

Stuffing:

- 100 gram Cheese
- 1/2 tsp Herbs
- 1/2 tsp Chilli flakes
- 1/4 tsp Pepper

Preparation

1. Boil potatoes till al dente. They should not be mushy. Remove the skin and mash it smooth. There should be no lumps.
2. Add garlic powder, herbs, coriander leaves, pinch of salt, chilli flakes, pepper and breadcrumbs.
3. Mix them well and make a ball. The mixture must bind together and should not be sticky or too dry.
4. Divide the mixture to 8-10 equal sized balls.
5. Cut the cheese to ½ inch cubes, toss the cheese in the stuffing seasoning.
6. Press the cheese cube into the centre of the potato ball. Repeat this with all the balls. Coat the balls in cornflour, and then coat it in egg. Finally cover it in breadcrumbs.
7. Fry the coated balls till they are golden. Potato cheese shots are ready.

Soya 65

Ingredients

- 1 Cup Soya beans
- 1 Chopped onion
- 1 Chopped capsicum
- 1/2 tbsp Red chilli powder
- 1/2 tbsp Pepper
- 1/2 tbsp Vinegar
- 1/2 tbsp Chilli sauce
- 1 tbsp Ginger garlic paste
- 1 tbsp Soya Sauce

Preparation

1. Boil some soya chunks and then squeeze out excess water. Now fry them by corn flour.
2. Now, in a separate pan add some oil, throw in the fried soya chunks.
3. To this add red chilli powder, pepper, soy sauce, chilli sauce, little vinegar and salt as per taste and mix well. Make sure all the chunks are covered with the sauces.
4. Now add roughly chopped onions and capsicum. Stir again.
5. Garnish with green onions and serve.

THE WALL

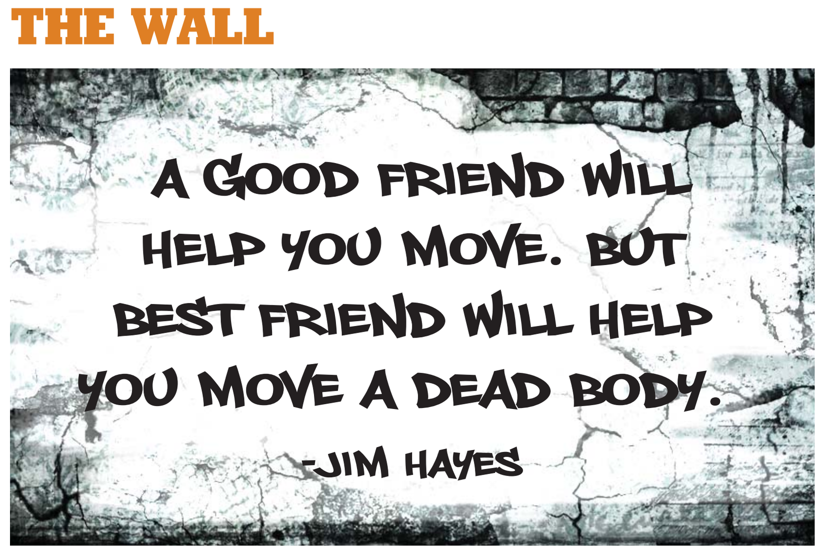

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

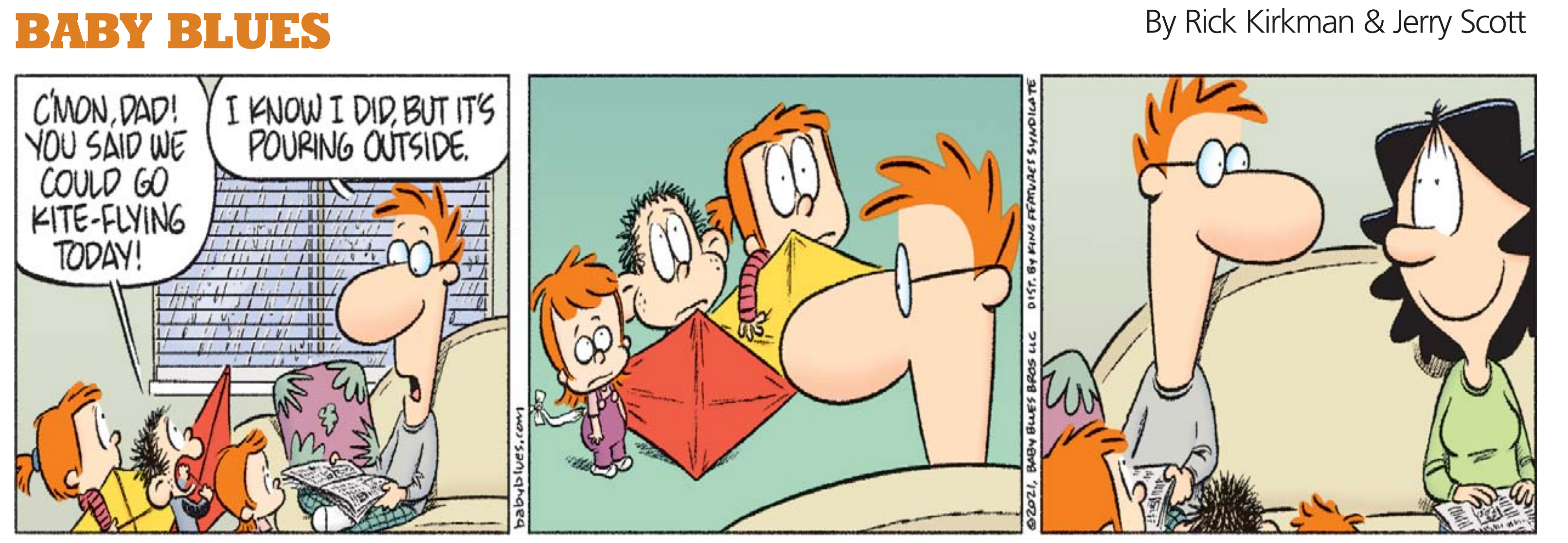

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

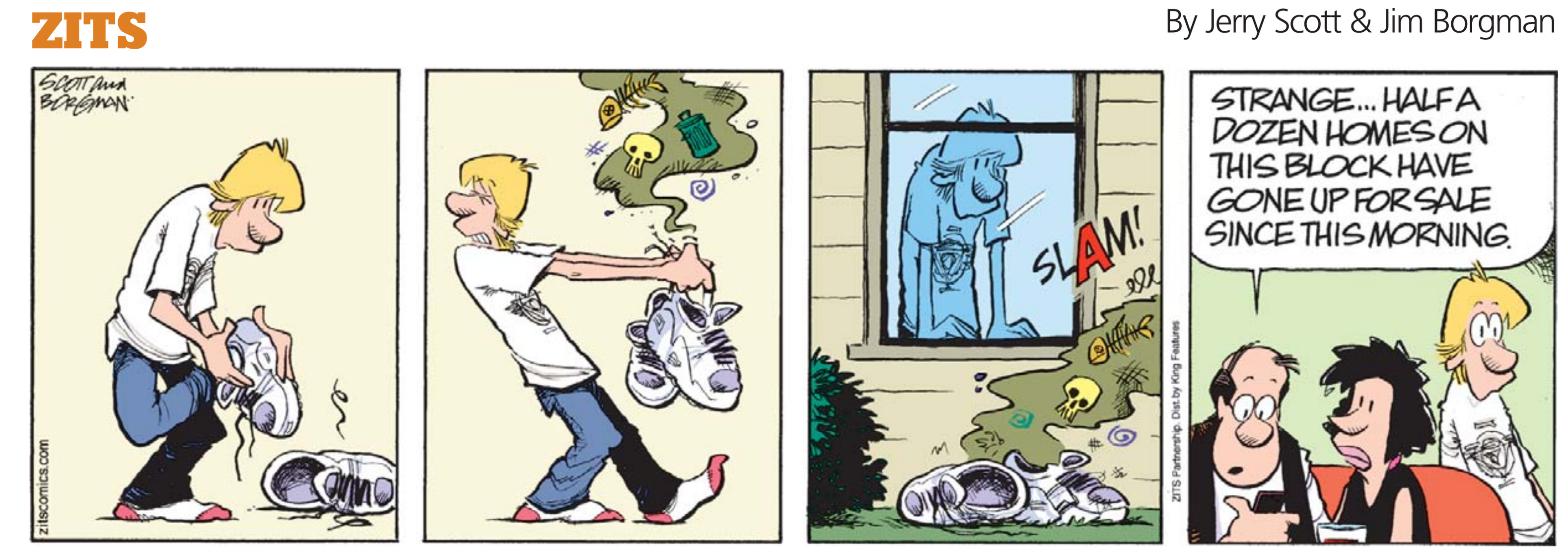

सात दिन से अनशन पर बैठे किसान की तबियत बिगड़ी

मोघों को दुरुस्त करने और तोड़ने वालों पर कार्रवाई की मांग

अनूपगढ़, (निसं) ग्राम पंचायत 20 एलएम के गांव 5,6,7 और 8 जेएम के टेल के किसानों के द्वारा मोघों को क्षतिग्रस्त करने वाले दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करने और क्षतिग्रस्त मोघों को सीज करने की मांग को लेकर जालुवाली माइनर पर आंदोलन किया जा रहा है।

आंदोलन को लेकर 2 किसान गत 7 दिनों से आमरण अनशन पर बैठे हुए हैं। देर शाम एक अनशनकारी की तबीयत बिगड़ गई मगर आंदोलनकारियों ने अनशनकारी को चिकित्सालय में भर्ती करवाने से मना कर दिया किसान नेता दिनेश कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि खेताराम की अचानक तबीयत बिगड़ गई मगर किसानों के हौसले बुलंद है जब तक उनकी मांग पूरी नहीं हो जाती किसान धरना स्थल से नहीं हटेंगे।

किसान नेता दिनेश कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि 10 अक्टूबर को नाईयावाली के माइनर 10 एलएम,8 एलएम और 12 एलएम के मोघो को क्षतिग्रस्त करने के आरोप में सिंचाई विभाग के अधिकारियों द्वारा दोषी किसानों के खिलाफ घड़साना थाना पुलिस थाना में मुकदमा दर्ज करवाया गया था लेकिन अभी तक इस मामले में दोषियों के खिलाफ कोई भी कार्रवाई नहीं हुई है।

दोषियों के खिलाफ अभी तक कोई भी कार्रवाई नहीं होने पर आंदोलनकारी किसानों ने प्रशासन को चेतावनी दी है कि अगर शीघ्र ही दोषियों के खिलाफ कार्रवाई नहीं हुई तो किसानों के द्वारा आंदोलन को तेज किया जाएगा।

बुधवार को धरने पर कुलवीर सिंह सूरजपाल बिश्नोई, बिरजलाल भादू, बिरजलाल गोधरा, भूरा राम, आदू राम, दिनेश कुमार, विकास बिश्नोई, अंग्रेज सिंह, भाग सिंह, लखविंदर सिंह, देवेंद्र सिंह, हरपाल सिंह, बलदेव सिंह, महेंद्र भादू, जगसीर सिंह, जगराज सिंह,शेर सिंह, उधम सिंह, नर सिंह, कश्मीर सिंह, रामचंद्र सहित अन्य किसान बैठे।

पूर्व केंद्रीय मंत्री की बेटी ने बांटे गिफ्ट, चुनाव में एंन्ट्री की चर्चा

पिपलाई में एक सादा कार्यक्रम में बांटे गए थे गिफ्ट

पिपलाई के आदर्श विद्या मंदिर में मीडिया कर्मियों, सोशल मीडिया में कार्य करने वालों को गिफ्ट पैक देती पूर्व केंद्रीय मंत्री की बेटी अर्चना।

बामनवास, (निसं)। उपखंड क्षेत्र पिपलाई ग्राम स्थित आदर्श विद्या मंदिर प्रांगण मे पूर्व केंद्रीय मंत्री जसकौर की बेटी अर्चना मीणा द्वारा दीपावली के त्योहार की आड़ लेकर बुधवार को एक छोटा सा कार्यक्रम आयोजित कर पत्रकारों सोशल मीडिया से जुड़े लोगों को गिफ्ट बांटना विधानसभा क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है।

गिफ्ट बांटने को लेकर चर्चा है कि पूर्व केंद्रीय मंत्री की बेटी बामनवास विधानसभा से चुनाव में भाग्य आज आजमाना चाहती है । गत कई वर्षों से बामनवास क्षेत्र कई अभाव अभियोग से गुजरने के साथ कई दफा दुर्घटनाओं में होने वाली हानि से भी गुजरा है, लेकिन आगामी चुनावों की दावेदार बनने कि इच्छुक महिला को कभी बामनवास विधानसभा क्षेत्र में नहीं देखा गया है । चर्चा का विषय रहा कि आखिर विधानसभा चुनाव के कुछ समय पहले पूर्व केंद्रीय मंत्री की बेटी को क्या जरूरत पड़ गई कि मीडिया कर्मियों को इस तरह गिफ्ट बांट सम्मान के नाम पर किस तरह का साधना चाहती है, तथाकथित तौर पर चर्चा है कि कुछ खबरनवीशो के माध्यम से पूर्व केंद्रीय मंत्री की बेटी विधानसभा क्षेत्र में हुई पहचान को कायम करना चाहती है ।

दीपावली के त्यौहार की आड़ लेकर गिफ्ट वितरण करना सस्ती लोकप्रियता हासिल करने का तरीका चर्चा का विषय बना है, चर्चा है कि मौजूदा समय में बामनवास विधानसभा क्षेत्र में चाहे कांग्रेस हो या फिर भाजपा दोनों प्रमुख राजनीतिक दलों में आगामी विधानसभा चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों दावेदारों की लंबी फेहरिस्त है ऐसे में आने वाले विधानसभा चुनाव के दौरान दोनों प्रमुख राजनीतिक दलों में चुनाव लड़ने वाले दावेदारों के बीच टकराव होना तय है । चर्चा का विषय है कि इसी का फायदा उठाने के लिए पूर्व केंद्रीय मंत्री की पुत्री लगातार मीडिया के माध्यम से खुद का चेहरा साफ सुथरे तरीके से विधानसभा क्षेत्र में पेश कर इस लड़ाई के बीच फायदा उठाना चाहती है।

छुटभैया नेताओं की आपसी खींचतान से नहीं बनी नाली

- चूरू के वार्ड 59 व 60 के बीच मुख्य मार्ग से गंदे पानी की निकासी नहीं होने से
- चूरू में शासन-प्रशासन की सतर्कता की पोल खुली

चूरू, (कासं)। नगरपरिषद चूरू के वार्ड नम्बर 59 व 60 के बीच स्थित मुख्य मार्ग गंदे पानी की निकासी नहीं होने से दरिया बना हुआ है। मिली जानकारी के अनुसार नगरपरिषद क्षेत्र चूरू के इन वार्डों की गलियों के नेताओं की आपसी खींचतान के कारण नाली का निर्माण नहीं हुआ है। इस कारण से गंदा पानी सड़क पर ही एकत्रित हो रहा है। इस मार्ग पर आमजन पैदल भी नहीं चल सकता है। यहां विद्यार्थियों के साथ-साथ मंदिर-मस्जिद जाने वाले लोगों को बहुत परेशानी हो रही है। आस-पास के घरों के लोगों का तो घर से बाहर निकलना भी बहुत मुश्किल हो गया है।

नागरिकों ने कहा कि तथाकथित गली के छुटभैया नेता नाली का निर्माण नहीं होने दे रहे हैं। यहां का प्रशासन भी गली के छुटभैया नेताओं के आगे हार मान चुका है। तभी तो दो वार्डों के बीच से गुजरने वाली मुख्य सड़क गंदे पानी से भरी हुई है। यहां परेशान नागरिकों में से कोई इसे पायल नहर तो कोई मण्डेलिया सागर व राठौड़ तालाब का नाम देकर व्यंग्य कसते हुए देखे जा सकते हैं। नगरपरिषद के साथ जिला प्रशासन भी चुप्पी साधे बैठा है। लोगों का कहना है कि यहां अधिकारियों में सतर्कता नाम की कोई चीज ही नहीं है। कांग्रेस वाले सत्ता के नशे में चूर हैं और विपक्ष वाले मौन हैं।

नगरपरिषद मुख्यालय पर फैला गंदा पानी।

धमकाने का मामल दर्ज

उदयपुर, (कासं)। शहर के हाथीपोल थाना पुलिस ने स्कूटी सवार दो बदमाशों के खिलाफ पीडित को धमकाने का मामला दर्ज किया।

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार पीडित जिलानी मस्जिद के पास गणेश नगर पायड़ा अब्दुल हकिम पुत्र हफिज अब्दुल कय्यूम ने स्कूटी सवार दो बदमाशों के खिलाफ प्रकरण दर्ज करवाया। कि 12 अक्टूबर दोपहर में स्कूटी पर आए दो बदमाशों ने दुकान पर बैठे व्यक्ति को मेरे संबंध में पूछताछ की तथा दुकान पर नहीं मिलने से आरोपी ` दुकान नहीं खोलने की हिदायत देते हुए भाई से बातचीत करने की धमकी दते हुए फरार होगए। जुल्फीकार द्वारा आरोपियों द्वारा धमकी देने के लिए बदमाशों को भेजने की जानकारी सामने आई है। प्रकरण की जांच एएसआई हिम्मतसिंह कर रहे है।

आईआईटी-एनआईटी में इस वर्ष भी कंप्यूटर साइंस का क्रेज

कोटा, (निसं)। देश के आईआईटी-एनआईटी एवं ट्रिपलआईटी की जोसा काउंसलिंग संपन्न होने के पश्चात अब स्टूडेंट्स अपने आवंटित कॉलेजों में प्रवेश के लिए फाइनल एडमिशन प्रक्रिया पूर्ण करते दिखाई दे रहे हैं । जोसा काउंसलिंग के छठे राउण्ड में विद्यार्थियों को आवंटित आईआईटी, एनआईटी में फाइनल प्रवेश के लिए अलग-अलग तरीके से ऑनलाइन रिपोर्टिंग करनी होगी।

एलन कॅरियर इंस्टीट्यूट के कॅरियर काउंसलिंग एक्सपर्ट अमित आहूजा ने बताया की देश की 23 आईआईटी की कुल 15477 सीटों के लिए इस वर्ष भी जोसा द्वारा ज्वाइंट काउंसलिंग करवाई गई। काउंसलिंग के छेहो राउण्ड समाप्त होने के बाद जारी आंकड़ों के अनुसार इस वर्ष भी विद्यार्थियों में कम्प्यूटर साइंस ब्रांच का क्रेज बरकरार रहा। टॉपर्स की पहली च्वाइस के रूप में शीर्ष आईआईटी की कम्प्यूटर साइंस ब्रांच ही रही। इस वर्ष टॉप 9 आईआईटी ने कम्प्यूटर साइंस ब्रांच की ओपन से जेंडर न्यूट्रल पूल से क्लोजिंग एआईआर 897 रही, जिसमें सबसे ज्यादा पसंद की जाने वाली ब्रांच आईआईटी मुम्बई कम्प्यूटर साइंस रही। इसकी सभी सीटें अखिल भारतीय स्तर पर ओपन से टॉप 61 रैंक तक रहने वाले विद्यार्थियों द्वारा प्रवेश लेकर भर दी गई। वहीं दूसरे नम्बर पर आईआईटी दिल्ली रही, जिसमें टॉप 102 रैंक तक आने वाले विद्यार्थियों ने प्रवेश लिया। तीसरे नम्बर पर आईआईटी मद्रास में टॉप 175, आईआईटी कानपुर में 237, आईआईटी खड़गपुर में 303 तथा आईआईटी रूड़की में 413, आईआईटी गुवाहाटी में 589, आईआईटी हैदराबाद में 608 एवं आईआईटी बीएचयू वाराणसी में सीएस ब्रांच में टॉप 897 रैंक तक के विद्यार्थियों ने प्रवेश लिया। इसके अलावा सभी 23 आईआईटी में कम्प्यूटर साइंस ब्रांच में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों की स्थिति देखें तो इस ब्रांच में ओपन से जेंडर न्यूट्रल पूल से 5172 रैंक पर आईआईटी में अंतिम प्रवेश मिल सका। यह प्रवेश आईआईटी भिलाई में लिया गया। साथ ही ओपन से ही फीमेल पूल कोटे में 8990 रैंक पर आईआईटी भिलाई में कम्प्यूटर साइंस ब्रांचका वणटन हुआ।

क्यों चुनते हैं सीएसः- ए लन कॅरियर इंस्टीट्यूट के कॅरियर काउंसलिंग एक्सपर्ट अमित आहूजा ने बताया की विद्यार्थियों द्वारा कम्प्यूटर साइंस ब्रांच का चयन करने का प्रमुख कारण सीएस के बढ़ ते स्कोप के साथ-साथ बड़े पैकेज पर अच्छी कंपनियों में नौकरियों का मिल जाना है। साथ ही इस ब्रांच द्वारा विद्यार्थी भविष्य में आगे की पढ़ ाई के लिए भी देश-विदेश में अच्छे विकल्पों को चुन लेते हैं। विदेशी श्रेष्ठ संस्थानों द्वारा भी सीएस के विद्यार्थियों को चयन में प्राथमिकता मिल जाती है। विद्यार्थी कम्पयूटर साइंस ब्रांच के साथ वेब डवलपर, सॉफ्टवेयर टेस्टिंग, डाटाबेस एनालिस्ट, बिजनस एनालिस्ट, सिस्टम डिजाइनर एवं नेटवर्किंग इंजीनियर आदि क्षेत्रों में अपना कॅरियर बना रहे हैं।

ट्रक चालकों ने करीब चार घंटे तक एनएच 58 जाम किया

सुजानगढ़, (निसं)। सुजानगढ़ डीटीओ पर ट्रक चालकों द्वारा विगत काफी समय से लगातार कथित दुर्व्यवहार एवं तंग परेशान करने के आरोप लगाए जा जाते रहे हैं। इसी प्रकार के कथित दुर्व्यवहार एवं तंग परेशान के आरोपों के बाद ट्रक चालकों ने राष्ट्रीय राजमार्ग 58 पर ट्रकों को खडा कर जाम लगा दिया तथा जिला परिवहन अधिकारी से मौके पर आकर माफी मांगने एवं दस्तावेज लौटाने की मांग की।

जानकारी मिलने पर कोतवाली थानाप्रभारी ने मौके पर पंहूच कर ट्रक चालकों से वार्ता की तथा उनसे समझाईश कर जाम खोलने के लिए कहा और रिपोर्ट देने पर पुलिस द्वारा कार्यवाही करने का आश्वासन दिया गया। थानाधिकारी जगदीशसिंह ने कहा कि आप लोग जाम हटाइये और पुलिस को अगर रिपोर्ट देंगे, तो हम लोग जरूर कार्यवाही करेंगे, अगर डीटीओ की ओर से रिपोर्ट आई, तो उस पर भी कार्यवाही करेंगे। जिस पर महावीर विश्नोई ने ट्रक को साईड में खडा करके जाम खोल दिया। करीब 4 घंटे के जाम से सड़क के दोनों और कई किमी तक वाहनों की लंबी कतारें लग गई और जाम खुलने में भी आधा घंटा लग गया। उसके बाद पुलिस केलों से लदे महावीर विश्नोई के ट्रक को अपने साथ थाने ले गई। थानाधिकारी ने बताया कि जो पक्ष रिपोर्ट देगा, उस पर कार्यवाही की जायेगी। पुलिस ने हाइवे जाम पर ट्रक चालक महावीर पुत्र ओमप्रकाश विश्नोई निवासी संगरिया, जिला हनुमानगढ के खिलाफ एनएच जाम करने के आरोप का मामला दर्ज किया है।

कोटा, सवाई माधोपुर एवं रामगंज मंडी होकर स्पेशल ट्रेन चलेगी

कोटा, (निसं)। रेल प्रशासन द्वारा त्यौहारी सीजन में अतिरिक्त यात्री भीड़ को क्लीयर करने के उद्देश्य से कोटा, सवाई माधोपुर एवं रामगंजमंडी होकर गाड़ी सं 04805/ 04806 भगत की कोठी-बांद्रा टर्मिनल-भगत की कोठी के मध्य स्पेशल ट्रेन को चलाने का निर्णय लिया गया हैं। जिससे यात्रियों को त्यौहार के इस सीजन में अग्रिम आरक्षण का लाभ एवं भीड़ से राहत मिल सके।

गाड़ी संख्या 04805/04806 भगत की कोठी-बांद्रा टर्मिनल-भगत की कोठी के मध्य स्पेशल ट्रेन दोनों दिशाओ में साप्ताहिक रूप में 21 अक्टूबर 29 अक्टूबर के मध्य 02-02 ट्रिप चलेगी जो कोटा मण्डल के कोटा, सवाई माधोपुर एवं रामगंज मंडी स्टेशनों पर हाल्ट लेकर गन्तव्य को जाएगी। इस गाड़ी में कुल 20 कोच होंगे। गाड़ी संख्या 04805 भगत की कोठी-बांद्रा टर्मिनल प्रत्येक शुक्रवार को अपने प्रारम्भिक स्टेशन सुबह 09.15 बजे प्रस्थान कर सवाई माधोपुर में आगमन शाम 05.45 बजे, कोटा में आगमन शाम 07.15 बजे तथा रामगंज मंडी में आगमन शाम 08.18 बजे होगा इसी प्रकार वापसी में गाड़ी संख्या 04806 बांद्रा टर्मिनल से भगत की कोठी प्रत्येक शनिवार अपने प्रारम्भिक स्टेशन से दोपहर 02.50 बजे प्रस्थान कर रामगंज मंडी में आगमन रविवार सुबह 03.53 बजे, कोटा में आगमन सुबह 05.00 बजे तथा सवाई माधोपुर में आगमन सुबह 06.50 बजे होगा। गाड़ी सं 04805/04806 भगत की कोठी-बांद्रा टर्मिनल-भगत की कोठी के मध्य दोनों दिशाओं में जोधपुर, गोतन, मेतरा रोड़, देगना, मकराना, कुंचामन सिटी, फुलेरा, जयपुर, दुर्गापुरा, सवाई माधोपुर, कोटा, रामगंजमंडी, नागदा, रतलाम, गोधरा, वड़ोदरा, सूरत, बोरीवली रुकेगी। इस संबंध में वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक/ जनसम्पर्क अधिकारी-कोटा द्वारा बताया कि यात्रियों की सुविधाओं को ध्यान में त्यौहार सीजन में स्पेशल ट्रेनों को चलाया जा रहा हैं। इस संबंध में सर्व संबधित स्टेशनों और कर्मचारियों को निर्देशित किया गया है। यात्रियों से अनुरोध है कि ट्रेन की उचित स्थिति की जानकारी स्टेशन, आईआरसीटीसी, पूछताछ नं 139 एवं ऑनलाइन प्राप्त कर यात्रा करें।

पट्टे पाकर लोगों के चेहरे खिले

कोटा, (निसं)। नगरीय विकास एवं स्वायत्त शासन मंत्री शांति धारीवाल के निर्देशन में कोटा में राज्य सरकार के अभूतपूर्व अभियान प्रशासन शहरों के संग के तहत शहरवासियों के अपने भूखंड व आवास का स्वामित्व प्राप्त करने सपना लगातार साकार हो रहा है।

नदी पार क्षेत्र की पंचवटी कॉलोनी एवं सुभाष नगर कॉलोनी के वासियों का 20 साल का इंतजार खत्म हुआ और उनको अपने भूखंड और आवास का मालिकाना हक मिला।

नगर विकास न्यास कोटा की ओर से अभियान के तहत द्वितीय चरण में संत तुकाराम समुदायिक भवन कुन्हाड़ी में आयोजित हुए शिविर का समापन बुधवार को हुआ। कांग्रेस नेता अमित धारीवाल ने आवेदकों पट्टे सौपे।

विदेश राज्य मंत्री राजकुमार रंजन ने पेंटिंग्स प्रदर्शनी का लोकार्पण किया

- आसियान देशों से आए कलाकारों ने कैनवास पर उकेरे आकर्षक चित्र

उदयपुर, (कासं)। विदेश राज्य मंत्री राजकुमार रंजन सिंह ने उदयपुर के कोडियात स्थित ताज रिजोर्ट पहुँच कर आसियान देशों एवं भारत के कलाकारों द्वारा 'ओशियन ऑफ कनेक्टिविटी' की थीम पर बनाई पेंटिंग्स का लोकार्पण कर अवलोकन किया।

इस दौरान उन्होंने प्रत्येक आर्टिस्ट से बात कर चित्र की विस्तृत जानकारी ली एवं उन्हें प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम के सह आयोजक सेहर इंडिया के संस्थापक संजीव भार्गव ने बताया कि इन पेंटिंग्स को नवम्बर माह में कम्बोडिया में आयोजित होने वाले आसियान समिट में प्रदर्शित किया जाएगा। विदेश राज्य मंत्री राजकुमार रंजन सिंह ने प्रदर्शनी का अवलोकन करने के बाद कलाकारों एवं अन्य डेलिगेट्स को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि भारत और आसियान देशों के सम्बन्ध आपस में बहुत गहरे हैं। आसियान-भारत का ऐतिहासिक रूप से जुडाव रहा है। उन्होंने कहा कि इस वर्ष को 'भारत-आसियान मैत्री वर्ष' के रूप में मनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आसियान देशों से आए कलाकारों ने यहां जो चित्र उकेरे हैं वे बहुत अद्भुत हैं एवं इससे आसियान-भारत का सांस्कृतिक मेल जोल और बढेगा।

उन्होंने भारत की एक्ट ईस्ट पालिसी का जिक्र किया एवं भारत के लिए आसियान को महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने दक्षिण पूर्व एशिया के साथ सम्बन्धों को प्रगाढ करने में सरकार द्वारा उठाए विभिन्न कदमों की जानकारी दी एवं थ्री-सी के सिद्धांत कल्चर, कॉमर्स और कनेक्टिविटी कर जोर देकर इसे महत्वपूर्ण बताया। वर्ष 2022 को 'भारत-आसियान मैत्री वर्ष' के रूप में घोषित किया गया है।

उदयपुर में 'ओशियन ऑफ कनेक्टिविटी' की थीम पर बनाई पेंटिंग्स का लोकार्पण कर अवलोकन करते विदेश राज्यमंत्री राजकुमार रंजन सिंह।

मार्केट में दिख रहा है स्वदेशी वस्तुओं की खरीददारी का बूम

मिट्टी से बने दियों की बढ़ रही है डिमांड

- कुंभकार बोले, पीएम मोदी की अपील का असर

झुंझुनूं, (निसं)। मार्केट में इस बार स्वदेशी वस्तुओं की खरीददारी का बूम है। हर कोई स्वदेशी वस्तुएं खरीदने में व्यस्त है। प्रधानमंत्री मोदी की अपील का असर अब माटी के दीपक बनाने वाले कुम्भकारों पर भी दिखने लगा है। इस बार फिर से लोगों की नजर कुम्भकारों पर है और माटी के दीयों की डिमांड बढ़ गई है। घूमते हुए चाक की स्पीड इस बार तेज है। चाक पर चिकनी मिट्टी कुम्भकार के हाथों के कमाल से अलग-अलग रूप में ढल रही है।

दीपोत्सव का त्यौहार है तो बेशक माटी दीयों का आकार ले रही है। लेकिन इस बार की ये दिवाली कुम्भकारों के लिए कई वर्षों बाद कमाई वाली आई है। लोगों की खूब डिमांड इस बार आ रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोगों से स्वदेशी वस्तुओं की खरीददारी की अपील की थी। उसका असर ये रहा कि लोग अरसे बाद फिर माटी से जुड़े हैं और माटी के दीयों की इस बार जमकर खरीददारी कर रहे हैं।

कुम्भकारों की माने तो काफी वर्षों के बाद इस बार ऐसा मौका आया है कि हमें अतिरिक्त सामान तैयार करना पड रहा है। बात करें बाजार में माटी से बनी वस्तुओं की खरीददारी की तो बाजार में इस बार माटी के दीयों के साथ ही छोटे से लेकर बड़े कलश की भी डिमांड है। वहीं अलग-अलग डिजाइन के माटी के दीयों ने भी लोगों को लुभाया है।

झुंझुनूं में मिट्टी के दीये बनाता कुंभकार परिवार।

पुलिस के सामने युवक की धुनाई

झुंझुनूं, (निसं)। झुंझुनूं के रोडवेज बस स्टैंड पर बीती रात को एक युवक को कुछ युवकों ने जमकर पीटा। मौके पर पहुंची पुलिस भी केवल मूक दर्शक बनी रही। खास बात यह है कि वीडियो में पुलिस दिख रही है। लेकिन इस मामले की पुष्टि ना तो कोतवाली पुलिस कर रही है। ना ही बस स्टैंड चौकी पुलिस को घटना की जानकारी है। वहीं गश्त कर रही चेतक भी मामले को लेकर अनभिज्ञता जता रही है।

सूत्रों की मानें तो कल एक युवती तारानगर से चूरू जा रही थी। लेकिन गलती से वह झुंझुनूं आ गई। बस स्टैंड पर एक युवक को युवती ने बताया कि वह गलती से झुंझुनूं आ गई। जिस पर इस युवक ने युवती के परिजनों को फोन करके सारी बात बताई। इसके बाद तारानगर से युवती के परिजन, जिसमें कुछ युवक और एक महिला शामिल थी। उन्होंने आते ही इस युवक की धुनाई शुरू कर दी। मौके पर मौजूद लोग बस स्टैंड चौकी पहुंचे। लेकिन वहां पर ताला लगा हुआ था। इसी दरमियान मौके पर शहर में गश्त कर रही चेतक गाड़ी आई। पुलिसकर्मियों ने भी इस युवक को आरोपियों को छुड़ाने की बजाय तमाशा देखते रहे। पुलिस के साथ भी आरोपियों ने युवक के साथ मारपीट जारी रखी।

बाघ शिफ्टिंग के सम्बन्ध में विधायक अबरार गाइडों के साथ रणनीति बनाएंगे आज

बाघ शिफ्टिंग की जानकारी छिपाने पर विधायक ने सीसीएफ को निलंबित करने की मांग की

सवाईमाधोपुर, (निस)। रणथंभौर से बाघ टी -113 को सरिस्का शिफ्टिंग किए जाने की जानकारी छुपाए जाने से सवाईमाधोपुर विधायक दानिश अबरार रणथंभौर के सीसीएफ (वन्य जीव सहायक संरक्षक) सेडुराम यादव से खासे नाराज हैं।

विधायक की नाराजगी इस कदर है कि उन्होंने मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर सीसीएफ यादव को निलंबित किए जाने की मांग की है। साथ ही कार्रवाई नहीं होने पर सड़क पर उतरने की चेतावनी भी दी है। विधायक की शिकायत के बाद रणथंभौर से कोटा के मुकुंदरा टाइगर रिजर्व में की जाने वाली बाघ टी-110 की शिफ्टिंग फिलहाल अटक गई है। वहीं विधायक ने गाइड, जिप्सी-केंटर चालकों, करंट बुकिंग से जुड़े लोगों के साथ मुख्यमंत्री से मुलाकात की तथा समस्या से अवगत कराया। साथ ही 20 अक्टूबर को प्रात: 11.30 बजे सीसीएफ कार्यालय में चर्चा व समस्याओं की सुनवाई के लिए पहुंचने का आव्हान भी गाइड, जिप्सी-केंटर चालकों, करंट बुकिंग से जुड़े लोगों से किया है।

सवाईमाधोपुर विधायक दानिश अबरार ने रणथंभौर के सीसीएफ यादव को निलंबित किए जाने को लेकर मुख्यमंत्री को लिखे पत्र में बताया कि 15 अक्टूबर को क्षेत्र के लोगों ने रणथंभौर के बाघ टी-110 व टी-113 को मुकंदरा हिल्स टाइगर रिजर्व व सरिस्का में शिफ्ट करने के लिए ट्रेंकुलाइज किए जाने की जानकारी दी तथा बाघ भेजे जाने का विरोध किया। इस पर विधायक ने सीसीएफ सेडुराम यादव से इस बारे में बात की।

उन्होंने सूचना झूठी होने की बात कहते हुए रणथंभौर से कोई भी बाघ शिफ्ट नहीं किए जाने की जानकारी विधायक को दी लेकिन जब विधायक ने मुख्य वन्यजीव प्रतिपालक अरिंदम तोमर से बात की तो उन्होंने उक्त दोनों बाघों को शिफ्ट करने का ऑपरेशन गत 14 दिन से रणथंभौर में चलने की जानकारी दी। मुख्य वन्यजीव प्रतिपालक तोमर ने बाघ शिफ्टिंग किए जाने की जानकारी देने तथा सीसीएफ द्वारा सच्चाई छिपाने से विधायक खासे नाराज हो गए। विधायक ने इसे क्षेत्र की जनता के सामने झूठा साबित किए जाने का रणथंभौर के अधिकारियों का प्रयास करार दिया। विधायक ने सीएम को लिखे पत्र में दुखः जताते हुए अवगत कराया कि मुख्यमंत्री के सलाहकार एवं क्षेत्रीय विधायक होने के बावजूद रणथंभौर के अधिकारियों द्वारा बाघ शिफ्टिंग की जानकारी बताना भी उचित नहीं समझा तथा पूछने पर भी सही जानकारी नहीं दी व सरासर झूठ बोला। रणथंभौर के अधिकारियों द्वारा षड़यंत्रपूर्वक मुख्यमंत्री सलाहकार व क्षेत्रीय विधायक (जनप्रतिनिधि) को जनता के समक्ष झूठा साबित करने का प्रयास किया।

विधायक ने मुख्यमंत्री को लिखे पत्र में रणथंभौर के सीसीएफ को निलंबित किए जाने की मांग करते हुए अवगत कराया कि विधायक को जनता के समक्ष झूठा साबित करने व आमजन के बीच सीएम के नेतृत्व की सरकार की छवि को षड़यंत्रपूर्वक झूठा साबित करने का सीसीएफ सेडुराम ने प्रयास किया है। ऐसे में सीसीएफ यादव को तुरंत प्रभाव से निलंबित किया जाए। सरकार व विधानसभा में क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाले जनप्रतिनिधि की छवि धूमिल होने से बचाने के लिए हमें ऐसे झूठे अधिकारियों के विरोध में सड़कों पर उतरना पड़ेगा।

पाली में मिलावटी घी बनाने की फैक्ट्री पकड़ी

बाप-बेटे सरस और अमूल का टैग लगाकर बेच रहे थे, दोनों गिरफ्तार

पाली, (नि.सं.)। पाली के केशव नगर क्षेत्र स्थित फैक्ट्री जहां मिलावटी घी बनाने का कारखाना पकड़ा गया।

मिलावटी घी बनाकर डिब्बों पर सरस और अमूल का ब्रांड लगाने वाली फैक्ट्री का पर्दाफाश हुआ है। फैक्ट्री चलाने वाले बाप-बेटे को गिरफ्तार किया गया है। दोनों ने शिवगंज-सुमेरपुर में मिलावटी घी बनाना सीखा था। पुलिस ने मौके से मिलावटी घी से भरे 15 लीटर और 5 लीटर के 177 टीन जब्त किए हैं। इसके साथ ही सैकड़ों खाली टीन, सरस और अमूल ब्रांड के स्टीकर व अन्य सामग्री जब्त की। फेस्टिव सीजन में दोनो नकली घी बेचकर अच्छा मुनाफा कमा रहे थे। पाली एसपी डॉ. गगनदीप सिंगला ने बताया कि पाली के नया बस स्टैंड के पीछे केशव नगर में मिलावटी बनाने की फैक्ट्री संचालित होने की मुखबिर से सूचना मिली। इस पर टीम प्रभारी मनमंथ आढ़ा के नेतृत्व में टीम ने बुधवार को फैक्ट्री में दबिश दी।

बाद में सीओ सिटी अनिल सारण, कोतवाल सुरेश चौधरी मयजाप्ता मौके पर पहुंचे। टीम ने यहां से सरस, अमूल जैसे प्रतिष्ठित घी के ब्रांड के 15 लीटर के 81 टीन और 5 लीटर के 96 मिलावटी घी से भरे कुल 177 टीन जब्त किए हैं। मामले में पुलिस ने रानी के सालरिया गांव निवासी पर्वत सिंह पुत्र भंवर सिंह और उनके बेटे लोकेंद्र सिंह पुत्र पर्वत सिंह को गिरफ्तार किया है।

दासनू रोही नोखा में नकली डीएपी बनाने की फैक्ट्री पकड़ी

नोखा, (कासं)। दासनू रोही नोखा में नकली डीएपी के 439 कट्टों के साथ जखीरा पकड़ा । जिला कलेक्टर भगवती प्रसाद, उपखंड अधिकारी नोखा स्वाति गुप्ता के निर्देशानुसार उपनिदेशक कृषि कैलाश चौधरी और सहायक निदेशक कृषि अमर सिंह गिल के नेतृत्व में कृषि अधिकारी सुभाष चन्द्र ने नकली डीएपी बनाने का जखीरा पकड़ा।

कृषि अधिकारी मुकेश गहलोत, सहायक कृषि अधिकारी राकेश और

- **उत्तम डीएपी और इफको डीएपी ब्रांड के मौके से हजार थैले खाली भी बरामद हुए**

कृषि पर्यवेक्षक प्रियंका टीम में शामिल रहे। इस अवसर पर तहसीलदार नरेन्द्र बापेड़िया, नायब तहसीलदार नृसिंह टाक, थानाधिकारी ईश्वरप्रसाद जांगिड़ भी मौके पर उपस्थित थे।

एक डीएपी बनाने का कारखाना महावीर पुत्र बंशीलाल जाति विश्नोई निवासी काकडा नोखा द्वारा संचालित किया जा रहा था। मौके पर 439 नकली डीएपी बनाने के कट्टे टीम द्वारा सीज किए गए हैं। इसके अतिरिक्त हजार थैले मौके से खाली भी बरामद हुए हैं जो कि उत्तम डीएपी और इफको डीएपी ब्रांड के हैं जिनमें नकली डीएपी भरा जा रहा था। नकली डीएपी खाद मिनरल ग्रेन्युल्स के नाम से हापुड़ यूपी से आया बताया गया है।

पांच हजार का इनामी बदमाश पकड़ा

जोधपुर, (कासं)। कमिश्नरेट की डांगियावास पुलिस ने बुधवार को भीलवाड़ा पुलिस में पांच हजार के इनामी बदमाश को जोधपुर में जालेली फौजदार गांव में उसके मित्र के घर से पकड़ा है। आरोपी डांगियवास थाने में लूट प्रकरण में वांटेड होने के साथ ही बनाड़ थाने का हिस्ट्रीशीटर है। पुलिस ने उसके सहयोगी को भी गिरफ्तार किया है। दोनों से अब पूछताछ चल रही है। पुलिस ने मौका स्थल से कार को भी जब्त किया है। डीसीपी पूर्व डॉ. अमृता दुहन ने बताया कि बुधवार को डांगियवास थानाधिकारी कन्हैयालाल की टीम ने जाजीवाल विश्नोईयान निवासी हनुमान पुत्र चुतराराम विश्नोई एवं उसके सहयोगी जालेली फौजदार निवासी श्रवण पुत्र भंवरलाल विश्नोई को गिरफ्तार किया है। थानाधिकारी कन्हैयालाल ने बताया कि आरोपी हनुमान विश्नोई पर भीलवाड़ा पुलिस ने मादक पदार्थ तस्करी में उसकी गिरफ्तारी पर पांच हजार का इनाम भी घोषित कर रखा था।

इनामी अपराधी हनुमान विश्नोई के खिलाफ प्रदेश में मोडक कोटा ग्रामीण, रोहट पाली, कोतवाली नागौर, खेहनगोरिया जयपुर पूर्व, विजय नगर अजमेर, रायला भीलवाड़ा , गुलाबपुरा, निकुंभ चितौडगढ़ में वांछित चला आ रहा है। डांगियावास, उदयपुर के गोगूंदा में स्थाई वारंटी होने के साथ बनाड में वारंट में वांछित है। आरोपी हनुमान विश्नोई के खिलाफ अब तक 13 प्रकरण विभिन्न थानों एवं धाराओं में दर्ज हो रखे हैं। ज्यादातर में ट्रायल केसेज है। आरोपी श्रवण विश्नोई के खिलाफ एक प्रकरण बिलाड़ा में दर्ज हो रखा है।

राजस्थान आवासन मण्डल, खण्ड-भिवाडी

आवश्यक सूचना मूलतः मकान संख्या 5/152 अरावली विहार, राजस्थान हाउसिंग बोर्ड, भिवाडी श्री ज्ञान प्रकाश पिलानिया को आवंटन पत्रांक 1840 दिनांक 10.09.2010 के द्वारा आवंटित किया गया था। मण्डल द्वारा इनके पक्ष में अदेय प्रमाण पत्र क्रमांक 4662 दिनांक 25.01.2011 को जारी किया जा चुका है। इनके द्वारा उक्त आवास की रजिस्ट्री स्वयं के पक्ष में दिनांक 01.02.2011 को उप पंजियक भिवाडी में पंजिकृत करवाई जा चुकी है। इनके द्वारा दिनांक 19.05.2022 के पंजीकृत मुख्यतारनामा द्वारा श्री नवीन पिलानिया पुत्र श्री ज्ञान प्रकाश पिलानिया को मुख्यतारआम धारक नियुक्त किया गया। श्री नवीन पिलानियां द्वारा मुख्यतारआम धारक की हैसियत से उक्त आवास का विक्रय दिनांक 30.09.2022 के पंजीकृत विक्रय पत्र द्वारा श्रीमती शकुन्तला देवी पत्नी श्री मनोज कुमार को किया गया है। श्रीमती शकुन्तला देवी द्वारा स्वयं के नाम से आवास का लीज डीड परिवर्तन करने के लिए प्रपत्र एवं प्रशासनिक शुल्क उच्च आय वर्ग एक बार विक्रय का राशि रूपये 1000.00 जमा कराकर चालान व आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत कर निवेदन किया गया है कि उक्त मकान का लीज स्थानान्तरण उनके पक्ष में किया जावें। अतः जरिये इस विज्ञप्ति यह आगाह किया जाता है कि उक्त मकान संख्या 5/152 अरावली विहार राजस्थान हाउसिंग बोर्ड, भिवाडी के संबंध में किसी प्रकार का किसी भी व्यक्ति विशेष या हितकारी को एवं आम व्यक्ति को उजर एतराज हो तो वह इस विज्ञप्ति के प्रकाशित होने के 10 दिवस में आवासीय अभियन्ता, राजस्थान आवासन मण्डल खण्ड भिवाडी में अपना एतराज लिखित में प्रस्तुत करें अन्यथा श्रीमती शकुन्तला देवी पत्नी श्री मनोज कुमार के पक्ष में मकान संख्या 5/152 अरावली विहार राजस्थान हाउसिंग बोर्ड, भिवाडी जिला अलवर के लीज स्थानान्तरण की कार्यवाही की जावेगी। आवासीय अभियन्ता

राजस्थान आवासन मण्डल, खण्ड-भिवाडी

राजस्थान आवासन मण्डल, वृत-तृतीय,
जे.एल.एन. मार्ग, जवाहर सर्किल के पास, जयपुर-0141-4901853
आम जाहिर सूचना

राजस्थान आवासन मण्डल, जयपुर द्वारा आवास/फ्लेट संख्या-**2/131** (जी.एफ.) जवाहर नगर, जयपुर क्षेत्रफल **103.527** वर्ग मीटर का आवंटन श्री बेनी प्रसाद शर्मा पुत्र श्री शंकर लाल जी शर्मा को किया गया था। जिसका आवंटन पत्र क्रमांक 10490 दिनांक 09.12.1980 जारी किया था। उनके द्वारा उक्त आवास के पंजीयन प्रपत्रों का निष्पादन कार्यालय उप पंजीयक, जयपुर प्रथम में दिनांक 30.08.1991 को करवाया गया। तत्पश्चात श्री बेनी प्रसाद शर्मा पुत्र श्री शंकर लाल जी के द्वारा उक्त आवास/फ्लेट का बेचान श्रीमती सुनीता केसवानी पत्नी श्री रामचन्द केसवानी व श्री रामचन्द केसवानी पुत्र श्री ज्ञान चन्द केसवानी को कर, विक्रय पत्र का निष्पादन कार्यालय उप पंजीयक, जयपुर प्रथम में दिनांक 01.05.1993 को करवाया गया। तत्पश्चात श्रीमती सुनीता केसवानी पत्नी श्री रामचन्द केसवानी व श्री रामचन्द केसवानी पुत्री श्री ज्ञान चन्द केसवानी के द्वारा उक्त आवास/फ्लेट का बेचान जरीये इकरारनामा श्री सुरेश वासवानी पुत्र स्व. श्री नथूमल जी वासवानी किया गया। यह इकरारनामा नोटरी पब्लिक के सत्यापित है। श्री सुरेश वासवानी पुत्र स्व. श्री श्री नथूमल जी वासवानी की मृत्यु दिनांक 25.12.2000 को हो जाने के कारण श्रीमती जया वासवानी पत्नी स्व. श्री सुरेश वासवानी के द्वारा आवेदन पत्र के साथ क्षतिपूर्ति बन्धक पत्र, शपथ पत्र, विक्रय पत्र, हकत्याग एवं मृत्यु प्रमाण पत्र प्रस्तुत कर उक्त आवास का प्रतिस्थापन अपने नाम से करने का निवेदन किया गया है। अतः उक्त आवास के प्रतिस्थापन के संबंध में किसी भी व्यक्ति/ बैंक/ संस्था को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन के 07 दिवस में अधोहस्ताक्षर कर्ता के कार्यालय में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर साक्ष्य सहित अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर देवें, अन्यथा उक्त अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होने पर उक्त आवेदनकर्ता- **श्रीमती जया वासवानी पत्नी स्व. श्री सुरेश वासवानी के पक्ष में** उक्त आवास के प्रतिस्थापन की कार्यवाही कर दी जावेगी।

सम्पदा प्रबंधक- वृत तृतीय, रा.आ.मण्डल, जयपुर

कार्यालय नगर निगम ग्रेटर, जयपुर
(पं. दीनदयाल उपाध्याय भवन, लालकोठी, टोंक रोड, जयपुर-15)
क्रमांक-एफ-13()उपा.आयो.-द्वितीय/ननिज/2022/300 दिनांक- 02.09.2022

सार्वजनिक सूचना मूल भूखण्ड सं. 130, श्री राम नगर बी, झोटवाडा (संयुक्त गृह निर्माण सहकारी समिति लिमिटेड) जयपुर का जयपुर विकास प्राधिकरण जयपुर द्वारा श्रीमती बिदामी देवी पत्नी श्री हनुमान सहाय कुमावत के नाम से क्षेत्रफल 236.59 वर्गगज भूमि का पट्टा विलेख जारी किया गया है। प्रकरण में आवेदक द्वारा प्रार्थना पत्र, शपथ पत्र (अण्डरटेकिंग), पंजीकृत पट्टा मय साइट प्लान की फोटोप्रति, रजि. विक्रय पत्र की फोटोप्रति, रजि. उपहार पत्र की फोटोप्रति एवं अन्य दस्तावेजों की छायाप्रति के आधार पर उक्त भूखण्ड का उपविभाजन/नाम हस्तान्तरण किया जाना है। नगर निगम ग्रेटर जयपुर द्वारा श्रीमती प्रभा सिंह पत्नी श्री धर्मेन्द्र सिंह के पक्ष में उक्त भूखण्ड का कुल क्षेत्रफल 236.59 वर्गगज में से पूर्वी हिस्सा का क्षेत्रफल 113.28 वर्गगज उपविभाजन/नाम हस्तान्तरण किया जाना है। इस उपविभाजन/नाम हस्तान्तरण बाबत किसी भी व्यक्ति संस्था, फर्म, कम्पनी को किसी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो 07 दिवस में अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय (उपायुक्त, आयोजना द्वितीय) में प्रस्तुत करें, अन्यथा निर्धारित समयावधि की समाप्ति के बाद, नियमानुसार उपविभाजन/नाम हस्तान्तरण की कार्यवाही सम्पादित कर ली जावेगी।

उपायुक्त (आयोजना द्वितीय)
नगर निगम ग्रेटर, जयपुर

दूध फैक्ट्री पर जयपुर क्राइम ब्रांच व खाद्य विभाग की कार्यवाही

फैक्ट्री में बनाए जा रहे दूध के उत्पादों से नमूने लिए

महुवा, (निसं)। कस्बे के भरतपुर रोड स्थित टिकरी मोड़ के समीप संचालित दाऊजी मिल्क फूड प्राइवेट लिमिटेड फैक्ट्री पर शुद्ध के लिए युद्ध अभियान के तहत जयपुर क्राइम ब्रांच व खाद्य विभाग की टीम ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए बड़ी मात्रा में घी , मिल्क पाउडर को जप्त कर नमूने उठाए हैं।

फैक्ट्री में बनाए जाने वाले प्रोडक्ट के पूर्व में भी नमूने लिए गए थे। जिनमें से दो सैंपल फेल हुए थे। जिसे लेकर क्राइम ब्रांच की टीम ने कार्रवाई की गई है। क्राइम ब्रांच निरीक्षक राम सिंह नाथावत ने बताया कि दाऊजी मिल्क फैक्ट्री की शिकायत मिली थी कि फैक्ट्री में बनाए जा रहे मिल्क प्रोडक्ट में गुणवत्ता का ध्यान नहीं दिया जा रहा था। जिससे आम लोगों के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है। जिस पर दौसा फूड इंस्पेक्टर मदन लाल गुर्जर की टीम के साथ मौके पर पहुंचकर बड़ी मात्रा में घी व मिल्क पाउडर जप्त कर सील किया गया है। जबकि फैक्ट्री में बनाए जाने वाले बटर को कोल्ड स्टोरेज में रखवाकर उसे नहीं बेचे जाने की हिदायत दी गई है। तथा सैंपल लिए गए हैं। दौसा फूड इंस्पेक्टर मदन लाल गुर्जर ने बताया कि जयपुर क्राइम ब्रांच की टीम के साथ मौके पर पहुंचकर कार्रवाई की गई है। इस दौरान फैक्ट्री में बनाए जा रहे दूध के उत्पादों से नमूने लिए गए हैं। तथा फैक्ट्री में बनाए जा रहे 2820 किलो राधा गोविंद घी, 2280 देशरतन घी तथा 1675 मिल्क पाउडर के कट्टे जप्त कर सील किए गए हैं। इस प्रकार कुल 6775 दुग्ध उत्पादक को जप्त किया गया है।

भरतपुर रोड पर टिकरी मोड़ के पास फैक्ट्री में कार्यवाही करती जयपुर क्राईम ब्रांच की टीम।

- **फैक्ट्री से 2820 किलो राधा गोविंद घी, 2280 देशरतन घी तथा 1675 मिल्क पाउडर के कट्टे जप्त कर सील किए**

नाम परिवर्तन

मैंने अपना नाम नगीन से बदलकर नगीन बानो रख लिया है भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना जावें प्लाट नं. 156, मोहल्ला भूतकोई तहसील खण्डेला जिला सीकर राजस्थान-332709

मैंने अपना नाम शोफिया से बदलकर शोफिया बानो रख लिया है भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना जावे प्लाट नं. 156 मोहल्ला भूतकोई तहसील खण्डेला जिला सीकर राजस्थान-332709

I have changed my name from Harish Chand Malik to Harish Malik S/o Jagannath Malik for all purpose. R/o D-510, Lane No. 6, Valmiki Marg, Rajapark, Jawahar Nagar, Jaipur.

रजि सं. 2077/L
श्यामपुरी गृह निर्माण सहकारी समिति लि. जयपुर
ऑफिस: रामनगर टोल टैक्स के पास, टोंक रोड, सांगानेर, जयपुर (राज)
क्रमांक SP/1 **आम सूचना** दिनांक 18.10.22

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि समिति की योजना विनायक नगर जामडौली,आगरा रोड, जयपुर में भूखण्ड संख्या 28-ए (एरिया 200 वर्गगज) आवंटन श्रीमती उर्मिला माहेश्वरी पत्नी श्री प्रेमनारायण को दिनांक 13.09.1990 को जारी किया गया था। समिति के संशोधित नक्शे के अनुसार भूखण्ड संख्या 28-ए का नया नम्बर 27-एरिया 160.00 वर्गगज का है। श्रीमती उर्मिला माहेश्वरी का स्वर्गवास दिनांक 24-12-2004 को हो गया है। एवं विनायक नगर के भूखण्ड संख्या 29 एरिया 266.66 वर्गगज का आवंटन डॉ. प्रेमनारायण माहेश्वरी पुत्र श्री रामस्वरूप माहेश्वरी को दिनांक 17.09.1990 को जारी किया गया था। समिति के संशोधित नक्शे के अनुसार भूखण्ड संख्या 26 एरिया 213.33 वर्गगज का है। डॉ. श्री प्रेमनारायण माहेश्वरी का स्वर्गवास दिनांक 07.02.2007 को हो गया है। उक्त दोनों भूखण्डों का संशोधित नम्बर 26, 27 के लिए इनके पुत्र डा. दीपक माहेश्वरी पुत्र स्व. डा. प्रेमनारायण माहेश्वरी निवासी 48/103, रजत पथ, मानसरोवर, जयपुर ने समिति कार्यालय में एक प्रार्थना पत्र (आवेदन) मय शपथ पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र व एक मात्र वारिस प्रमाण पत्र पार्षद द्वारा प्रमाणित समिति में उक्त भूखण्ड संख्या 26, 27 को अपने नाम हस्तान्तरण करवाने हेतु प्रस्तुत किया है। उक्त भूखण्डों को डा. दीपक माहेश्वरी के नाम हस्तान्तरण करने में किसी भी व्यक्ति, संस्था, बैंक इत्यादि को किसी भी प्रकार का कोई एतराज (आपत्ति) हो तो समिति कार्यालय में 10 दिवस में (मय दस्तावेज) सूचित/ एतराज प्रस्तुत करें अन्यथा दिन मियाद गुजर जाने के बाद उक्त भूखण्ड संख्या संशोधित 26, 27 विनायक नगर जामडौली जयपुर को डा. दीपक माहेश्वरी के नाम हस्तान्तरण कर दिया जावेगा। समय मियाद बाद किसी प्रकार का एतराज मान्य नहीं होगा एंव समिति उत्तरदायी नहीं होगी।

मन्त्री: श्यामपुरी गृह निर्माण सहकारी समिति लि. जयपुर, मोबाइल: 9829044540

नगर निगम ग्रेटर, जयपुर
क्र:एफ-13( )उपा.आयोजना/जननि/2022/459
संशोधित सार्वजनिक विज्ञप्ति दि.18.10.22

विषयः- राजस्थान नगर पालिका (भू-उपयोग परिवर्तन) नियम 2010 के नियम 4 (1) के अन्तर्गत आपत्तियां/ सुझाव आमंत्रित करने हेतु विज्ञप्ति।

नगर निगम,जयपुर में निम्न वर्णित भूखण्ड धारक ने कॉलम 4 में वर्णित मास्टर विकास योजना 2025(जयपुर रीजन) में निर्धारित भू-उपयोग का कॉलम-5 में वर्णित भू-उपयोग हेतु आवेदन किया है जिसका ब्यौरा निम्नानुसार है।

क्र.सं.	आवेदक का नाम भूखण्ड.सख्यां. योजना का नाम	भूखण्ड का क्षेत्रफल व उपयोग	मास्टर प्लान (2025) अनुसार भू- उपयोग	आवेदक द्वारा चाहा गया भू-उपयोग
1	2	3	4	5
1	अजुर ट्री प्रोपर्टी वेन्चर्स प्रा. लि. भू.स. ए-6, खसरा नम्बर 142, ग्राम-बस्सी, सीतारामपुरा जयपुर	35,380 व.ग. (औद्योगिक)	स्पेशल एरिया/ आर्मी एरिया/ सरकारी आरक्षित क्षेत्र	आवासीय

यदि किसी व्यक्ति/संस्था को उपरोक्त भू-उपयोग परिवर्तन के सम्बन्ध में कोई आपत्ति/ सुझाव हो तो इस सूचना के प्रकाशन की तिथि से 15 दिन की अवधि तक अपनी आपत्ति/ सुझाव कारणों सहित नगर निगम जयपुर के आयोजना शाखा में प्रस्तुत कर सकते है।।

महेन्द्र सोनी (IAS)आयुक्त, नगर निगम ग्रेटर, जयपुर

कार्यालय ग्राम पंचायत फतेहपुरा
पंचायत समिति गोविन्दगढ जिला-जयपुर
क्रामंक-ग्रा.प.फ/ई-निविदा/2022/74 दिनांक- 11.10.2022

ई-निविदा सूचना संख्या /2022-23

ग्राम पंचायत ढोढसर में वित्तीय वर्ष 2022-23 में पन्द्रहवां वित्त योजना अन्तर्गत स्वीकृत 01 कार्य संकर्म राजस्थान लोक उपापन पारदर्शिता अधिनियम 2012 नियम 2013 एवं राजस्थान पंचायती राज अधिनियम 1996 के नियम 181 (2) के अनुसार करवाने हेतु सक्षम श्रेणी में पंजीकृत प्रतिष्ठानों/संवेदकों से निर्धारित प्रपत्र में ऑफलाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है निविदा से सम्बन्धित विस्तृत विवरण sppp.rajasthan.gov.in से download की व देखी जा सकती है।

UBN NO.- PFA2223GSRC00425

सरपंच, ग्राम पंचायत फतेहपुरा — ग्राम विकास अधिकारी, ग्राम पंचायत फतेहपुरा

शारीरिक सबंध बनाने का मामला दर्ज

उदयपुर, (कासं)। शादी का झांसा देकर युवती के साथ शारीरिक संबंध बनाने वाले के खिलाफ पुलिस ने प्रकरण दर्ज किया। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार पीडिता ने आरोपी आरएमवी के पिछे कैलाश नगर निवासी कविश कोटाई पुत्र नारायणलाल के खिलाफ प्रकरण दर्ज करवाया कि शहर में निजी कॉलेज में पढ ने के दौरान वर्ष 2017 में आरोपी से संपर्क हुआ था। इस दौरान धीरे धीरे नजदीकिया बढ ने पर आरोपी ने शादी करने का प्रस्ताव रखा।

हैड कांस्टेबल रिश्वत लेते गिरफ्तार

ट्रक मालिक पर कार्रवाई रोकने के नाम पर मांगे पांच हजार रुपए

बीकानेर, (कासं) महाजन थाने के हैड कांस्टेबल को भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने रिश्वत लेने के मामले में रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया है। हैड कांस्टेबल महेश एक ट्रक चालक से ट्रक पर कार्रवाई नहीं करने की एवज में पांच हजार रुपए मांग रहा था। जैसे ही उसने रुपए लिए एसीबी ने उसे दबोच लिया। एसीबी अब उसके घर और बैंक खातों की छानबीन कर रही है।

एक मामले में ट्रक मालिक पर भारतीय दंड संहिता की धारा 102 के तहत कार्रवाई की गई थी। इस कार्रवाई से ट्रक चालक को बचाने के लिए पांच हजार रुपएकी रिश्वत मांगी गई। ट्रक मालिक ने इस बारे में एसीबी को शिकायत की। एसपी देवेंद्र बिश्नोई ने शिकायत मिलने के साथ ही त्वरित कार्रवाई करते हुए हेड कांस्टेबल को रंगे हाथों पकड़ने की योजना बना ली। एसीबी की योजना के मुताबिक ट्रक मालिक ने पांच हजार रुपए देकर इशारा किया। तब सीआई पिंकी गंगवाल और सीआई गुरमैल सिंह ने हेड कांस्टेबल को दबोच लिया। उसके कब्जे से पांच हजार रुपए बरामद किए गए।

हाथ धुलवाने पर महेश के हाथ से गुलाबी रंग निकला। इस पर पुलिस ने तुरंत उसके खिलाफ मामला बनाया। अब उसके घर और बैंक खातों की छानबीन की जा रही है। इस आशय की शिकायत पहले भी पुलिस अधीक्षक से की गई थी लेकिन कार्रवाई नहीं हुई। अब अचानक से एसीबी की कार्रवाई से पुलिस सकते में है।

10 हजार रुपए की रिश्वत लेते पटवारी गिरफ्तार

चौमूं/कालाडेरा, (निसं)। ए.सी.बी जयपुर नगर तृतीय इकाई द्वारा बुधवार को चौमूं में बड़ी कार्यवाही करते हुए पटवारी चन्द्रभान जाट पटवार हल्का मोरीजा ए जयपुर को परिवादी से 10 हजार रुपए की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है।

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के महानिदेशक बीएल सोनी ने बताया कि ए.सी.बी. की जयपुर नगर तृतीय इकाई को परिवादी द्वारा शिकायत दी गई कि उसकी पत्नी के नाम जमीन पर चढे गलत रहन का शुद्धिकरण करने तथा फौती नामान्तकरण खोलने की एवज में चन्द्रभान जाट पटवारी पटवार हल्का मोरीजा ए जयपुर द्वारा 20 हजार रुपये की रिश्वत राशि मांगकर परेशान किया जा रहा है।

ए.सी.बी. की जयपुर नगर तृतीय इकाई के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक हिमांशु कुलदीप के निर्देशन में शिकायत का सत्यापन किया जाकर बुधवार को पुलिस निरीक्षक मूलचंद मीणा एवं उनकी टीम द्वारा ट्रेप कार्यवाही करते हुए चन्द्रभान जाट निवासी गांव गठवाडी, तहसील जमारामगढ, जिला जयपुर हाल पटवारी पटवार हल्का मोरीजा ए जयपुर को परिवादी से 10 हजार रुपए की रिश्वत राशि लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया है। ए.सी.बी. के अतिरिक्त महानिदेशक दिनेश एम.एन.के निर्देशन में आरोपी से पूछताछ जारी है ।

आरोपी चन्द्रभान जाट

- **रहन का शुद्धिकरण करने तथा फौती नामान्तकरण खोलने की एवज में मांगी रिश्वत**

खोया पाया

मेरा मकान सं. 31/435 प्रताप नगर सांगानेर जयपुर का ओरिजनल नियमितिकरण एवम् अदेय प्रमाण पत्र कहीं खो गये है। मिलने पर सम्पर्क भरत लाल शर्मा, मो.8432262785

उत्तर पश्चिम रेलवे

खुली निविदा स्थगित की सूचना

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, उत्तर पश्चिम रेलवे, अजमेर द्वारा की ओर से अजमेर मंडल के मावली-मारवाड़ जंक्शन खण्ड के बीच नाथद्वारा रेलवे स्टेशन पर लगभग 2550 टन वजनी लगभग 51000 बोरियों डोलामाइट के समकक्ष वस्तु की दिनांक 20.10.2022 को प्रातः 11.00 बजे सार्वजनिक नीलामी की जानी प्रस्तावित थी जिसे अग्रिम आदेशों तक स्थगित किया गया है। यह सूचना उत्तर पश्चिम रेलवे की वेबसाईट nwr.indianrailways.gov.in पर भी उपलब्ध है।

वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबंधक, उ.प.रे. अजमेर
863-SN/22

नम्बर मिलाइए 9587884433

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

तीये की बैठक

अत्यन्त दुख के साथ सूचित किया जाता है कि हमारे पूज्य पिताजी **श्री नाथूलालजी कुमावत** पुत्र स्व. श्री नृसिंह जी का स्वर्गवास दिनांक 18.10.2022 को हो गया है। जिनकी तीये की बैठक दिनांक 20.10.2022 गुरूवार को सायं 4 से 5 बजे तक हमारे निवास स्थान प्लाट नं. 1-बी-109 शिवशक्ति कॉलोनी, राजीव गांधी पार्क में रखी गई है।

शोकाकुल- गंगाराम, किशन जगदीश (भ्राता), महेश, रत्तलाल (पुत्र) राजेन्द्र, राजेश, जगदीश, सुरेश, ओम, महेन्द्र (भजीजे), मुकेश, दीपक, राहुल, शुभम, मोहित, रीछी (पौत्र) धनिष्ठ, कांव्याश (पड़पौत्र)

मो.नं. 7851911290, 9214011802

अत्यंत दुख के साथ सूचित किया जाता है कि हमारे पूजनीय पिताजी **श्री रामप्रसाद सैनी** का स्वर्गवास 18.10.2022 को हो गया। तीये की बैठक 20.10.2022 को 3 से 4 मालियों का मोहल्ला शिवदासपुरा जयपुर पर होगी।

शोकाकुल- नाथूलाल, नानगराम, सीताराम, बाबूलाल, लालचन्द्र, रमेश (भाई), राजेन्द्र, जटाशंकर, सत्यनारायण बिडला, कैलाश, राधेश्याम, बालीस्टार, रविकांत, सुमित (पुत्र), विशाल, शुभम, आयुष, रोनक, राजवीर, अनिरूद्ध (पौत्र) एवं समस्त सूईवाल परिवार-

9929345772, 7568069113, 8003077079, 8386999482

स्मार्ट फोन दिलवाने का झांसा देकर धन ऐंठने वाले ई-मित्र संचालक पर की कार्रवाई

स्मार्टफोन दिलवाने के नाम हर व्यक्ति से वसूल रहा था 100 रूपये

खैरथल, (निसं)। सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार विभाग की किशनगढ बास कार्यालय के निरीक्षण दल द्वारा ई मित्रों के किये गये औचक निरीक्षण में बड़ी गड़बड़ी पकड़ी गई है। यही नहीं संचालन स्थान खैरथल की बजाय अन्यत्र गांव में पाया गया। ग्राम नांगल मोजिया में संचालित एसके कंम्पयूटर पर निरीक्षण दल द्वारा सघन जांच में पाया गया की ई-मित्र संचालक सतीश कुमार यादव आमजन को स्मार्टफोन दिलवाने का झांसा देकर प्रति व्यक्ति 100 रुपए की अवैध वसूली कर रहा था। मौके पर मौजूद लगभग 50 महिलाएं स्मार्टफोन लेने के लिए रजिस्ट्रेशन हेतु 100 रुपए देकर रसीद प्राप्त करने के इंतजार में बैठी पाई गई।

विभाग के प्रोग्रामर जब्बार खान द्वारा मौके पर मौजूद महिलाओं के बयान लिए गए साथ ही ई-मित्र संचालक से फर्जी रसीद बुक जप्त की। विभाग द्वारा जारी ई मित्र अनुज्ञा संचालक की पत्नी सीमा यादव को ई मित्र का संचालन बिजली घर के सामने खैरथल हेतु जारी किया गया था इसका संचालन अन्यत्र स्थान पर किया जा रहा है। मौके पर ई मित्र का संचालक अनुज्ञापत्र धारी के पति द्वारा फर्जी तरीके से किया जाना पाया गया । विभाग के द्वारा किसी भी स्मार्टफोन से संबंधित या अन्य किसी भी प्रकार के रजिस्ट्रेशन हेतु किसी भी प्रकार का शुल्क नहीं लिया जाता है ना ही किसी प्रकार का रजिस्ट्रेशन किया जा रहा है। निरीक्षण के दौरान जब्बार खान, अर्चना गुप्ता, गोविंद प्रजापत आदि मौजूद रहे।

- **ई-मित्र संचालक से फर्जी रसीद बुक जप्त की**

बेदखल मामले विधिक नोटिस मेरे अभिभाष्य हनुमान प्रसाद जैन पुत्र श्री रिखब चन्द जैन निवासी फ्लेट संख्या 31/73/03, ग्राउण्ड फ्लोर, वरूण पथ, मानसरोवर, जिला जयपुर राज. की ओर से एवं उनके निर्देशानुसार निम्न प्रकार नोटिस प्रेषित है। यह कि मेरे अभिभाष्य ने अपने पुत्र अवदेश जैन उर्फ मोन्टू को अपनी चल व अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है अवदेश जैन उर्फ मोन्टू द्वारा किये गये कृत्य/कार्य या किसी भी प्रकार का लेन-देन सम्बन्धित समव्यवहार का दायित्व अवदेश जैन उर्फ मोन्टू का होगा, मेरे अभिभाष्य व अभिभाष्य के परिवारगण का किसी प्रकार को कोई सम्बन्ध नहीं होगा।
(प्रकाश सिंह सैंगर) एडवोकेट, मो.नं. 09928235833

आम सूचना मेरे अभिभाष्य की पत्नि स्व. श्रीमती मनीषा देवी पत्नि श्री रामपाल सिंह के स्वामित्व का एक भूखण्ड संख्या 50, राधा कृष्णा विहार, रोजदा के मूल कागजात घूम हो गये है जिनकी गुमशुदगी पुलिस थाना साईबर क्राईम में दर्ज करवाई गई थी किसी भी व्यक्ति को मूल कागजात मिलने पर मुझसे संपर्क करें एवं इनका दुरूपयोग करने पर वही व्यक्ति जिम्मेदार होंगे।
(महेन्द्र कुमार कमल) एडवोकेट
मो.नं. 9982313201

आम सूचना सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे अभिभाष्य राजेन्द्र कुमार धोबी, निवासी इन्द्रा कॉलोनी, सूर्य मंदिर के पास, मनोहरपुर तहसील शाहपुरा जिला जयपुर ने अपने बडे पुत्र मनीष कुमार हल्दुनिया एवं पुत्रवधु श्रीमती ज्योति पत्नी मनीष कुमार हल्दुनिया को उनके बुरे बर्ताव एवं गलत चाल-चलन की वजह से अपनी समस्त चल व अचल सम्पत्तियों से बेदखल कर दिया है। भविष्य में मेरे अभिभाष्य की समस्त चल व अचल सम्पत्तियों में उक्त दोनों का कोई हक व अधिकार नहीं होगा। यदि कोई भी व्यक्ति, संस्था इत्यादि मनीष कुमार हल्दुनिया एवं श्रीमती ज्योति से किसी भी प्रकार का कोई संव्यवहार करेगा तो उसकी समस्त जिम्मेदारी स्वयं की होगी। मेरे अभिभाष्य की कोई जिम्मेदारी नही होगी। सूचित रहे।
जयपुर (संदीप भारद्वाज) एडवोकेट
दिनांक-19/10/2022 मो.नं. 9001949418

राजस्थान आवासन मण्डल, वृत-तृतीय,
जे.एल.एन. मार्ग, जवाहर सर्किल के पास, जयपुर-0141-4901853
आम जाहिर सूचना

राजस्थान आवासन मण्डल, जयपुर द्वारा आवास संख्या- **7-ठ-2** जवाहर नगर, जयपुर क्षेत्रफल **51.00** वर्ग गज का नियमितिकरण एवं अदेय प्रमाण पत्र क्रमांक 2614 दिनांक 04.09.1998 श्रीमती गुरमित कौर पत्नी श्री रेशम सिंह के पक्ष में जारी किया गया था। उनके द्वारा आवास के पंजीयन प्रपत्रों का निष्पादन कार्यालय उप पंजीयक, जयपुर प्रथम में दिनांक 25.01.1999 को करवाया गया। श्रीमती गुरमित कौर पत्नी श्री रेशम सिंह की मृत्यु दिनांक 18.02.2006 को हो जाने के कारण श्री बलजिन्दर सिंह व फलविन्दर सिंह पुत्रान् रेशम सिंह संधु के द्वारा आवेदन पत्र के साथ क्षतिपूर्ति बन्धक पत्र, शपथ पत्र, वसियतनामा (नोटराईज्ड) एवं मृत्यु प्रमाण पत्र प्रस्तुत कर उक्त आवास का प्रतिस्थापन अपने नाम से करने का निवेदन किया गया है। अतः उक्त आवास के प्रतिस्थापन के संबंध में किसी भी व्यक्ति/ बैंक/ संस्था को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन के 07 दिवस में अधोहस्ताक्षर कर्ता के कार्यालय में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर साक्ष्य सहित अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर देवें, अन्यथा उक्त अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होने पर उक्त आवेदनकर्ता- **श्री बलजिन्दर सिंह व फुलविन्दर सिंह पुत्रान् रेशम सिंह संधु के पक्ष में** उक्त आवास के प्रतिस्थापन की कार्यवाही कर दी जावेगी। सम्पदा प्रबंधक- वृत तृतीय, रा.आ.मण्डल, जयपुर

राजस्थान आवासन मण्डल, वृत-तृतीय,
जे.एल.एन. मार्ग, जवाहर सर्किल के पास, जयपुर-0141-4901853
आम जाहिर सूचना

राजस्थान आवासन मण्डल, जयपुर द्वारा आवास/फ्लेट संख्या-**15/113** (एस.एफ.) मालवीय नगर, जयपुर क्षेत्रफल **34.20** वर्ग मीटर का आवंटन श्रीमती आनन्द कौर पुरोहित को किया गया था। जिसका आवंटन पत्र क्रमांक 51 दिनांक 25.04.1994 जारी किया गया था। उनके द्वारा उक्त आवास के पंजीयन प्रपत्रों का निष्पादन कार्यालय उप पंजीयक, जयपुर प्रथम में दिनांक 13.09.2002 को करवाया गया। तत्पश्चात श्रीमती आनन्द कौर पुरोहित पत्नी श्री आर.आर.पुरोहित के द्वारा उक्त आवास का बेचान श्री जयराज सिंह चौहान पुत्र श्री ठाकुर के.एम.सिंह चौहान को कर, विक्रय पत्र का निष्पादन कार्यालय उप पंजीयक, जयपुर द्वितीय में दिनांक 15.05.2006 को करवाया गया। श्री जयराज सिंह चौहान की मृत्यु दिनांक 22.10.2022 को हो जाने के कारण श्रीमती ममता चौहान पत्नी स्व. श्री जयराज सिंह के द्वारा आवेदन पत्र के साथ क्षतिपूर्ति बन्धक पत्र, शपथ पत्र, विक्रय पत्र, एवं मृत्यु प्रमाण पत्र प्रस्तुत कर उक्त आवास का प्रतिस्थापन अपने नाम से करने का निवेदन किया गया है। अतः उक्त आवास के प्रतिस्थापन के संबंध में किसी भी व्यक्ति/ बैंक/ संस्था को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन के 07 दिवस में अधोहस्ताक्षर कर्ता के कार्यालय में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर साक्ष्य सहित अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर देवें, अन्यथा उक्त अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होने पर उक्त आवेदनकर्ता- **श्रीमती ममता चौहान पत्नी स्व. श्री जयराज सिंह के पक्ष में** उक्त आवास के प्रतिस्थापन की कार्यवाही कर दी जावेगी। सम्पदा प्रबंधक- वृत तृतीय, रा.आ.मण्डल, जयपुर

आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड
(पूर्व में कैपीटल फर्स्ट होम फायनेन्स लिमिटेड व आईडीएफसी बैंक लिमिटेड के साथ सम्मिलित)
CIN : L65110TN2014PLC097792
पंजीकृत कार्यालय - केआरएम टॉवर्स, 8वीं मंजिल, हैरिंगटन रोड, चेटपेट, चैन्नाई-600031
फोन- +91 44 4564 4000 | फैक्स- +91 44 4564 4022

परिशिष्ट-IV [नियम 8 (1)]
कब्जा नोटिस
(अचल सम्पत्ति का)

चूंकि अधोहस्ताक्षरकर्ता आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड (पूर्व में कैपीटल फर्स्ट होम फायनेन्स लिमिटेड व आई डी एफ सी बैंक लिमिटेड के साथ सम्मेलित) के प्राधिकृत अधिकारी है अतः वित्तीय आस्तियों के प्रतिभूतिकरण व पुर्न निर्माण एवं प्रतिभूति ब्याज प्रवर्तन अधिनियम, 2002 तथा उपर्युक्त कथित अधिनियम की धारा 13 (12) के साथ पठित प्रतिभूति ब्याज (प्रवर्तन) अधिनियम 2002 के नियम 3 के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए दिनांक 27.11.2021 को एक मांग कर्जदारों, सह-कर्जदारों एवं जमानतियों 1. विष्णू कुमार शर्मा, 2. सत्यनारायण शर्मा, 3. नाथी शर्मा को जारी किया गया था, जिसमें 23.11.2021 की तिथी को देय, मांग पत्र में उल्लेखित राशी रुपये 24,53,156.95/- (रुपये चौबीस लाख तिरेपन हजार एक सौ छप्पन और पैसा पिचानवे मात्र) का भुगतान उपर्युक्त नोटिस प्राप्ती के 60 दिन के अन्दर करने को कहा गया था।

चूंकि कर्जदार उक्त राशि को वापस चुकाने में विफल रहे है अतः कर्जदारों एवं जनसाधारण को नोटिस के माध्यम से सूचित किया जाता है कि कथित अधिनियम की धारा 13 की उपधारा (4) के साथ पठित प्रतिभूति ब्याज (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 8 जिसका नोटिस में उल्लेख किया गया है के तहत अधोहस्ताक्षरकर्ता को प्राप्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उन्होंने यहां निम्न वर्णित संपत्तियों के आज अक्टूबर 2022 के 18 वें दिन भौतिक रूप से अपने कब्जे/अधिकार में ले लिया है।

विशेष रूप से कर्जदारों एवं आम जनता को एतद्द्वारा सावधान किया जाता है कि वे इन सम्पत्तियों का सौदा लेनदेन नहीं करें तथा इस सम्पत्ति का किसी भी प्रकार से खरीद-बिक्री करने पर उसे आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड (पूर्व में कैपीटल फर्स्ट फायनेन्स होम लिमिटेड व आईडीएफसी बैंक के साथ सम्मेलित) की प्रभारित शर्तों के अधीन राशी रुपये 24,53,156.95/- (रुपये चौबीस लाख तिरेपन हजार एक सौ छप्पन और पैसा पिचानवे मात्र) का भुगतान उस पर प्रभारित ब्याज सहित करना होगा।

कर्जदारों का ध्यान उक्त अधिनियम की धारा 13 की उपधारा (8) के प्रावधानों की ओर आकर्षित किया जाता है जिसमें प्रतिभूतिकृत सम्पत्तियों को मुक्त करने के बारे में उपलब्ध समयावधि का उल्लेख है।

अचल सम्पत्तियों का विवरण

प्लाट नं. 256, क्षेत्रफल 202.50 वर्ग मीटर, डेयरी फार्म, सूरजपुरा भट्टावाला, जयपुर, राजस्थान का पूरा व प्रत्येक भाग, और सीमायें है पूर्व-प्लाट नं. 257, पश्चिम-प्लाट नं. 255, उत्तर-रोड 12 मीटर, दक्षिण-रोड 9 मीटर।

दिनांक- 18.10.2022
स्थान- जयपुर
प्राधिकृत अधिकारी, आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड
ऋण खाता संख्या- 11710513 एवं 34885531 (पूर्व नाम कैपिटल फर्स्ट होम फायनेन्स लिमिटेड तथा आईडीएफसी बैंक लिमिटेड के साथ सम्मिलित)

जयपुर विकास प्राधिकरण
इन्दिरा सर्किल, जवाहर लाल नेहरु मार्ग, जयपुर-302004

क्रमांक : जविप्रा/जोन-9/2022/डी-5976 दिनांक : 19.10.2022

सार्वजनिक विज्ञप्ति

जोनल विकास योजना-02 में दर्शित 18 मीटर की तीन सड़कों का विलोपन किया जाना (प्रदर्शित मानचित्र में मार्क ए से बी, सी से डी, ई से एफ) तथा 24 मीटर (प्रदर्शित मानचित्र में जी से एच) एवं 18 मीटर (प्रदर्शित मानचित्र में एच से आई) सड़क तथा 30 मीटर (प्रदर्शित मानचित्र में जे से के) के अलाईमेंट को परिवर्तन करते हुये मार्क जी से आई सम्पूर्ण सड़क को 30 मीटर किया जाना प्रस्तावित है। जोनल प्लान में दर्शित 120 फीट सड़क के दक्षिण दिशा मे स्थित जोनल प्लान की 18 मीटर सड़क को (प्रदर्शित मानचित्र में मार्क एल से एम) का अलाईमेंट मे परिवर्तन प्रस्तावित है। उपरोक्त प्रस्ताव जविप्रा की योजना सैन्ट्रल स्पाईन के जी ब्लॉक की रिप्लानिंग करने के क्रम मे पी.डब्ल्यू.सी. की बैठक दिनांक 05.07.2022 एवं 15.09.2022 मे निर्णय लिया गया है।

अनुमोदित जोनल प्लान-02 (पार्ट प्लान) | प्रस्तावित परिवर्तन

उपरोक्त प्रस्ताव के सम्बन्ध में किसी भी संस्था/व्यक्ति/जनसाधारण अपने आपत्ति/सुझाव इस प्रकाशन होने के 30 दिवस की अवधि में अधोहस्ताक्षरकर्ता को लिखित मे प्रस्तुत कर सकते है। इस विज्ञप्ति के प्रकाशन होने के 30 दिवस की अवधि पश्चात् प्राप्त होने वाली आपत्ति/सुझाव पर विचार नहीं किया जावेगा। उपरोक्त सड़कों के प्रस्ताव का पार्ट प्लान मानचित्र जविप्रा परिसर के नोटिस बोर्ड, उपायुक्त जोन-9 के कार्यालय व जविप्रा की वेबसाईट jda.urban.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।

राज. संवाद/सी/2022-23/9423 **सचिव**

टी-20 क्रिकेट की खूबसूरती यह है कि आप एक मैच जीतने के बाद पूरे भरोसे के साथ नहीं कह सकते कि कल का मैच आपके पक्ष में जायेगा। फटाफट क्रिकेट की यही बात रोमांच को बरकरार रखती है।

-कपिल देव

पूर्व भारतीय कप्तान, टी-20 विश्वकप के बारे में

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

दुष्मता चमीरा

श्रीलंका के तेज गेंदबाज दुष्मंता चमीरा पिंडली की चोट के कारण शेष आईसीसी टी20 विश्व कप से बाहर हो गए हैं। क्रिकबज़ ने बुधवार को श्रीलंका क्रिकेट के हवाले से यह जानकारी दी। चमीरा इससे पहले पिंडली की चोट के कारण एशिया कप 2022 में भी हिस्सा नहीं ले सके थे, हालांकि पूर्णत: फिट होने के बाद उन्हें विश्व कप टीम में शामिल किया था। चमीरा ने आईसीसी टी20 विश्व कप के ग्रुप-ए मुकाबले में संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) पर श्रीलंका की 79 रन की जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। उन्होंने अपने 3.5 ओवरों में 15 रन देकर तीन विकेट लिये।

क्या आप जानते हैं ?... प्रथम श्रेणी क्रिकेट में सर्वाधिक व्यक्तिगत स्कोर का विश्व रिकॉर्ड ब्रायन लारा के नाम है। लारा ने 1994 में वारविकशायर की तरफ से डरबन के खिलाफ 501 रन की नाबाद पारी खेली।

गेंदबाजों के दम पर सुपर-12 की दौड़ में बरकरार विंडीज

होबार्ट, 19 अक्टूबर । वेस्ट इंडीज ने अल्ज़ारी जोसेफ़ (16/4) और जेसन होल्डर (12/3) की शानदार गेंदबाजी की बदौलत जिम्बाब्वे को आईसीसी टी20 विश्व कप 2022 के पहले दौर के मैच में बुधवार को 31 रन से मात दी।

दो बार की टी20 विश्व कप विजेता वेस्ट इंडीज ने ग्रुप-बी के अपने दूसरे मैच में ज़िम्बाब्वे को 154 रन का लक्ष्य दिया। इसके जवाब में ज़िम्बाब्वे 122 रन पर ऑलआउट हो गई। अपने पहले मैच में स्कॉटलैंड के हाथों हार का मजा चखने वाली विंडीज यह मैच जीतकर सुपर-12 में पहुंचने की दौड में लौट आई है।

स्पिन गेंदबाजों के आगे वेस्ट इंडीज के मध्यक्रम की नाकामी एक बार फिर टीम की हार का कारण बन सकती थी। विंडीज ने 12 ओवर में 89/2 के स्कोर से आगे खेलते हुए 12 रन के अंतराल में चार विकेट गंवाए जिससे उनका स्कोर 14 ओवर में 101/6 हो गया। इसके बाद रोवमैन पॉवेल और अकील हुसैन ने सातवें विकेट के लिये 49 रन की साझेदारी करके विंडीज को सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया।

कैरिबियाई गेंदबाजों ने टीम को सुपर-12 की दौड़ में जीवित रखने के लिये ज़िम्बाब्वे को 18.2 ओवर में 122 रन पर रोक दिया। जोसेफ ने अपने चार ओवर में 16 रन देकर चार विकेट लिये जबकि होल्डर ने 3.2 ओवर फेंककर तीन विकेट अपने नाम किये। हुसैन, ओबेड मकॉय और ओडियन स्मिथ ने एक-एक विकेट लेकर जीत में योगदान दिया।

टॉस जीतकर बल्लेबाजी करते हुए वेस्ट इंडीज की शुरुआत अच्छी रही। काइल मेयर्स (13) और एविन लेवाइस (15) के आउट होने के बावजूद उन्होंने 12 ओवर में दो विकेट के नुकसान पर 89 रन बना लिये। इसके बाद ज़िम्बाब्वे के स्पिनरों ने कैरिबियाई मध्यक्रम को अपनी फिरकी में फंसाया और वेस्ट इंडीज ने 12 रन के अंतराल में चार विकेट गंवा दिये। सिकंदर रज़ा (19/3) ने शमारह ब्रूक्स और जेसन होल्डर को आउट किया, जबकि सीन विलियम्स (17/1) ने कप्तान निकोलस पूरन का बहुमूल्य विकेट निकाला। पॉवेल और हुसैन ने अंत में कैरिबियाई पारी को संभाला और टीम को 20 ओवर में 153/7 के सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया। पॉवेल ने 28 रनों की पारी में 21 गेंदों पर एक चौका और दो गगनचुंबी छक्के लगाये, जबकि हुसैन ने 18 गेंदों पर दो चौकों के साथ 23 रन की नाबाद पारी खेली। कैरिबियाई गेंदबाजों ने 153 रन की हिफाजत शानदार तरीके से की। अलज़ारी जोसेफ़ ने कप्तान रेजिस चकाब्वा (13) को छोटे स्कोर पर पवेलियन भेजने के बाद टोनी मुन्योंगा को भी दो रन पर आउट किया।

इंग्लैंड टीम में टोपली की जगह लेंगे मिल्स:- इंग्लैंड के तेज गेंदबाज रीस टोपली एडी की चोट के कारण टी20 विश्व कप से बाहर हो गये हैं और आईसीसी की मंजूरी के बाद टाइमल मिल्स टीम में उनकी जगह लेंगे। ईएसपीएन क्रिकइन्फो ने इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) के सूत्रों के हवाले से बुधवार को कहा कि टोपली वापस इंग्लैंड जाकर एडी की सर्जरी करवाएंगे। ईसीबी ने मंगलवार को यह घोषणा की थी कि पाकिस्तान के खिलाफ वॉर्म-अप मैच से पहले फील्डिंग अभ्यास के दौरान टोपली का टखना मुड गया था।

बारिश के कारण भारत-न्यूजीलैंड के बीच अभ्यास मैच रद्द

ब्रिस्बेन, 19 अक्टूबर (वार्त) भारत और न्यूजीलैंड के बीच बुधवार को खेला जाने वाला टी20 विश्व कप 2022 का वॉर्म-अप मैच बारिश के कारण रद्द हो गया।

ब्रिस्बेन के गाबा में बारिश पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच खेले जा रहे दिन के पहले वॉर्म-अप मैच के दौरान ही शुरू हो गई थी। अफगानिस्तान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 154 रन बनाये, जिसके बाद 2.2 ओवर में पाकिस्तान का स्कोर 19 रन पर पहुंचते ही काले-घने बादलों ने गाबा को घेर लिया। दो घंटे की लगातार बारिश के बाद दोनों मैच रद्द कर दिये गये।

मेलबर्न में 23 अक्टूबर को पाकिस्तान के खिलाफ अभियान की शुरुआत करने से पहले यह भारत का आखिरी वॉर्म-अप मैच था। इससे पूर्व भारत ने अपने पहले वॉर्म-अप मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया को छह रन से मात दी थी। न्यूजीलैंड भी केवल एक अभ्यास मैच के साथ ही शीर्ष टूर्नामेंट का रुख करेगी, जहां उसे गत चैंपियन ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अपना पहला मैच खेलना है।

हाथ में चोट लगने के बाद इंगलिस अस्पताल में भर्ती

सिडनी, 19 अक्टूबर । ऑस्ट्रेलिया के विकेटकीपर बल्लेबाज जॉश इंगलिस को गोल्फ खेलने के दौरान हाथ में चोट लगने के कारण यहां स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया है। ईएसपीएन क्रिकइन्फो ने बुधवार को ऑस्ट्रेलिया टीम के एक प्रवक्ता के हवाले से कहा कि एक गोल्फ क्लब टूटने से इंगलिस का हाथ कट गया। फिलहाल अस्पताल में उनकी चोट की जांच की जा रही है। इंगलिस हालांकि विश्व कप टीम में बतौर विकेटकीपर ऑस्ट्रेलिया की पहली पसंद नहीं हैं। उनके एकादश में आने की संभावना तभी है जबकि विकेटकीपर मैथ्यू वेड चोटग्रस्त हो जाएं या किसी खिलाड़ी के कंकशन विकल्प की आवश्यकता हो। इससे पहले इंग्लैंड के विकेटकीपर बल्लेबाज जॉनी बेयरस्टो का टखना भी गोल्फ खेलते हुए फ्रैक्चर हुआ था जिसके कारण वह टूर्नामेंट में हिस्सा नहीं ले सके।

आयरलैंड ने स्कॉटलैंड को हराकर सुपर-12 की उम्मीदें जगाई

होबार्ट, 19 अक्टूबर । आयरलैंड ने कर्टिस कैम्फर (72 रन, दो विकेट) के हरफनमौला प्रदर्शन और की जॉर्ज डॉकरेल (39 नाबाद) की ताबड़तोड़ बल्लेबाजी के दम पर स्कॉटलैंड को आईसीसी टी20 विश्व कप 2022 के पहले दौर के मुकाबले में बुधवार को छह विकेट से मात दी।

पहले मैच में ज़िम्बाब्वे से हारने वाली आयरलैंड ने इस जीत के साथ सुपर-12 में पहुंचने की अपनी उम्मीदों को जीवित कर लिया। स्कॉटलैंड ने ग्रुप-ए मैच में टॉस जीतकर बल्लेबाजी करते हुए माइकल जोन्स के 86(55) रनों की बदौलत आयरलैंड को 177 रन का लक्ष्य दिया। आयरलैंड ने कैम्फर-डॉकरेल की शतकीय साझेदारी की बदौलत यह लक्ष्य छह गेंदें शेष रहते हुए हासिल कर लिया। आयरलैंड ने लक्ष्य का पीछा करते हुए 10 ओवर में 65 रन के स्कोर पर चार विकेट गंवा दिये थे। उन्हें अगले 10 ओवरों में 112 रन हासिल करने के लिये बड़ी और विस्फोटक साझेदारी की जरूरत थी। कैम्फर और डॉकरेल ने आयरलैंड के लिये संकटमोचक की भूमिका निभाते हुए 57 गेंदों पर 119 रन की साझेदारी करके 19 ओवर में ही टीम को लक्ष्य तक पहुंचा दिया। कैम्फर ने 32 गेंदों पर सात चौकों और दो छक्कों की मदद से नाबाद 72 रन बनाये जबकि डॉकरेल ने 27 गेंदों पर चार चौके और एक छक्का लगाकर 39 रन की नाबाद पारी खेली। स्कॉटलैंड ने ग्रुप-ए मैच में टॉस जीतकर बल्लेबाजी चुनी।

शाह के बयान से खफा पीसीबी ने की एसीसी की बैठक की मांग

लाहौर, 19 अक्टूबर । पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने अगले साल एशिया कप के लिये भारतीय टीम को पाकिस्तान नहीं भेजने के भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के फैसले की भर्त्सना करते हुए एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) की आपात बैठक बुलाने की मांग की है। गौरतलब है कि मंगलवार को बीसीसीआई की वार्षिक आम बैठक के बाद बोर्ड के सचिव और एसीसी अध्यक्ष जय शाह ने कहा था कि एशिया कप 2023 के लिये भारतीय टीम पाकिस्तान का दौरा नहीं करेगी और टूर्नामेंट का आयोजन तीसरे तटस्थ स्थान पर होगा। पीसीबी ने बुधवार को बयान जारी कर कहा, अगले साल एशिया कप को तटस्थ स्थान पर स्थानांतरित करने को लेकर एसीसी अध्यक्ष जय शाह का मंगलवार को दिया गया बयान निराशाजनक और आश्चर्य भरा है। इस संबंध में एशिया कप की मेजबानी करने वाले पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के साथ कोई चर्चा नहीं की गई और न ही इस फैसले के दीर्घकालिक परिणाम और प्रभावों के बारे में विचार किया गया।"

कार्यालय अधिशाषी अभियंता, जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग, नगर खण्ड चतुर्थ (दक्षिण), जयपुर

क्रमांक-अअ/निविदा/2022-23/3791-4012 दिनांक- 13.10.2022

निविदा सूचना

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से निम्नलिखित कार्यों हेतु जन स्वा. अभि. विभाग में उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्योरमेंट किया हेतु ऑन लाईन निविदायें आमंत्रित की जाती है। वेबसाईट पर तकनीकी बिड सारणी में दर्शाई गई दिनांक एवं समय को इस कार्यालय में खोली जायेगी। यदि किसी कारणवश उस दिन अवकाश रहता है तो उसे अगले कार्य दिवस को उसी समय पर तकनीकी बिड खोली जावेगी। निविदा शुल्क/धरोहर राशि (घोषणा प्रपत्र)/ ई-प्रक्रिया शुल्क निविदाता द्वारा ई-ग्रास के माध्यम से ऑनलाइन द्वारा जो कि अधिशाषी अभियन्ता जन स्वा. अभि. विभाग, नगर खण्ड-चतुर्थ (दक्षिण) जयपुर (डीडीओ कोड 2164) के नाम निर्धारित दिनांक तक जमा करवाना आवश्यक है। ई-टेण्डरिंग प्रक्रिया शुल्क राशि रू. 50.00 लाख से कम पर 500/- एवं रू. 50.00 लाख एवं अधिक के नए रू.1000/- प्रति निविदा निविदादाता द्वारा ऑनलाईन जमा करवाना अनिवार्य है। बोली दाताओं द्वारा ई-ग्रास पर भुगतान होने के उपरान्त चालान सीआईएन नम्बर जनरेट होगा जिसको स्केन करके ई-प्रोक साईट पर निविदा के साथ लगाना आवश्यक होगा। इच्छूक संवेदनों को अपने डिजिटल (डीएससी) हस्ताक्षर के माध्यम से वेबसाइट http://www.eproc.rajasthan.gov.in पर फर्म को रजिस्टर्ड करवाना आवश्यक है।

निविदा संख्या	कार्य का वितरण	अनुमानित लागत राशि (लाखों में)	धरोहर राशि	निविदा शुल्क	निविदा प्रपत्र डाउनलोड करने व बिड को प्रस्तुत करने की अंकित दिनांक	बिड खोलने की दिनांक	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1	2	3	4	5	6	7	8
64/ 22-23	Rate Contract for Construction of 150 mm Diameter Tube wells, including Supply and Installation of Energy Efficient 5-Star Rating Submersible Pump Sets (ISI Mark) and Providing, Laying and Jointing of Pipe Line and Commissioning of Tube Wells under the Jurisdiction of City Division-IV (S), PHED, Jaipur with two years Defect Liability.	120.00	240000.00	2000	14.10.22 to 27.10.22 up to 6.00 PM	28.10.22 at 11 AM	12 Month
65/ 22-23	Rate Contract for Construction of 200 mm Diameter Tube wells, including Supply and Installation of Energy Efficient 5-Star Rating Submersible Pump Sets (ISI Mark) and Providing, Laying and Jointing of Pipe Line and Commissioning of Tube Wells under the Jurisdiction of City Division-IV (S), PHED, Jaipur with two years Defect Liability.	60.00	120000.00	2000	14.10.22 to 27.10.22 up to 6.00 PM	28.10.22 at 11 AM	12 Month

निविदा से संबंधित विस्तृत विवरण निम्नलिखित वेबसाईट पर देखे जा सकते हैं।
http://www.eproc.rajasthan.gov.in 2. www.dipr.rajasthan.gov.in, http://sppp.rajasthan.gov.in
UBN-64-PHE2223WSOB08128, UBN-65-PHE2223WSOB08129

(एन.के.वर्मा)
अधिशाषी अभियंता
जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग,
नगर खण्ड चतुर्थ (दक्षिण), जयपुर

DIPR/C/13420/2022

राजधानी

खड़गे बने कांग्रेस अध्यक्ष, अब राजस्थान के फैसले पर सबकी नजर

पायलट ने खड़गे को दी सबसे पहले बधाई

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मल्लिकार्जुन खड़गे के राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने पर राजस्थान से सबसे पहले सचिन पायलट ने उन्हें गुलदस्ता भेंट कर बधाई दी।

- पायलट बोले, "खड़गे के व्यापक अनुभव का लाभ कांग्रेस पार्टी को मिलेगा"
- खड़गे कैसे रोकेंगे राजस्थान की बगावत, कैसे बदलेंगे विधायक दल का नेता, क्या करेंगे धारीवाल, जोशी और राठौड़ के नोटिस पर फैसला

जयपुर, 19 अक्टूबर (का.प्र.)। कांग्रेस को 24 साल बाद वरिष्ठ नेता मल्लिकार्जुन खड़गे के तौर पर गैर गांधी अध्यक्ष मिला है। खड़गे बाबू जगजीवन राम के बाद पिछड़ा वर्ग से आने वाले अध्यक्ष हैं। बुधवार को खड़गे के निर्वाचन के बाद राजस्थान प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में आतिशबाजी चलाकर तथा लड्डू बांटकर एक दूसरे को। दूसरी ओर राजस्थान के नेताओं ने दिल्ली में नए कांग्रेस राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे से मुलाकात की। सचिन पायलट सबसे पहले खड़गे को बधाई देने पहुंचे। उसके बाद मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने खड़गे को उनके निवास पर बधाई दी। उसके बाद प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा भी खड़गे को बधाई देने पहुंचे।

राज्यसभा सांसद मुकुल वासनिक, नीरज डांगी के साथ मल्लिकार्जुन खड़गे को बधाई देने पहुंचे। खड़गे को बधाई देने के बाद मीडिया से बात करते हुए सचिन पायलट ने कहा कि लोकतंत्र को आगे बढ़ाने के लिए कांग्रेस पार्टी ने व्यापक चुनाव कराया और 90 फीसदी वोट खड़गे को मिले। यह लोकतंत्र की जीत है और कांग्रेस की जीत है। पायलट ने कहा कि इस चुनाव से कांग्रेस में ताकत आई है और कांग्रेस एकजुट हुई है। उनके व्यापक अनुभव का लाभ कांग्रेस पार्टी को मिलेगा।

दूसरी और अब सब की नजर इस बात पर है कि नवनिर्वाचित कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे राजस्थान को लेकर क्या फैसला लेते हैं, क्योंकि राजस्थान में 25 सितंबर को जो घटनाक्रम हुआ, उसके वे खुद राजस्थान की राजधानी जयपुर में गवाह बने थे। ऐसे में राजस्थान को लेकर लिया जाने वाला यह फैसला उनके आगे किए जाने वाले फैसलों की तस्वीर भी पेश करेगा। मल्लिकार्जुन खड़गे के अध्यक्ष बनने के बाद सबसे बड़ी चुनौती राजस्थान में व्याप्त सियासी असंतोष और उठी बगावती सुर को दबाने की ही होगी।

दरअसल राजस्थान में 25 सितंबर को जिस तरह का घटनाक्रम कांग्रेस में हुआ,वह कांग्रेस में पहले किसी भी राज्य में नहीं हुआ, जहां कि सीधे आलाकमान को चुनौती दी गई हो। चुनौती ही नहीं दी गई बल्कि राजस्थान के विधायकों के इस्तीफे दिलवाकर एक तरह से कांग्रेस आलाकमान के सामने यह स्थिति भी पैदा करने की कोशिश की गई, कि यदि विधायक दल का नेता बदल दिया जाता है, तो सरकार गिर भी सकती है। ऐसे में अब नवनिर्वाचित अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के सामने यह चुनौती सबसे बड़ी होगी कि किस तरह से वे विधायक दल की बैठक फिर से बुलाकर उस प्रस्ताव को पारित करवाते हैं, जिसमें कि विधायक दल का नेता चुनने का अधिकार पार्टी आलाकमान को दिया जाए। वही सभी विधायक उसके बाद आलाकमान के फैसले को मानने के लिए भी तैयार हो जाएं।

हालांकि जिस तरह से मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और उनका खेमा बयानबाजी करता रहा है। ऐसे में खड़गे के सामने यह सब समस्या निपटाना आसान भी नहीं होगा। अब देखना यह है कि आलाकमान के रूप में अध्यक्ष पद संभालने वाले खड़गे राजस्थान का मसला किस तरह से निपटाते हैं।

कार्यालय नगर परिषद टोंक

क्रमांक :- न.प.टोंक/निर्माण/2022-23/12110 दिनांक :- 14.10.2022

अल्पकालीन ई-निविदा सूचना - 33/2022-23 (NIB No. DLB2223A5708)

नगर परिषद टोंक क्षेत्र में होने वाले विभिन्न निर्माण/विकास कार्यों हेतु इच्छुक बोलीदाताओं से दिनांक 20.10.2022 सांय 6:00 बजे तक निविदायें आमंत्रित की जाती है। अन्य विवरण व शर्तें **www.sppp.rajasthan.gov.in, http://eproc.rajasthan.gov.in** पर देखी जा सकती है। UBN No.- **DLB2223WSOB18438**

सभापति, नगर परिषद, टोंक राज.संवाद/सी/9307/2022-23 आयुक्त, नगर परिषद, टोंक

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, सार्वजनिक निर्माण विभाग, खण्ड गंगापुर सिटी

क्रमांक- दिनांक-

ई-निविदा सूचना संख्याः 09/2022-23 खण्ड-गंगापुर सिटी

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से खण्ड कार्यालय के अधीन गारनटी अवधि के तहत सडक मरम्मत कार्य (COT) एवं (खण्ड कार्यालय के अधीन निम्न उपखण्डों में वार्षिक दर अनुबंध के आधार पर सडक मरम्मत कार्य) के तहत उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान एवं राज्य सरकार के अन्य विभागों तथा केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों/केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग/डाक एवं दूर संचार विभाग/रेल्वे इत्यादि में पंजीकत संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के यथोचित श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, से कार्यों हेतु ई-टेण्डरिंग के माध्यम से निर्धारित प्रपत्र में प्राप्त की जावेगी। निविदा से संबंधित विवरण बेवसाईट साईट www.dipronline.org व www.eproc.rajasthan.gov.in एवं www.sppp.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।
(PWD2223WSOB09550), (PWD2223WSOB09551), (PWD2223WSOB09552), (PWD2223WSOB09553), (PWD2223WSOB09554), (PWD2223WSOB09555), (PWD2223WSOB09556)

अधिशाषी अभियन्ता
सा.नि.वि. खण्ड गंगापुर सिटी

DIPR/C/13489/2022

Office of Additional Chief Engineer PHED, Region Bharatpur

Telephone No 05644-222731, 221500 , Email: rj_acebha@nic.in

Notice Inviting Bid No. 182 to 200/ 2022-23

Online bids for NIT No. 182 to 200/2022-23 (19 works), Costing Rs. 7996.22 Lacs is invited on behalf of the Governor of Rajasthan from eligible enlisted in appropriate class contractors of PHED, Rajasthan and meeting eligibility criteria. Contractors enlisted with other departments of Government of Rajasthan and enlisted with CPWD/ Postal/ Telecom/ Railways/ MES/ other State Government/ Central Government undertakings/ organization in class equivalent to "A/ AA" class of Rajasthan (as applicable) and meeting prescribed eligibility criteria may also apply. Details of this Bid notification and pre-qualification criteria can also be seen in NIB exhibited on web site www.dipr.rajasthan.gov.in, http://sppp.rajasthan.gov.in and http://eproc.rajasthan.gov.in. Bids are' to be submitted online electronic format on web site http://eproc.rajasthan.gov.in from 18-10-2022 to 15.12.2022/19.12.2022/21.12.2022 (6PM) & Bids are to be opend at 11.00 AM on 16.12.2022/20.12.2022/22.12.2022.
NIB Code: PHE2223A4022
UBN No.: 1. PHE2223WSOB08132, 2. PHE2223WSOB08133, 3. PHE2223WSOB08134, 4. PHE2223WSOB08135, 5. PHE2223WSOB08136, 6. PHE2223WSOB08137, 7. PHE2223WSOB08138, 8. PHE2223WSOB08139, 9. PHE2223WSOB08140, 10. PHE2223WSOB08142, 11. PHE2223WSOB08143, 12. PHE2223WSOB08144, 13. PHE2223WSOB08145, 14. PHE2223WSOB08146, 15. PHE2223WSOB08147, 16. PHE2223WSOB08148, 17. PHE2223WSOB08149, 18. PHE2223WSOB08150, 19. PHE2223WSOB08151

(Ram Niwas Meena)
Addl. Chief Engineer
PHED, Region Bharatpur

DIPR/C/13499/2022

कार्यालय अधिशाषी अभियंता सा.नि.वि. खण्ड झालावाड़

क्रमांक-1606 दिनांक-10.10.2022

निविदा सूचना संख्या 14/2022-23

राजस्थान के राज्यपाल महोदय, की ओर से राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से (1) महानरेगा योजनान्तर्गत सी.सी. सडक (इंटर लॉकिंग ब्लॉक) मय नाली निर्माण कार्य ग्राम रायपुर में संस्कृत स्कूल से मांगीलाल पाटीदार के मकान की तरफ (लम्बाई 300 मीटर) (2) महानरेगा योजनान्तर्गत सी.सी. सडक (इंटर लॉकिंग ब्लॉक) मय नाली निर्माण कार्य ग्राम रूपाखेडी में परबत सिंह के मकान से बालाराम गुर्जर के मकान तक (लम्बाई 300 मीटर) (3) महानरेगा योजनान्तर्गत सी.सी. सडक (इंटर लॉकिंग ब्लॉक) मय नाली निर्माण कार्य ग्राम सुवांस में भंवरलाल मेंबर के मकान से शंकरलाल जी के मकान तक (लम्बाई 300 मीटर) (4) महानरेगा योजनान्तर्गत सी.सी. सडक (इंटर लॉकिंग ब्लॉक) मय नाली निर्माण कार्य ग्राम डावल में पन्नालाल श्रंगी के मकान से मोहन जी के मकान तक (लम्बाई 300 मीटर) के लिए उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान में पंजीकृत संवेदकों एवं राज्य सरकार/केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों/केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग/डाक एवं दूर संचार विभाग/रेल्वे इत्यादित में पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के "ए" "बी" "सी" एवं "डी" श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूमेंट प्रक्रिया हेतु ऑन लाईन निविदायें आमंत्रित की जाती है। निविदा से सम्बन्धित समस्त विवरण वेब साईट http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है। इच्छुक संवेदकों को अपने डिजिटल हस्ताक्षर के माध्यम से वेबसाइट http://eproc.rajasthan.gov.in पर रजिस्टर्ड करवाना आवश्यक हैं।

निविदा फार्म ऑन लाईन दिनांक 17.10.2022 से 26.10.2022 को सायं 5.00 बजे तक डाउनलोड किये जा सकेंगे। ऑन लाईन निविदायें जमा कराने की तिथि 17.10.2022 से 26.10.2022 को सायं 5.00 बजे तक रहेगी। वेब साईट पर वित्तीय बिड दिनांक 27.10.2022 को 5.00 पीएम पर खण्ड कार्यालय में खोली जावेगी।
UBN : PWD2223WSOE09100, PWD2223WSOE09101, PWD2223WSOE09102, PWD2223WSOE09103

अधिषाशी अभियन्ता
सा.नि.वि. खण्ड झालावाड

DIPR/C/13517/2022

कार्यालय अधीक्षक एवं सदस्य सचिव आर.एम.आर.एस. जे.के. लोन चिकित्सालय, कोटा

क्रमांक-लेखा/क्रय/2022-23/2827 दिनांक-10 अक्टूबर 2022

ऑनलाइन बोली सूचना संख्या 02/22-23/ (ई-टेण्डरिंग)

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से अधीक्षक, जे.के. लोन चिकित्सालय कोटा में विभिन्न कार्यों, सामानों, एवं सेवाओं की आपूर्ति एवं समय समय पर आवश्यकतानुसार अन्य कार्य हेतु निर्माताओं/अधिकृत-विक्रेताओं/डीलर्स/सप्लायर्स से ई-उपापन प्रक्रिया से वेसाइट www.sppp.raj.nic.in, www.dipronline.org. & www.eproc.rajasthan.gov.in पर ऑनलाइन बोलियाँ आमंत्रित की जाती है, जिसे उक्त वेबसाइटस पर देखा जा सकता है। उक्त कार्यों, सामानों एवं सेवाओं के बोली प्रपत्र/बोली आवेदन पत्र डाउनलोड/अपलोड करने की अवधि निम्न तालिकानुसार रहेगी।

ऑनलाईन बोलियाँ, बोलीदाताओं द्वारा तालिका में वर्णितानुसार आइटम वाइज अंकित दिनांक के अनुरूप वेबसाइट www.eproc.rajasthan.gov.in पर सबमिशन की तिथि अनुसार अपलोड की जा सकेगी। वेबसाइट पर तकनीकी बिड ऑनलाइन संलग्न सूची के अनुसार इस कार्यालय में दोपहर 1.30 बजे खोली जावेगी।

क्र. सं.	आईटम का नाम	कार्य की अनुमानित लागत (वार्षिक) जी.एस.टी. अतिरिक्त	बोली शुल्क	धरोहर (EMD) राशि रु.	प्रिय-बिड मिटिंग दोपहर 2 बजे	ऑनलाइन बोली फार्म मिलने व जमा कराने की तिथि समय सायं 5.00 बजे तक	ऑनलाइन बोली खोलने की तिथी (तकनीकी बिड) दोपहर 1.30 बजे
बजट मद-अधीक्षक जे.के. लोन							
1	चिकित्सालय में सुरक्षाकर्मी आपूर्ति बाबत। दर संविदा द्विवार्षिक। UBN NO.- CMK2223SLOB00236	150.00 लाख	1000/-	300000/-	20.10.22	20.10.22 से 6.11.22 तक	07.11.2022
2	चिकित्सालय में जॉब बेसिस पर सफाई कार्य बाबत। दर संविदा द्विवार्षिक। UBN NO.- CMK2223SLOB00237	80.00 लाख	1000/-	160000/-	20.10.22	21.10.22 से 07.11.22 तक	08.11.2022
3	चिकित्सालय में जनरल/ चिकित्सकीय सामग्री की आपूर्ति बाबत। दर संविदा द्विवार्षिक। UBN NO.- CMK2223GSOB00238	5.00 लाख	500/-	10000/-	27.10.22	28.10.22 से 10.11.22 तक	11.11.2022
4	चिकित्सालय में अकुशल/अर्द्धकुशल कुशल/उच्चकुशल श्रेणी के संविदाकर्मी आपूर्ति बाबत। दर संविदा द्विवार्षिक। UBN NO.- CMK2223SLOB00239	360 लाख	2000/-	720000/-	21.10.22	22.10.22 से 07.11.22 तक	08.11.2022
बजट मद-अधीक्षक एवं सदस्य सचिव, आर.एम.आर.एस.							
5	जे.के. लोन चिकित्सालय परिसर में साईकिल स्टेण्ड संचालन बाबत। दर संविदा द्विवार्षिक UBN NO.- CMK2223SLOB00240	24.00 लाख	1000/-	48000/-	18.10.22	18.10.22 से 01.11.22 तक	02.11.2022
6	चिकित्सालय में बिजली उपकरणों की आपूर्ति बाबत। दर संविदा द्विवार्षिक। UBN NO.- CMK2223GSOB00241	4.50 लाख	500/-	9000/-	27.10.22	28.10.22 से 10.11.22 तक	11.11.2022
7	चिकित्सालय परिसर में केन्टीन संचालन बाबत। दर संविदा द्विवार्षिक UBN NO.- CMK2223SSOB00242	7.50 लाख	500/-	15000/-	27.10.22	28.10.22 से 10.11.22 तक	11.11.2022
8	चिकि. में स्थापित वातानुकूलित संयंत्र 1 टन, 1.5 टेन, 2.0 टन, 22 टन ए.सी. एवं अन्य प्रकार के वाटर कुलर एवं कूलर संयंत्रों के रखरखाव मय पार्टस (सी.ए.एम.सी.) बाबत। दर संविदा द्विवार्षिक। UBN NO.- CMK2223GSOB00243	9.00 लाख	500/-	18000/-	28.10.22	29.10.22 से 12.11.22 तक	13.11.2022
9	चिकित्सालय में सुरक्षा उपकरण (सी.सी.टी.वी. कैमरे आदि) लगवाने बाबत। UBN NO.- CMK2223SSOB00244	4.50 लाख	500/-	9000/-	28.10.22	29.10.22 से 12.11.22 तक	13.11.2022
10	चिकित्सालय में जल आपूर्ति निरन्तर बनाये रखने बाबत। दर संविदा द्विवार्षिक। UBN NO.- CMK2223SSOB00245	4.50 लाख	500/-	9000/-	28.10.22	31.10.22 से 13.11.22 तक	14.11.2022
11	चिकित्सालय में नकारा/अनुपयोगी सामनों की नीलामी बाबत। UBN NO.- CMK2223WSOB00246	71.50 लाख	1000/-	50000/-	01.10.22	01.11.22 से 20.11.22 तक	21.11.2022

DIPR/C/13222/2022 अधीक्षक एवं सदस्य सचिव

संक्षिप्त

मो. अय्यूब खान सदस्य मनोनीत

फुलेरा, (निसं)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के आदेशानुसार खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री प्रतापसिंह खाचरियावास के निर्देशन पर राजस्थान सरकार के खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग द्वारा गठित राज्य स्तरीय सतर्कता समिति में फुलेरा निवासी एवं समाजसेवी मोहम्मद अय्यूब खान को सदस्य मनोनीत किया गया है। खान के सदस्य मनोनीत होने पर कांग्रेसीयों व गणमान्य लोगों आदि ने बधाइयाँ और शुभकामनाएं प्रेषित कर उज्जवल भविष्य की कामना भी की।

दिव्यांग दंपति ने सौंपा ज्ञापन

बोराज, (निसं)। पैरों से चलने में असमर्थ, पीठ पर चोट के कारण बंधा पट्टा और पोलियो ग्रस्त पति के सहारे नौकरी कर परिवार का भरण पोषण कर रही स्थानीय शिक्षिका भगवती मीणा के तबादले को लेकर पति सुरेंद्र सिंह मीणा ने दूदू विधायक एवं मुख्यमंत्री सलाहकार बाबूलाल नागर को ज्ञापन सौंपकर राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय काठेडी नाडी हिरनोदा से बोराज के विद्यालय में करने की गुहार की। ज्ञापन में बताया कि एक तरफ राज्य सरकार विकलांग सरकारी कर्मियों की तकलीफों को ध्यान में रखते हुए उनकी परेशानियों को प्राथमिकता से सुनने का आश्वासन देती है वहीं दूसरी ओर जून 2016 से आज तक किसी भी प्रकार की काठेडी नाडी हिरनोदा से वापस बोराज तबादले को लेकर कोई कार्यवाही नहीं की गई हैं।

आज तीन घंटे बिजली बंद

निवाई, (निसं)। दीपावली पर्व के उपलक्ष में विद्युत लाइनों की मरम्मत एवं रखरखाव कार्य के चलते ग्रामीण क्षेत्र में गुरूवार को 3 घंटे बिजली बंद रहेगी। विभाग के कनिष्ठ अभियंता लक्की गोठवाल ने बताया कि मरम्मत कार्य को लेकर गुरूवार को एफसीआई गोदाम, हनुमान नगर, जमात, एफसीआई गोदाम के पीछे की कॉलोनी, जमात पेट्रोल पंप एवं टीबा की ढाणी के आसपास क्षेत्र में सुबह 8:30 से 11:30 बजे तक बिजली बंद रहेगी।

मालपुरावासियों को जल्द मिलेगी साढ़े नौ करोड़ के नवीन डेयरी प्लांट की सौगात

- जिले का सबसे बड़ा होगा मालपुरा का नवीन प्लांट
- नवीन प्लांट में 9 प्रकार के सरस उत्पाद आमजन को मिलेंगे

मालपुरा, (निसं)। टोंक जिला दुग्ध उत्पादक सहकारी संघ लिमिटेड टोंक की 9वीं वार्षिक आमसभा का आयोजन बुधवार को घाणा के बालाजी के पास साढे नौ करोड की लागत से निर्मित नवीन डेयरी प्लांट सभागार में हुआ। डेयरी संघ के टोंक जिला अध्यक्ष दुर्गालाल जाट ने अवगत करवाया कि मालपुरा के नवीन डेयरी प्लांट का कार्य लगभग पूर्ण हो चुका है। नवीन प्लांट में 60 हजार लीटर दुग्ध संग्रह की क्षमता का टैंक व मशीनरी लगाई गई है। नवीन प्लांट में छाछ, दूध, दही, लस्सी, पनीर, श्रीखण्ड, घी इत्यादि 9 प्रकार के सरस के उत्पादक आमजन को मिल सकेगें।

राजस्थान के अत्याधुनिक नवीन डेयरी प्लांटों में शामिल मालपुरा के डेयरी प्लांट की सौगात जिलेवासियों को दिलवाने में स्व.पूर्व डेयरी चेयरमैन कमल चौधरी की अहम भूमिका रही है। उनके अधूरे सपने को अब पूरा कर किसानों, पशुपालकों व आमजन को साढे नो करोड के प्लांट की सौगात जल्द मुख्यमंत्री व डेयरी मंत्री के हाथो दी जायेगी। वार्षिक आमसभा में आरसीडीफ के प्रदेश प्रतिनिधि सार्वत, टोंक जिला डेयरी प्रबंधक सुबेदीन खान व मालपुरा प्लांट प्रभारी रामावतार शर्मा ने अवगत करवाया कि कोरोना काल के चलते चार साल बाद आज संघ की 9वीं आमसभा आयोजित की गई है। जिसमे सवाईमाधोपुर संघ ने बकाय चल रहे 2 लाख 49 हजार 161 रूपये की बकाया वसूली किये जाने, गत वर्ष के अनुमोदित बजट से अधिक खर्च हुई 91 लाख रूपये की राशि का भी आमसभा में अनुमोदन किया गया।

लाम्बाहरिसिंह दुग्ध उत्पादक सहकारी संघ अध्यक्ष रूपचन्द आकोदिया व सुलेमान ने जिले में बंद पडी समितियों को पुनः चालू करने तथा पशुपालकों को 30 हजार रूपये में उन्नत नस्ल का पाडा उपलब्ध करवाये जाने के प्रस्ताव रखे गये। जिनका भी अनुमोदन किया गया व वनस्थली विद्यापीठ से टोंक डेयरी संघ की अनुबंध पर हर्ष व्यक्त कर सदन ने ध्वनिमद से जिला पदाधिकारियों का आभार जताया। मालपुरा डेयरी प्लांट प्रभारी रामावतार शर्मा ने बताया कि नवीन डेयरी प्लांट से जिले की 450 समितियां व 200 दुग्ध संग्रह केन्द्र सहित डेढ लाख पशुपालक लाभान्वित होगे।

टोंक जिला दुग्ध उत्पादक सहकारी संघ लिमिटेड की 9वीं वार्षिक आमसभा में टोंक डेयरी प्रबंधक सुबेदीन खान (बाये से दूसरा), आरसीडीएफ का प्रदेश प्रतिनिधि सारवत (बाये से प्रथम) ने शिरकत की।

उत्पीड़न रोकथाम प्रकोष्ठ गठन की मांग

जयपुर, (निसं)। राजस्थान विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालय शिक्षक संघ के प्रदेश संयोजक डॉ.रमेश बैरवा ने कॉलेज शिक्षा आयुक्त को ज्ञापन भेजकर महाविद्यालयों में जातिगत भेदभाव एवं उत्पीडन पर रोकथाम के लिए विशेष प्रकोष्ठ के गठन की मांग की है। ज्ञापन में लिखा कि दलितों पर बढ़ते उत्पीड़न की घटनाओं के मद्देनजर राज्य सरकार ने कॉलेज शिक्षा सहित समस्त विभागों को अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम 1989 यथासंशोधित अधिनियम 2015 एवं 2016 के प्रावधानों की कठोरता से पालन हेतु आदेशित किया है। आयुक्तालय कॉलेज शिक्षा ने भी अपने 6 अक्तूबर के आदेश के तहत सरकारी कॉलेजों के प्राचार्यों को एससी एसटी एक्ट की कठोरता से पालना सुनिश्चित कराने के लिए आदेशित किया है। रुक्टा डेमोक्रेटिक एक बार फिर इस आदेश का स्वागत करता है तथा मांग करता है कि महाविद्यालयों में जातिगत भेदभाव एवं उत्पीडन रोकथाम प्रकोष्ठ के गठन के लिए प्राचार्यों को आदेशित किया जाए।

टोंक कलेक्टर ने मनरेगा के तहत प्रगतिरत कार्यों का जायजा लिया

टोंक, (निसं)। कलेक्टर चिन्मयी गोपाल ने बुधवार को पंचायत समिति टोंक की ग्राम पंचायत घास एवं काबरा में मनरेगा में इंटर लांकिग सडक निर्माण के तहत कराए जाने वाले कार्यो का जायजा लिया।

टोंक पंचायत समिति की विभिन्न ग्राम पंचायतों में 60 इंटरलांकिग सडक निर्माण के कार्यो पर लगभग 9 करोड रूपये की राशि खर्च की जाएगी। जिला कलेक्टर ने विकास अधिकारी टोंक रामावतार यादव को कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए। जिला कलेक्टर के नवाचार के तहत चंदलाई बांध के किनारे मनरेगा में प्रगतिरत 30 लाख रूपये की राशि से बनाए जाने वाले इंटरलांकिग वॉकिंग ट्रैक एवं बैठक व्यवस्था का निरीक्षण किया।इसके बाद जिला कलेक्टर ने ग्राम पंचायत बरोनी में जनसुनवाई की। जहां उन्होंने ग्रामीणों की समस्याओं को सुनकर तत्काल निराकरण के निर्देश दिए। उन्होंने ग्राम पंचायत के रिकार्ड, जॉब कार्ड, नरेगा की वर्क पत्रावली, एसएफसी, एफएफसी के काम, बिल, वाउचर, कैशबुक, स्टॉक एंट्री, जन्म मृत्यु एवं विवाह प्रमाण पत्र जारी किये जाने की जांच की। जिला कलेक्टर ने ग्राम पंचायत के व्यवस्थित रिकार्ड संधारण की सराहना करते हुए ग्राम विकास अधिकारी प्रियंका तंवर से आवासीय पट्टे वितरण एवं पटवारी कमल किशोर खारोल से म्यूटेशन में पेंडसी की जानकारी ली। साथ ही पेंडसी को समाप्त करने के निर्देश दिए।

टोंक कलेक्टर चिन्मयी गोपाल ने आवश्यक निर्देश दिये।

चिकित्सा मंत्री ने जनसुनवाई में राहत दी

लालसोट, (निसं)। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री परसादी लाल मीणा ने बुधवार को पंचायत समिति सभागार में जनता दरबार लगाकर जन सुनवाई की। वहीं चिकित्सा मंत्री मीणा द्वारा खेमावास एवं देवली में बनने वाले उप स्वास्थ्य केंद्र के नए भवनों का शिलान्यास कर कार्य की शुरुआत की गई। जन सुनवाई के दौरान मूलभूत समस्याओं के मुद्दे छाए रहे। वहीं स्वास्थ्य मंत्री द्वारा अधिकारियों को आम जनता की समस्याओं के प्रति सजग रहते हुए तुरंत उनकी समस्याओं का समाधान कर लोगों को राहत प्रदान करने के निर्देश दिए गए। पंचायत समिति सभागार में मंत्री मीना ने लालसोट क्षेत्र के आमजन की समस्यायों से रुबरु होते हुए संबंधित अधिकारियों को समस्याओं का समाधान करने के लिए निर्देश दिए। चिकित्सा मंत्री मीना ने विधुत विभाग, जलदाय विभाग के अधिकारियों से क्षेत्र में बिजली और जल की व्यवस्थाओं की लेकर जानकारी ली।

सार-समाचार

मुख्य स्टैंड से रोडवेज बस चलाने की मांग

नारायणपुर, (निसं)। कस्बे में पिछले काफी समय से पुरुषोत्तमदास तिराए हो रहे रोडवेज बसों के संचालन को लेकर कस्बे के ग्रामीणों ने मुख्य बस स्टैण्ड से रोडवेज बसों का संचालन की मांग की है। ग्रामीणों ने बताया की पुरुषोत्तम तिराए से रोडवेज बसों के संचालन से कस्बे के वृद्धजन, महिला, निशक्तजन एवं बीमार व्यक्ति को अलवर जाने के लिए रोडवेज बसों में सफर के लिए ग्रामीणों को लगभग एक किलोमीटर की दूरी तय करने में काफी परेशानी का सामना करना पडता है। ग्रामीणों ने बताया कि कस्बे में लाखों रूपये से निर्मित रोडवेज बसों का स्टैण्ड होने के बावजूद रोडवेज बसों का संचालन मुख्य बस स्टैण्ड से ना होकर पुरुषोत्तम तिराए से हो रहा है जबकि पूर्व में जागरूक व्यक्ति भवानीशंकर वैद्य के द्वारा रोडवेज प्रशासन के खिलाफ धरना दिया गया था। जैसे ही प्रशासन पर जन आन्दोलन का दबाव बनता है। तब तक कुछ समय के लिए रोडवेज बसों का संचालन बस स्टैण्ड से कर दिया जाता है। उसके बाद स्थिति ज्यो कि त्यों हो जाती है। ग्रामीणों के अनुसार इस स्थिति से क्षेत्र के जनप्रतिनिधि वाखिफ होने के बावजूद अनजान बने हुए है। कस्बे के ग्रामीणों ने प्रशासन से जल्द मुख्य बस स्टैंड से रोडवेज बसों की संचालन की मांग की है साथ ही ग्रामीणों ने नारायणपुर-अलवर सडक मार्ग पर यात्री भार को देखते हुए रोडवेज बसों की संख्या बढाने की मांग की है। इधर एसडीएम सुनीता मीणा ने बताया कि संबंधित अधिकारी से बात करके जल्द समस्या का समाधान कर दिया जायेंगा।

लंपी योद्धाओं व पत्रकारों का सम्मान

बहरोड/अलवर, (निसं)। बहरोड शहर स्थित सुरभी मैरिज गार्डन में अलवर से पधारे डॉ विजय मंडोवरा के नेतृत्व में शुभेच्छा फाउंडेशन द्वारा लंपी स्किन महामारी में गौ सेवा कार्यक्रम अन्तर्गत उत्कृष्ट कार्य हेतु विभिन्न मीडिया हाउस के पत्रकारों, लायन्स क्लब बहरोड, भारत विकास परिषद् बहरोड, भाविक मेडिकल स्टोर बहरोड एवं गो सेवकों का उपरना ओढाकर एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मान किया गया। इस हेतू लायंस क्लब बहरोड के अध्यक्ष लायन सत्य नारायण अग्रवाल, भारत विकास परिषद् बहरोड अध्यक्ष कृष्ण यादव, भाविक मेडिकल स्टोर के मालिक संदीप कुमार का सम्मान किया गया एवं वरिष्ठ पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ अनिल गुप्ता का उनके योगदान हेतु तथा दिन रात कठिन परिश्रम कर गो माता की चिकित्सा करने वाले राकेश सैनी, नितिन यादव, विक्रम चौधरी, युवा गो सेवक व प्रशिक्षित निजी पशु उपचार कर्मी देशराज यादव, अशोक कुमार, शीशम सुंदर गुर्जर गूजरवास, रवि यादव, सुधीर यादव एवं महामारी के बारे में लोगों को जाग्रत कर उपचार में मदद हेतू सभी पत्रकारों का सम्मान किया गया। इस अवसर पर शुभेच्छा फाउंडेशन से संयुक्त सचिव डॉ अर्चना श्रृंगी, संयुक्त सचिव संगीता शर्मा, प्रवक्ता राजेश शर्मा, इनर व्हील क्लब से गुड्डी अग्रवाल आदि उपस्थित रहे।

शातिर किडनैपर व साथी गिरफ्तार

जयपुर, (निसं)। सामोद थाना पुलिस ने एक शातिर फरार गैंगस्टर विक्की रोहिल्ला को दिल्ली से गिरफ्तार किया हैं। आरोपी के खिलाफ देश में आधा दर्जन से अधिक राज्यों में 200 से अधिक आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। गिरफ्तार विक्की रोहिल्ला हरियाणा का रहने वाला हैं। आरोपी ने 25जुलाई को सामोद निवासी रामधन यादव का अपहरण किया था। पुलिस पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह शौक पूरा करने के लिए अपराध के रास्ते में आ गया। आरोपी विक्की के खिलाफ दर्जनों अपहरण के मामले दर्ज हैं। दो बच्चों का पिता विक्की डिस्को, लग्जरी कार, मोबाइल का शौकीन हैं। शौक पूरा करने के लिए वह किडनेपिंग का करने लगा। राजस्था में भी आरोपी ने अपनी एक गैंग बना रखी हैं। वहीं यूपी और हरियाण के लड़कों के साथ ये वारदात करने के लिए जयपुर आता हैं। आरोपी का एक साथ यूपी निवासी शाहरुख को भी पुलिस ने जयपुर सेन्ट्रल जेल से गिरफ्तार किया हैं।

दो फरार वारंटी गिरफ्तार

कोटपूतली, (निसं)। स्थानीय थाना पुलिस ने कार्यवाही करते हुए दो फरार वांरटियों को गिरफ्तार करने में सफलता हांसिल की है। पुलिस के अनुसार रमेश कुमार पुत्र रामप्रसाद गुर्जर निवासी कल्याणपुरा खुर्द व रविन्द्र पुत्र दुलीचन्द मीणा निवासी मौहल्ला बुचाहेडा को गिरफ्तार किया है।

एक नए शोध से इस बात की पुष्टि हुई है कि एक दिन में 10,000 कदम चलना स्वास्थ्य के इच्छित नतीजे पाने के लिए आदर्श लक्ष्य है, लेकिन विशेषज्ञों ने अपने शोध में यह भी पाया कि, सिर्फ इतना ही ज़रुरी नहीं है कि आप कितना दूर चले, बल्कि फर्क इस बात से पड़ता है कि कितना तेज चले। शोधकर्ताओं ने एक्टिविटी ट्रैकर प्रयुक्त कर रहे 78,00 वयस्कों को मॉनिटर किया। वरिष्ठ शोध लेखक, युनिवर्सिटी ऑफ सिडनी में प्रोफेसर इमैनुअल स्टैमाटाकीस ने कहा कि, कदमों की गणना आसानी से समझ में आती है और सक्रियता के स्तर को नापने के लिए बड़े पैमाने पर इसका इस्तेमाल होता है और फिटनैस ट्रैकर्स तथा एप्स की वजह से इसकी लोकप्रियता बढ़ रही है लेकिन लोग कदमों की रफ्तार के बारे में ज्यादा नहीं सोचते हैं।" उन्होंने आगे कहा कि "इन अध्ययनों का उद्देश्य पैदल चलने पर आधारित फिज़िकल एक्टिविटी के बारे में औपचारिक गाइडलाइन्स देना और प्रभावशाली जनस्वास्थ्य कार्यक्रम विकसित करना है।" विशेषज्ञों ने पाया कि, प्रतिदिन दस हजार कदम चलने का सम्बंध डिमेन्शिया, हृदय रोग, कैंसर व असमय मृत्यु आदि का खतरा कम होने से है। शोध में पाया गया कि, जो प्रतिभागी अधिक तेज गति से चले उनमें ज्यादा फायदे दिखाई पड़े। सहशोध लेखक, युनिवर्सिटी ऑफ सिडनी के डॉ. मैथ्यू अहमदी ने कहा कि, "स्वास्थ्य की सुरक्षा के लिए लोगों को ना केवल 10,000 कदम चलने का लक्ष्य बनाना चाहिए बल्कि तेज गति से चलने का नियम भी बनाना चाहिए।" एक अन्य सहलेखक, युनिवर्सिटी ऑफ सदर्न डेनमार्क के बोर्हे डैल पोहो फ्रूज़ ने कहा, हमारे शोध ने बताया कि कम सक्रिय लोग अगर प्रतिदिन 3800 कदम भी रोज चलें तो डिमेन्शिया का खतरा 25 प्रतिशत तक कम कर सकते हैं।" शोधकर्ताओं के अनुसार प्रत्येक 2000 कदम से असमय मृत्यु का खतरा 8 से 11 प्रतिशत कम हो जाता है। शोधकर्ताओं ने कहा कि लम्बे समय तक ट्रैकर के इस्तेमाल के साथ और अधिक शोध करने से रोज पैदल चलने के और फायदों पर प्रकाश डाला जा सकता है।

103 करोड़ रू. के अवॉर्ड के एवज में कोर्ट ने रोडवेज की हजारों करोड़ रू. की सम्पत्ति अटैच की

साथ ही वाणिज्यिक कोर्ट ने 103 करोड़ रूपये के रिकवरी मामले में रोडवेज सी.एम.डी. से 20 अक्टूबर को जवाब मांगा है

- कोर्ट ने रोडवेज अध्यक्ष का ऑफिस फर्नीचर और सिंधी कैम्प बस अड्डे को बेचने और हस्तांतरण पर पाबंदी लगा दी।
- राजस्थान परिवहन निगम मंत्रालयिक एवं अधीनस्थ कर्मचारी संघ के अध्यक्ष सर्वेश्वर शर्मा ने हैरानी जताते हुए कहा, ताज्जुब की बात यह है कि, परिवहन भवन राज्य सरकार की संपत्ति है, इस प्रकरण में सरकार तो पार्टी थी ही नहीं, फिर भी रोडवेज मुख्यालय और सिंधी कैम्प बस स्टैंड की जमीन के साथ-साथ परिवहन भवन को अटैच कर लिया गया।

जयपुर, 19 अक्टूबर (का.सं.)। वाणिज्यिक मामलों की विशेष अदालत ने रोडवेज से एक अरब तीन करोड रुपए से अधिक की रिकवरी के मामले में रोडवेज अध्यक्ष को बीस अक्टूबर को पक्ष रखने को कहा है। वहीं, अदालत ने रोडवेज अध्यक्ष को पाबंद किया है कि, वे आगामी आदेश तक इस मामले में शामिल संपत्तियों का बेचान, दान या अन्य किसी के पक्ष में हस्तांतरण ना करें। अदालत ने यह आदेश मैसर्स आशापुरा ट्रेड एवं ट्रांसपोर्ट प्रा.लि. के प्रार्थना पत्र पर सुनवाई करते हुए दिए।

कोर्ट ने रोडवेज अध्यक्ष के ऑफिस व कुर्सी सहित जिन अन्य संपत्तियों के बेचने और हस्तांतरित करने पर पाबंदी लगाई है, उनमें रोडवेज का सी स्कीम स्थित भवन, सिंधी कैंप बस स्टैंड की जमीन व ऑफिस, रोडवेज का लालकोठी स्थित भवन और रोडवेज का परिवहन मार्ग स्थित प्रबंध निदेशक का ऑफिस व कुर्सी शामिल हैं।

कंपनी की ओर से अदालत में प्रार्थना पत्र पेश कर कहा गया था कि, उसके व रोडवेज के बीच हुए विवाद में आर्बिट्रेटर ने प्रार्थी के पक्ष में डिक्री पारित की थी। डिक्री आदेशानुसार उसे रोडवेज से करीब 103 करोड़ रुपए की रिकवरी करनी है। इसलिए डिक्री आदेश की पालना करवा कर रोडवेज से डिक्री राशि की रिकवरी करवाई जाए। जिस पर कोर्ट ने रोडवेज के अध्यक्ष को नोटिस जारी कर तलब किया है।

वहीं दूसरी ओर राजस्थान परिवहन निगम मंत्रालयिक एवं अधीनस्थ कर्मचारी संघ के प्रदेशाध्यक्ष सर्वेश्वर कुमार शर्मा ने रोडवेज सीएमडी संदीप वर्मा को पत्र लिखकर वाणिज्यिक कोर्ट के आदेश पर आपत्ति जताई है।

सर्वेश्वर शर्मा ने कहा, "आश्चर्यजनक है कि 103 करोड़ के अवॉर्ड के बदले में कोर्ट ने राजस्थान रोडवेज की हजारों करोड़ रुपये की संपत्ति अटैच कर दी है। ऐसा करने से पहले रोडवेज निगम को कोई नोटिस तक नहीं दिया गया। जबकि रोडवेज निगम प्रशासन ने इसी कोर्ट में अपील दायर कर रखी है। अदालत ने मात्र 103 करोड़ रुपये के प्रकरण में सी-स्कीम स्थित रोडवेज मुख्यालय, सिंधी कैंप बस स्टैंड की जमीन तथा सहकार मार्ग स्थित परिवहन भवन को अटैच कर दिया, जो कि सरासर नाइंसाफी है। इससे भी बड़ी ताज्जुब की बात यह है कि परिवहन भवन राज्य सरकार की संपत्ति है, इस प्रकरण में सरकार तो पार्टी थी ही नहीं, फिर परिवहन भवन को क्यों अटैच किया गया।" सर्वेश्वर शर्मा ने अपने पत्र में आगे लिखा कि, पिछले दो-तीन माह से कुछ लोग रोडवेज की छवि खराब करने के लिए षड्यंत्र रच रहे हैं, जिससे कर्मचारियों को समय पर वेतन और पेंशन नहीं मिल सके। ऐसे रोडवेज विरोधी लोगों की सीबीआई से जांच होनी चाहिए।

इस मामले को जानने वाले व्यक्ति ने कहा कि, इस मामले में हैरानी की बात है कि राज्य सरकार के द्वारा नियुक्त एडीशनल एडवोकेट जनरल (ए.ए.जी.) ने ही इस थर्ड पार्टी के लिये केस लड़ा और राज्य सरकार की ही संपत्ति की कुर्की कराने के संबंध में अदालत के समक्ष पैरवी की।

हिमाचल में भाजपा ने 11 विधायकों के टिकट काटे

नई दिल्ली, 19 अक्टूबर (वार्ता)। भाजपा ने हिमाचल प्रदेश के विधान सभा के चुनाव के लिए बुधवार को 62 उम्मीदवारों की पहली सूची जारी की और मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर को सिराज सीट से टिकट दिया है। भाजपा ने ग्यारह विधायकों के टिकट काट दिये हैं।

- भाजपा ने 62 उम्मीदवारों की पहली सूची जारी की, बहुत से नये व युवा चेहरों को टिकट दिया।

पार्टी की केंद्रीय चुनाव समिति की कल रात हुई बैठक में उम्मीदवारों के नामों पर मुहर लगायी गयी थी। बैठक की अध्यक्षता भाजपा अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने की।

इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह तथा समिति के अन्य सदस्य उपस्थित थे।

पहली सूची के 62 उम्मीदवारों में पांच महिलाएं हैं।

जमीन के दस्तावेज की एवज में पटवारी ने ली 25.21 लाख की घूस

जोधपुर ए.सी.बी. ने अल सुबह पटवारी के घर पर रेड की

जोधपुर, 19 अक्टूबर (कास)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो जोधपुर की टीम ने बुधवार की सुबह भ्रष्टाचार की बड़ी कार्रवाई करते हुए एक पटवारी को 25.21 लाख की रिश्वत के आरोप में गिरफ्तार किया है। पटवारी के मकान से तलाशी में भी 3 लाख 44 हजार 500 रूपए की नगदी मिली है। शाम तक एसीबी की कार्रवाई जारी थी। दस्तावेजों भी खंगाला जा रहा है। खबर है कि, पहले पटवारी की तरफ से जमीन की मांग की गई थी। जमीन नहीं दिए जाने पर रुपए लिए गए।

ए.सी.बी. के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. दुर्ग सिंह ने बताया कि, मदेरणा कॉलोनी के रहने वाले परिवादी मनोज ग्वाला ने एसीबी कार्यालय में उपस्थित होकर रिपोर्ट दी कि उनकी 2 बीघा 5 बिस्वा जमीन भदवासिया, पूंजला क्षेत्र में है।

इस जमीन का नक्शा और अन्य दस्तावेज लेने के लिए वह मंगरा पूंजला पटवार हलके में कार्यरत पटवारी बीरबलराम से मुलाकात की थी। परिवादी ने बताया कि, जब यह जमीन ली गई तब इसका म्यूटेशन भरने के नाम पर पटवारी ने 50 हजार रुपए लिए थे। इसके बाद पटवारी ने परिवादी से 2 बीघा जमीन के बेचान के बदले प्लॉट मांगा था।

- घर में 3.44 लाख नकद के अलावा पत्नी के नाम पर भूखण्ड और अन्य दस्तावेजों सहित, पांच लाख के सोने के जेवरात भी मिले।

परिवादी ने बताया कि, पटवारी ने मंगरा पूंजला में 30 गुणा 60 का प्लॉट मांगा था। जब उसने प्लॉट देने से मना कर दिया तो उसके बजाय 25 लाख 80 हजार रुपए की रिश्वत मांगी थी। इसके बाद परिवादी ए.सी.बी. पहुंचा और एसीबी में शिकायत दी।

25 लाख के डमी नोट देकर भेजा

ब्यूरो के एएसपी डॉ. राजपुरोहित ने बताया कि, आज सुबह एसीबी ने 21 हजार रुपए और 25 लाख रुपए के डमी नोट देकर परिवादी को मंगरा पूंजला भेजा। यहां जैसे ही पटवारी ने रिश्वत के रुपए लिए उसे रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया गया।

दस्तावेज के लिए मांगे थे 25.80 लाख

एएसपी राजपुरोहित के अनुसार दस्तावेजों के लिए 25 लाख 80 हजार रुपए पटवारी ने मांगे थे। इसके बाद 25 लाख 21 हजार में सौदा तय हुआ। इसके बाद बुधवार सुबह माता का थान क्षेत्र में रामसागर चौराहे के समीप रिश्वत लेते पटवारी को रंगे हाथों एसीबी ने गिरफ्तार कर लिया। पटवारी ओसियां के पास भाखरी गांव का रहने वाला है। यह भी पता लगा कि परिवादी अपनी किसी जमीन को बेचने वाला है और बड़ा फायदा होने वाला है। तब पटवारी ने उससे रिश्वत में पहले प्लॉट फिर रूपए फाइनल किए।

पत्नी के नाम पर भूखण्ड और दस्तावेज मिले

ब्यूरो एएसपी डॉ. दुर्गसिंह राजपुरोहित ने बताया कि, आरोपी के घर की भी तलाशी ली गई। उसकी पत्नी मांगी के नाम भूखंड, बीरबल के नाम पर दो बीघा कृषि फार्म भूमि एवं विभिन्न व्यक्तियों के नाम की बेचाननामा, वसीयतनामा, इकरारनामा आदि 17 संदिग्ध दस्तावेज की फोटो कॉपी प्रतियां एवं सोने चांदी के जेवरात मिले हैं। सोने का अधिकृत रूप से मूल्यांकन 5 लाख 47 हजार 347 रुपये और चांदी का मूल्यांकन 12 हजार 825 रूपए आ रहा है।

झोपड़ी में आग लगने से दो बच्चियां जिंदा जलीं

पुष्कर के गांव चावंडिया में हुए इस हादसे से दो बच्चों ने भागकर अपनी जान बचाई

पुष्कर, 19 अक्टूबर (निसं)। पुष्कर के गांव चावंडिया में झोपड़ी में आग लगने से दो मासूम छोटी बच्चियां आग में जिंदा जल गईं तथा दो बच्चों ने भागकर किसी तरह से अपनी जान बचाई। पुष्कर थाना अधिकारी रवीश कुमार ने बताया कि, आग में झुलसने से दो बच्चियों की मौके पर ही मौत हो गयी।

- मरने वाली पूजा (3 वर्ष) तथा दीपा (एक वर्ष) सगी बहनें थीं।

ग्राम बासेली सरपंच और तिलोरा सरपंच मौके पर पहुंचकर पुष्कर थाना और फायर ब्रिगेड को सूचना दी। मौके पर फायर ब्रिगेड की गाड़ी व एएसआई छीतर लाल पुलिस टीम ने सहित घटनास्थल पर पहुंच कर आग को बुझाया। बासेली सरपंच ओम प्रकाश व तिलोरा सरपंच समुंदर सिंह ने पीड़ित बच्चियों के पिता को पांच-पांच हजार रु. की आर्थिक सहायता दी।

वही एएसआई छीतर लाल ने बताया कि, गांव चावंडिया में झोपड़ी में आग लगने की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचे। जहां जानकारी में पता चला कि, घर में चूल्हा जल रहा था, जिसकी वजह से झोपड़ी में आग लग गई। मौके पर पीड़ित पिता ने बताया कि पूजा उम्र करीबन 3 साल व दीपा उम्र करीबन 1 साल की झुलसने से मौके पर मौत हो गई। शव को पुलिस की गाड़ी में पुष्कर के राजकीय अस्पताल लाया गया। दोनों के शव को मोर्चरी में रखवा दिया है। पुलिस ने बताया कि, जिस समय झोपड़ी में आग लगी तब माता-पिता दोनों काम पर गए हुए थे।

कामाख्या ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

ठीक से रखरखाव नहीं हो रहा है यह मेरी निजी राय है। हायजीन से कोई समझौता नहीं किया जा सकता है।"

वरिष्ठ अधिवक्ता राजीव धवन, जो मंदिर के पक्षकार थे, ने कहा कि यह केस ऐसा है जिसमें कुछ लोगों ने पत्र लिखा है कि "हायजीन" (स्वच्छता) का ख्याल नहीं रखा जा रहा है। उन्होंने कोर्ट को बताया कि मंदिर की देखरेख के लिए आई.आई.टी. जैसी "एक्सपर्ट" समितियां हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने मामले की सुनवाई जनवरी 2023 तक के लिए स्थगित कर दी ताकि सभी पक्ष एक उपयुक्त हल निकाल सकें।

खड़गे को बधाई...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

हिस्सा बताया था। इस रिपोर्ट के फलस्वरूप, गहलोत को कांग्रेस अध्यक्ष पद की उम्मीदवारी से दूर कर दिया गया था।

अशोक गहलोत डॉ. मनमोहन सिंह तथा अन्य नेताओं से मिलने भी गये, जिनमें अम्बिका सोनी तथा मुकुल वासनिक भी शामिल थे। ये दोनों नेता अशोक गहलोत के पक्के समर्थक एवं सहयोगी हैं। यह सर्वविदित है कि अम्बिका सोनी की डॉ. मनमोहन सिंह से काफी नजदीकी है और अगर मनमोहन सिंह, सोनिया गांधी से गहलोत के पक्ष में एक शब्द भी कह देते हैं तो क्या सोनिया गांधी उसके लिए मना कर सकती हैं?

इसके बाद, ये तीनों उसी कार में बैठकर खड़गे के निवास पर उनसे मिलकर, कांग्रेस अध्यक्ष बनने पर उन्हें बधाई देने गये थे। यह भी समझा जाता है कि अशोक गहलोत प्रियंका गांधी से मिलने उनके सुजान सिंह पार्क-स्थित निवास पर गये थे, जहाँ उस समय ए.आई.सी.सी. कोषाध्यक्ष पवन बंसल भी मौजूद थे। क्या यह भेंट गुजरात चुनाव के लिये फन्डिंग सम्बन्धित थी, या फिर इससे भी बड़ी कोई बात थी, जो सामान्य नजरों की परिधि में नहीं आ पाती?

अशोक गहलोत चार दिन के लिये गुजरात जाना भी चाहते थे। इस सम्बन्ध में उन्होंने रघु शर्मा से भी बात की थी। इसके बाद, रघु शर्मा ने के. सी. वेणु गोपाल तथा उन्होंने भी आगे राहुल गांधी से इस बारे में पूछा। राहुल गांधी का वापसी संदेश मिला कि वे 19 अक्टूबर तक जा सकते हैं, अर्थात उसी दिन, जिस दिन खड़गे कांग्रेस अध्यक्ष निर्वाचित होने वाले हैं। इस प्रकार, गहलोत दो दिन के लिये गुजरात चले गये।

'नीतीश कुमार ने भाजपा से वापस जुड़ने का रास्ता खुला छोड़ रखा है?'

पटना, 19 अक्टूबर। जन सुराज यात्रा के तहत बिहार के गांव-गांव घूम रहे चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर ने सनसनीखेज दावा किया है कि सीएम नीतीश कुमार बीजेपी के संपर्क में हैं और समय की जरूरत हुई तो वो एक बार फिर से बीजेपी के साथ गठबंधन कर सकते हैं। प्रशांत किशोर ने कहा कि जेडीयू सांसद और राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश के जरिए नीतीश कुमार ने बीजेपी से संवाद का यह रास्ता खोला गया है। प्रशांत किशोर ने कहा, जो लोग यह सोच रहे हैं कि नीतीश कुमार भाजपा के खिलाफ राष्ट्रीय गठबंधन बनाने के लिए पूरी कोशिश कर रहे हैं, वे यह जानकर चकित रह जाएंगे कि उन्होंने भाजपा के साथ रास्ता खुला रखा है। वह अपनी पार्टी के सांसद और राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश जी के जरिए भाजपा के संपर्क में हैं।

फड़नविस के साथ डिनर करेंगे शरद पवार

डिनर प्लान की इन चर्चाओं ने महाराष्ट्र की राजनीति का पारा गर्मा दिया है, जिसमें मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे भी शामिल होंगे

मुंबई, 19 अक्टूबर। महाराष्ट्र में अंधेरी पूर्व सीट पर उपचुनाव और बृहन्मुंबई महानगरपालिका चुनाव के चलते सियासी गतिविधियां तेज हैं। अब राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी सुप्रीमो शरद पवार के डिनर प्लान ने चर्चाएं बढ़ा दी हैं। चर्चा है कि, शरद पवार राज्य के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और उप मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के साथ बुधवार को भोजन कार्यक्रम में शामिल होने जा रहे हैं।

खास बात है कि मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन के चुनाव नजदीक हैं। हालांकि, इस रात्रि भोज को लेकर दोनों ही पक्ष राजनीति से दूरी की बात कर रहे हैं। साथ ही उनका कहना है कि अलग-अलग राजनीति दलों के बड़े नेता क्रिकेट का जश्न मनाने के लिए साथ आ रहे हैं। खास बात है कि मुंबई में बीएमसी चुनाव भी होने हैं। इससे पहले अंधेरी पूर्व की सीट पर उपचुनाव होंगे।

- उप मुख्यमंत्री फड़नविस के एक करीबी ने कहा, महाराष्ट्र क्रिकेट एसोसिएशन (एम.सी.ए) प्रतिष्ठित एसोसिएशन है और फड़नविस और पवार की रात्रि भोज की योजना एम.सी.ए. के चुनाव से जुड़ी है। दरअसल क्रिकेट एसोसिएशन का बहुत जल्द चुनाव होने वाला है।

मीडिया रिपोर्ट में भाजपा सूत्रों के हवाले से बताया गया, मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस और राकंपा अध्यक्ष शरद पवार अन्य लोगों के साथ बुधवार को वानखेड़े स्टेडियम के गरवारे क्लब में डिनर करेंगे। एक रिपोर्ट के अनुसार, फडणवीस के एक करीबी ने कहा, एमसीए को प्रतिष्ठित एसोसिएशन है और फडणवीस और पवार की रात्रि भोज की योजना एमसीए से जुड़ी है। यह पूरी तरह खेल की बात है। ऐसे मामलों में राजनीति न देखें।

सीएम शिंदे की अगुवाई वाले शिवसेना गुट के विधायक भरत गोगावले और राज्य सरकार के मंत्री उदय सामंत के नेतृत्व वाले पैनल को उनके पैतृक गांवों में हुए ग्राम पंचायत चुनावों में हार का सामना करना पड़ा है। इसके अलावा भाजपा ने स्कूली शिक्षा मंत्री और शिंदे खेमे के सदस्य दीपक केसरकर के गृह जिले सिंधुदुर्ग में 3 ग्राम पंचायत सीट पर जीत हासिल की है।

मोदी ने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

हिन्दी मुहावरे का इस्तेमाल करते हुए कहा, "बातें तो बहुत करते हैं, पर काम कुछ नहीं: खोखला चना बाजे घणा। उन्होंने कहा कि एक तानाशाह की सनक पर भारत की बलि नहीं दी जा सकती इन ताकतों को हराने के लिए हमें एक जुट होना होगा।" खड़गे ने शशि थरूर को भी बधाई दी और उन्हें "माय पार्टनर" कह कर संबोधित किया और कहा कि वे शशि थरूर के साथ पार्टी को आगे बढ़ाने के बारे में चर्चा करेंगे।

हाई कोर्ट को यह तय...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

तय की थी, तब आयोग ने अपने आदेश में कहा कि राज्य की सभी डिस्कॉम इस दर पर "संभवत:" बिजली खरीद सकती हैं। उन्होंने कहा कि आयोग को अपने आदेश में केवल यह कहना चाहिये था कि सभी डिस्कॉम 3.14 रुपये प्रति यूनिट की दर पर बिजली खरीदेंगी। उन्होंने कहा कि 2019 के आदेश से ऐसा प्रतीत होता है कि आयोग बहुत कमजोर संस्था हैं जो अपना कर्तव्य पूरा नहीं निभा पा रहा है, जबकि केवल आयोग के पास ही यह अधिकार है कि वह बिजली की दरें तय कर सकता है।

बहस के दौरान यह तथ्य भी सामने आया कि राज्य की सभी डिस्कॉम्स ने अदालत के दो दिन में ही आर.ई.सी. के तहत बने सभी प्लांट्स के संचालक को चिट्ठी लिखकर कह दिया था कि वह उनके परचेज पावर एग्रीमेंट (पी.पी.ए.) यानी बिजली खरीदने का अनुबंध नहीं करेंगी क्योंकि उन्हें अक्षय ऊर्जा के ओपन मार्केट में बने प्लांटों से सस्ते में बिजली मिल रही है।

आज सुनवाई के दौरान अधिवक्ता पी.एन.भंडारी ने कहा कि उनके मुवक्किल डिस्कॉम को 3.14 रुपये प्रति यूनिट पर बिजली बेचने को तैयार हैं और वह इस बहस में नहीं पड़ना चाहते कि ये दरें कानूनी रुप से उचित हैं कि नहीं। इस दौरान याचिकाकर्ताओं में से एक एन.पी.सी.एल. की ओर से वकील सुकृति कासलीवाल ने भी कहा कि उनके मुवक्किल भी डिस्कॉम द्वारा तय दर मानने को तैयार हैं परंतु डिस्कॉम्स को पी.पी.ए. हस्ताक्षरित करना ही होगा। अदालत को महाधिवक्ता ने इस तथ्य से अवगत कराया कि 108 याचिकाकर्ताओं में से 51 आयोग द्वारा तय की गई दर पर पी.पी.ए. करने को तैयार हैं।

अधिवक्ता पी.एन.भंडारी ने अदालत को कहा कि इस पूरे मामले के दौरान दो प्लांट बंद हो चुके हैं और एक स्क्रेप बेच चुका है। उन्होंने कहा कि कई याचिकाकर्ताओं की स्थिति दयनीय है, "परंतु (सरकार) बंदूक की नोंक पर किसी से कोई भी काम करा सकती है। अदालत का कार्य है कि वह इस मामले को व्यवसायिक दृष्टि से नहीं बल्कि कानूनी दृष्टि से देखते हुए फैसला सुनाए और न्याय करे।"

थरूर को हराकर खड़गे ने कांग्रेस का नेतृत्व ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

शाम तक आ गई थी तथा पार्टी कार्यालय के "स्ट्रॉन्ग रूम" में रख दी गई थीं।

सोमवार को मतदान समाप्त होने के बाद, मिस्त्री ने एक प्रैस कॉन्फ्रेंस में बताया था कि गुप्त मतदान-पद्धति से पार्टी अध्यक्ष चुनने वाले मतदाता-मंडल में शामिल प्रदेश कांग्रेस कमेटियों (पी.सी.सी.) के कुल 9,915 प्रतिनिधियों में से 9,500 से अधिक लोगों ने ए.आई.सी.सी. मुख्यालय तथा पी.सी.सी. कार्यालयों पर अपने वोट डाले।

इनमें खड़गे को 7,897 तथा थरूर को 1,072 वोट मिले।

खड़गे के पार्टी अध्यक्ष निर्वाचित होने पर शशि थरूर ने उन्हें सबसे पहले बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

चुनाव परिणाम की घोषणा होती ही, कांग्रेस मुख्यालय में जश्न जैसा माहौल देखने को मिला, जो एक के बाद एक हार के कारण, कई वर्षों से दिखाई नहीं दिया था।

खड़गे ने सुधारों का वादा किया है लेकिन मीडिया का मानना है कि किन्हीं खास तथा मूलभूत परिवर्तनों की अपेक्षा नहीं की जा सकती।

उनके प्रतिद्वंदी ने अपना प्रचार-अभियान परिवर्तन के ईर्द-गिर्द ही रखा था, लेकिन जैसी अपेक्षा थी, वे हार गये। लेकिन थरूर ने कहा है कि चुनाव का नतीजा कुछ भी रहा हो, लेकिन इस चुनाव से "पार्टी कुल मिलाकर मजबूत हुई है।"

थरूर ने एक बयान में कहा, "मैं आने वाली चुनौतियों का सामना करते हुये, कांग्रेस के अपने साथियों के साथ काम करने की उत्सुकतापूर्वक प्रतीक्षा कर रहा हूँ।"

आज सुबह मतगणना शुरु होने के शीघ्र बाद ही थरूर ने चुनाव-प्रक्रिया में "अत्यधिक गंभीर अनियमितताओं" का आरोप लगाया था।

उनकी टीम ने एक तीखा पत्र लिखकर उत्तर प्रदेश के मतदान को निरस्त किये जाने की माँग की। लेकिन, थरूर ने बाद में इस माँग को वापस ले लिया।

उन्होंने इस पत्र के लीक हो जाने पर अफसोस प्रकट करते हुये कहा, "अब आगे बढ़ें।"

गांधी परिवार, जिसे चुनाव जीतने में पार्टी की असमर्थता का दोष दिया जाता था, इस चुनाव से दूर रहा था तथा उसका जोर इस बिन्दु पर ही रहा था कि नया कांग्रेस अध्यक्ष उस परिवार से बाहर का व्यक्ति ही होना चाहिये।

इस बात का साफ संकेत देते हुये कि अब सत्ता का केन्द्र 10, जनपथ से हट रहा है, सोनिया गांधी आज खड़गे के निवास, 10, राजाजी मार्ग, पर उनसे मिलने जाने वाली कांग्रेस की पहली हस्ती थीं।

सोनिया गांधी का खड़गे के आवास पर जाना, कांग्रेस की एक परम्परा को तोड़ने का प्रतीक है। अपने आवास से 10 मिनट की दूरी पर स्थित खड़गे के आवास तक सोनिया गांधी के जाने का उद्देश्य कांग्रेस जनों को इस बात का महत्व दर्शाता है कि अब पार्टी अध्यक्ष खड़गे हैं।

कांग्रेस नेतृत्व यदा-कदा ही किसी पार्टी नेता के घर गया है। पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ही इसका अपवाद थे।

2015 में, जब दो बार प्रधानमंत्री रहे मनमोहन सिंह को कोयल घोटाला केस में सम्मन भेजा गया था, तो उस समय उनके प्रति समर्थन प्रकट करने के लिये, सोनिया गांधी कांग्रेस की दो पदयात्रा को नेतृत्व देते हुये, पार्टी कार्यालय से मनमोहन सिंह के घर गई थीं।

इससे पूर्व, राहुल गांधी ने जोर देते हुये कहा कि अब वे, हर कांग्रेस सदस्य की तरह, "खड़गे जी" को रिपोर्ट किया करेंगे।

राहुल ने मीडिया से कहा, "मैं नये अध्यक्ष को रिपोर्ट किया करूँगा।"

उन्होंने नये पार्टी अध्यक्ष के बनने पर उनसे पूछे गये विभिन्न प्रश्नों के उत्तर में कहा, "पार्टी में मेरी भूमिका का निर्णय नये अध्यक्ष करेंगे।"

खड़गे 21वीं सदी के पहले गैर-गांधी कांग्रेस अध्यक्ष हैं। स्वतंत्रता प्राप्ति से लेकर अब तक, कांग्रेस को अधिकांशत: नेहरू-गांधी परिवार के किसी न किसी सदस्य का नेतृत्व मिलता रहा है और प्राय: सर्वसम्मत रूप से ही हुआ है।

थरूर ने एक बयान में कहा, "मुझे उत्सुकता से प्रतीक्षा है कि मैं कांग्रेसी साथियों के साथ काम करते हुये, आगामी चुनौतियों का सामना करूँ। मेरा मानना है कि हमारी पार्टी का पुनरुद्धार सही अर्थों में आज शुरु हो गया है।"

संजय...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कमेटी ने सचिव स्तर के कई पदों पर नियुक्तियां कीं। नगेन्द्रनाथ सिन्हा जो अभी ग्रामीण विकास सचिव हैं, इस्पात मंत्रालय में सचिव का पद भार संभालेंगे क्योंकि मौजूदा इस्पात सचिव संजय कुमार सिंह 31 दिसम्बर को रिटायर हो रहे हैं। अतिरिक्त सचिव शैलेश कुमार सिंह को नया ग्रामीण विकास सचिव नियुक्त किया गया है।

रजनीकांत...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

स्टार, जो एक समय राजनीति में आने के बारे सोच रहे थे, तथा भाजपा नेतृत्व के काफी नजदीक माने जाते हैं, ने उस समय आरोप लगाया था कि 2018 के एन्टी-स्टरलाइट प्रदर्शन में समाज विरोधी तत्व प्रवेश कर गये थे। रजनीकांत के उन बयानों, जिनमें उन्होंने प्रदर्शनकारियों को उस रूप में प्रस्तुत किया था, जैसे वे थे ही नहीं, के लिए उनकी खिंचाई करते हुये, पुलिस फायरिंग की जाँच करने वाली अरूणा जगदीशन कमेटी ने कहा है कि रजनीकान्त के आरोप बेबुनियाद थे। तमिलनाडु विधानसभा में प्रस्तुत अपनी रिपोर्ट में कमेटी ने कहा, "अभिनेता ने दूरगामी परिणामों वाला बयान दिया तथा अब वे उस आधार पर सामग्री की सत्यता का अच्छी तरह सत्यापन करेंगे जिस आधार पर उन्होंने बयान दिये थे।" उक्त अभिनेता 2018 में तूतीकोरन गये थे तथा फायरिंग में घायल हुये कुछ लोगों से मिले थे तथा बाद में आरोप लगाया था कि "असामाजिक तत्व तथा विषाक्त कीटाणु उस प्रदर्शन में प्रवेश कर गये थे।"

रजनीकान्त अपने उस कथन के समर्थन में कोई साक्ष्य प्रस्तुत करने में असमर्थ रहे थे, जिनकी उस समय बहुत आलोचना हुई थी, जब ये आरोप लगाये गये थे। कमेटी ने कहा कि सेलिब्रिटीज की जिम्मेदारी बहुत ज्यादा होती है तथा रजनीकान्त के स्तर के लोकप्रिय अभिनेता से ऐसे बयान देने की अपेक्षा नहीं की जा सकती। जब वे कोई बयान देते हैं तथा भोली-भाली जनता उसे महत्व देती है, तो उन्हें जानकारी के स्त्रोत को लेकर सुनिश्चित होना ही चाहिए। कमेटी ने कहा, "उन्होंने दूरगामी परिणामों वाला बयान दिया है तथा वे उस आधार की सामग्री की सत्यता की जाँच करेंगे, जिस आधार पर उन्होंने बयान दिया था।"

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा। आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड़, मेन रोड आयड़, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय:- एफ-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू। फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908